विक्रम संवत् 2081-82 ▪ फाल्गुन/चैत्र मास (01) ▪ 01 मार्च 2025 ▪ मूल्य : 23 रु.

आर.एन.आई. पंजीयन क्र.017261/69, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/297/2024-26, पृष्ठ संख्या-44, प्रकाशन दिनांक प्रत्येक माह की 10 तारीख, पोस्टिंग प्रत्येक माह की 15 एवं 20 तारीख

चैतेति

एमपी में बेहतर रिटर्न की अपार संभावनाएं

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रयागराज महाकुंभ में पवित्र स्नान किया।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी ने गुरु रविदास जयंती के अवसर पर पूजा-अर्चना की।

▪ भाजपा अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी ने प्रयागराज में श्री हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की।

▪ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ईशा फाउंडेशन, कोयंबटूर में महाशिवरात्रि समारोह में शामिल हुए।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित किया।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पेरिस, फ्रांस में भारत-फ्रांस सीईओ फोरम में भाग लिया।

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 8वीं बार परीक्षा पे चर्चा की।

अनुक्रमणिका

» **संपादकीय** - संजय गोविन्द खोचे 04

▪ इन्वेस्टर समिट से विकसित भारत

» **कवर स्टोरी** 05

▪ एमपी में बेहतर रिर्टन की अपार संभावनाएं - प्रधानमंत्री

▪ **कवर स्टोरी** 07

» इन्वेस्टर्स समिट से विकास को गति मिलेगी- अमित शाह

▪ **आलेख** 09

» प्रधानमंत्री द्वारा जीआईएस-2025 का शुभारंभ...

▪ **केंद्रीय बजट विश्लेषण** 11-20

» 'विकसित भारत बजट 2025-26' एक फोर्स...

» विकसित भारत हेतु कल्याणकारी बजट - विष्णुदत्त शर्मा

» बजट में गरीबों के सशक्तिकरण पर जोर - मनोहरलाल खट्टर

» समय की कसौटी पर खरा उतरना मोदी जी जानते हैं

» एक- एक मतदाता का ऋण उतारा मोदी जी ने

▪ **दिल्ली विजय ऐतिहासिक है** 21

» विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है- नरेन्द्र मोदी

▪ **कविता : अटल बिहारी वाजपेयी** 24

» अपने ही मन से कुछ बोलें

▪ **दिल्ली विजय ऐतिहासिक है** 25

» आपदा नही सहेंगे, बदल के रहेंगे, करके दिखाया

▪ **मेगा पार्टनरशिप** 27

» भारत + अमेरिका = बेहतर विश्व का निर्माण

▪ **नेशन फर्स्ट** 29

» 'सबका साथ, सबका विकास' सामूहिक जिम्मेदारी

▪ **मन की बात** 36

» महिलाओं का योगदान उल्लेखनीय है

▪ **पर्व विशेष** 40

» समरसता का संदेश देता होली पर्व

▪ **विचार प्रवाह** 41

» आत्मिक सुख की आवश्यकता

• मुख्य व्रत-त्यौहार

1. फुलरिया दोज, चन्द्रदर्शन 3. विनायकी चतुर्थी व्रत 10. आमलकी, रंगभरी एकादशी 11. गोविंद द्वादशी, प्रदोष व्रत 13. व्रत पूर्णिमा, होलिका दहन 14. होली उत्सव, स्ना. दा. पूर्णिमा 15. बसंतोत्सव 16. भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा 17. गणेश चतुर्थी व्रत 19. रंगपंचमी 20. एकनाथ छठ 21. भानु सप्तमी 22. शीतलाष्टमी (बसोरा) 25. पापमोचनी एकादशी 27. वारूणी पर्व, प्रदोष व्रत, शिव चतुर्दशी व्रत 29. स्नानदान श्राद्ध अमावस्या 30. गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रारंभ बैठकी, चेटीचंड, चंद्रदर्शन 31. सिंधारा दोज

• मुख्य जयंती-दिवस

1. स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती 10. सावित्री बा. फुले पुण्यतिथि 14. श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु जयंती, स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ जयंती 21. विश्व वानिकी दिवस 22. राष्ट्रीय शक संवत् 1947 प्रारम्भ 23. भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरू श. दि. 25 गणेश शंकर विद्यार्थी बलि. दिवस 30. महर्षि गौतम, डॉ. हेडगेवार जयंती, विक्रम संवत् 2082 नव वर्ष प्रारम्भ, नवरेह, ज्योतिष दिवस

वर्ष-57, अंक : 01, भोपाल, मार्च 2025

हमारे प्रेरणास्रोत

पं. दीनदयाल उपाध्याय

ध्येय बोध

बिना किसी उद्देश्य या दिशा के जिये गये नीरस जीवन का कोई मतलब नहीं है। जीवन में कुछ बड़ा प्राप्त करने के लिए आपको अपना सर्वस्व दांव पर लगा देना चाहिए और अपने विश्वास के बल पर छलांग लगानी चाहिए।

- पं. दीनदयाल उपाध्याय

सचिव, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
संजय गोविंद खोचे*

सहायक सम्पादक
पं. सलिल मालवीय

व्यवस्थापक
योगेन्द्रनाथ बरतरिया
मोबा. नं. 09425303801

पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन म.प्र. के लिये मुद्रक एवं प्रकाशक संजय गोविंद खोचे द्वारा पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016 से प्रकाशित

एवं एम. पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेस-II, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा - 201 305 से मुद्रित.

संपादकीय पता
पं. दीनदयाल परिसर,
ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल- 462016
e-mail:charevetibpl@gmail.com
web site:www.charaiveti.org

मूल्य- तेईस रुपये
*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार

इन्वेस्टर समिट से विकसित भारत

अब मध्य प्रदेश के युवाओं को नौकरियों के लिए पलायन की आवश्यकता नहीं होगी। मध्य प्रदेश अब अन्य राज्यों के युवाओं को भी रोजगार प्रदान करने वाला राज्य बनने जा रहा है। "विकास भी, विरासत भी" प्रधानमंत्री जी का यह सूत्र मध्य प्रदेश में चरितार्थ होने जा रहा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय का सिद्धांत भाजपा के विकास मंत्र का आधार है।

1 फरवरी को प्रस्तुत बजट में भारत सरकार ने अपनी मंशा प्रकट कर दी है। 100,000 प्रतिमाह आय वर्ग के मध्यम वर्ग को आयकर से मुक्त करके मध्यम वर्ग के हित में किसी भी सरकार द्वारा लिया गया यह सबसे महत्वपूर्ण व दूरगामी परिणामकारी निर्णय साबित होगा। एक तरफ जहां मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि होगी, वहीं बचत व खपत में उठाव मिलेगा। मार्केट में पैसा बढ़ेगा, रोजगार सृजन होगा। वहीं दूसरी तरफ हाल ही में 25 करोड़ गरीब लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है, उनका मध्यम वर्ग में टिका रहना संभव होगा या मध्यम वर्ग में स्थायित्व को और मजबूती प्रदान होगी। विकास के लिए मोदी सरकार ने चार सूत्रों को प्राथमिकता प्रदान की है। जिनमें कृषि, एमएसएमई, निवेश व निर्यात शामिल हैं। इन चारों क्षेत्रों में अंत्योदय से विकसित भारत का रास्ता निकलता है। मोदी सरकार विकसित भारत @ 2047 को समग्र विकास के रूप में स्थापित करना चाहती है। जिसमें कोई भी विकास की दौड़ में पीछे ना रह जावें। और किन्हीं कारणवश आज तक जो पीछे रह गए थे, उन्हें भी विकास की दौड़ में शामिल करना है। जो जहां है, वहीं उसके लिए रोजगार की व्यवस्था कर पलायन, बेरोजगारी को रोकने में बड़ी सफलता हासिल की है। 10 वर्षों के शासनकाल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाना, 17.90 करोड़ नौकरियां पैदा करना, 452 स्टार्टअप से 1.59 लाख स्टार्टअप, 14 करोड़ युवाओं को स्किल इंडिया के तहत प्रशिक्षित करना, 208 बिलियन से भी ज्यादा डिजिटल लेनदेन, 50 करोड़ से अधिक लोगों का बैंक खाता खोलना, एक देश एक कर लागू करना और सफलतापूर्वक बढ़ता जीएसटी कलेक्शन, भारत में बनी दवाओं का 27.85 बिलियन डॉलर का निर्यात,15000 करोड़ से अधिक का रक्षा निर्यात, ऑटोमोबाइल निर्यात 4.76 मिलियन वाहनों तक पहुंचाना, 45700 करोड़ रुपए का मोबाइल निर्यात। इस तरह आप देखेंगे भारत हर उस सेक्टर में तेजी से ऊपर आ रहा है जहां कभी भारत की उपस्थिति केवल सांकेतिक होती थी। निश्चित ही, भारत के तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा लाभार्थी समाज का वह वर्ग हो रहा है, जो केवल अपने भाग्य, भगवान व पारिवारिक पृष्ठभूमि को अपने विकास में बाधक मानता था। मोदी जी ने भाग्य, भगवान और पारिवारिक पृष्ठभूमि को विकास की दौड़ में बाधक बनने से रोका। सबको अवसर प्रदान कर चमत्कारिक नेतृत्व प्रदान किया।

महिलाओं को मोदी जी का स्थाई वोटर, छुपा हुआ वोटर, मजबूत वोटर माना जा रहा है। चाहे महिलाएं किसी भी समाज, जाति, आय वर्ग की हों। राजनीति के विशेषज्ञ बात तो सही कहते हैं पर यह अर्धसत्य है। वह यह भूल जाते हैं, यह मोदी जी की सरकार ही है जिन्होंने देश के राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों को महिलाओं को सौंपा। लोकसभा, विधानसभा में 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की, तीन तलाक की तलवार को हमेशा हमेशा के लिए दफन किया। जैसे ऐतिहासिक राजनीतिक निर्णय लिए, जो 70 वर्षों से तथाकथित बड़े नेताओं के भाषणों कि केवल शोभा बढ़ा रहे थे। मोदी सरकार ने भारत को संगठित कर सबका साथ- सबका विकास- सबका प्रयास- सबका विश्वास को धरातल पर उतार कर देश को नई दिशा व गति प्रदान की है।

मध्य प्रदेश की जनता को डबल इंजन की सरकार का भरपूर लाभ मिल रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश आज पावर सरप्लस राज्य है। बीना रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल परिसर में केंद्र सरकार 50000 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। नदी जोड़ो अभियान के अंतर्गत महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना में 45000 करोड़ रुपए के निवेश से खेती, पीने का पानी, औद्योगिक क्षेत्रों को जलापूर्ति सुनिश्चित कर बुंदेलखंड का नया इतिहास रचा जा रहा है।

डबल इंजन की सरकार से विकास की गति डबल से भी ज्यादा हो गई है। हाल में संपन्न ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान 3077000 करोड़ रूपये के निवेश के प्रस्तावों पर सहमति प्राप्त हुई। जो शीघ्र ही धरातल पर उतरेगी। इस समिट को सफल बनाने में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सघन प्रयास किए गए। जिसके परिणाम स्वरुप 200 भारतीय कंपनियां, 200 विश्व स्तरीय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, 20 यूनिकार्नो के संस्थापक, 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, मध्य प्रदेश में निवेश समिट को सफल बनाने व मध्य प्रदेश के भाग्य में नई इबारत लिखेंगे।

विकसित भारत में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी अब और महत्वपूर्ण होगी। अब मध्य प्रदेश के युवाओं को नौकरियों के लिए पलायन की आवश्यकता नहीं होगी। मध्य प्रदेश अब अन्य राज्यों के युवाओं को भी रोजगार प्रदान करने वाला राज्य बनने जा रहा है। ''विकास भी, विरासत भी'' प्रधानमंत्री जी का यह सूत्र मध्य प्रदेश में चरितार्थ होने जा रहा है। यह समिट मध्य प्रदेश के विकास को नये आयाम प्रदान करेगी। यह समिट मध्य प्रदेश ही नहीं भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में मदद करेगी। मध्य प्रदेश को कॉटन कैपिटल होने का भी लाभ मिलेगा। फूड प्रोसेसिंग के लिए मध्य प्रदेश एक शानदार डेस्टिनेशन सिद्ध होने जा रहा है। मध्य प्रदेश की स्थाई सरकार, मजबूत सरकार, स्किल्ड युवा व व्यापार, व्यवसाय के लिए सहयोगी शासकीय नीतियाँ, शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर, सरप्लस पावर, पर्याप्त जल व्यवस्था, प्रदूषण मुक्त वातावरण मध्य प्रदेश को आने वाले दिनों में मध्य प्रदेश ही नहीं भारत के विकास को नई गति प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दो दिवसीय मध्य प्रदेश यात्रा बीजेपी मध्य प्रदेश के लिए सुखद, यादगार, ऐतिहासिक साबित हो रही है। एक ओर भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री जी को मध्य प्रदेश में पाकर रोमांचित हुआ, अभिभूत है, संगठन को नई ऊर्जा मिली, प्रदेश संगठन पहले से ही दिल्ली की ऐतिहासिक सफलता से आत्मविश्वास से भरा हुआ था वहीं छतरपुर व भोपाल की प्रधानमंत्री जी की यात्रा से संगठन का उत्साह चरम पर आ गया है।

इन्वेस्टर समिट में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री की गरिमामय उपस्थिति समिट की सफलता की गारंटी मानी जा रही है। इस समिट की सफलता मध्यप्रदेश भाजपा संगठन व मध्य प्रदेश भाजपा सरकार का विकसित भारत@2047 के लिए योगदान नींव का पत्थर साबित होगा। ▪

(संजय गोविन्द खोचे)
सम्पादक

एमपी में बेहतर रिटर्न की अपार संभावनाएं - प्रधानमंत्री

भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी optimistic है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्य जन हों, अर्थ नीति के experts हों, विभिन्न देश हों या फिर institutions, सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं। पिछले कुछ हफ्तों में जो कमेंट्स आए हैं वो भारत में हर Investor का उत्साह बढ़ाने वाले हैं। कुछ दिन पहले ही world bank ने कहा है, भारत आने वाले सालों में ऐसे ही दुनिया की fastest growing economy बना रहेगा। OECD के एक अहम् representative का कहना है- Future of the world is in India, कुछ ही दिन पहले, Climate change पर UN की एक संस्था ने भारत को सोलर पावर की सुपरपावर कहा था। इस संस्था ने ये भी कहा कि जहाँ कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर के दिखाता है। हाल ही में, एक रिपोर्ट आई है। इसमें बताया गया कि ग्लोबल एयरोस्पेस फर्म्स के लिए कैसे भारत एक बेहतरीन सप्लाई चेन के रूप में उभर रहा है। ग्लोबल सप्लाई चेन challenges का जवाब वो भारत में देख रहे हैं। मैं ऐसे कई example यहां quote कर सकता हूं, जो भारत पर दुनिया के confidence को दर्शाते हैं। ये confidence, भारत के हर राज्य का भी confidence बढ़ा रहा है।

बीते दशक में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के boom का दौर देखा है। मैं कह सकता हूं, इसका बहुत बड़ा फायदा एमपी को मिला है। आज मध्य प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर से अधिक का रोड नेटवर्क है।

एमपी के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स, मॉडर्न एक्सप्रेस वे से जुड़ रहे हैं। यानि एमपी में logistics से जुड़े सेक्टर की तेज ग्रोथ तय है।

बीते दशक में भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के boom का दौर देखा है। मैं कह सकता हूं, इसका बहुत बड़ा फायदा एमपी को मिला है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे, जो देश के दो बड़े शहरों को जोड़ रहा है, उसका बड़ा हिस्सा एमपी से ही होकर गुजरता है। यानि एक तरफ एमपी को मुंबई के पोर्ट्स के लिए तेज कनेक्टिविटी मिल रही है, दूसरी तरफ नॉर्थ इंडिया के मार्केट्स को भी ये कनेक्ट कर रहा है। आज मध्य प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर से अधिक का रोड नेटवर्क है। एमपी के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स, मॉडर्न एक्सप्रेस वे से जुड़ रहे हैं। यानि एमपी में logistics से जुड़े सेक्टर की तेज ग्रोथ तय है।

एयर कनेक्टिविटी की बात करें, तो यहां ग्वालियर और जबलपुर एयरपोर्ट्स के टर्मिनल्स को भी expand किया गया है। और हम यहीं नहीं रुके हैं, एमपी का जो एक बड़ा rail network है, उसको भी modernise किया जा रहा है। एमपी में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत, 100 परसेंट electrification किया जा चुका है। भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तस्वीरें आज भी सबका मन मोह लेती हैं। इसी तर्ज पर एमपी के 80 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत मॉडर्न बनाया जा रहा है।

बीता दशक भारत के लिए एनर्जी सेक्टर की unprecedented growth का रहा है। खासतौर पर ग्रीन एनर्जी को लेकर भारत ने वो कर

दिखाया है, जिसकी कल्पना तक मुश्किल थी। बीते 10 वर्षों में करीब 70 बिलियन डॉलर यानि 5 ट्रिलियन रुपए से अधिक रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर में ही इन्वेस्ट हुआ है। इससे पिछले साल ही क्लीन एनर्जी स्पेस में 10 लाख से अधिक जॉब्स बनी हैं। एनर्जी सेक्टर के इस बूम का भी एमपी को बहुत लाभ मिला है। आज एमपी पावर सरप्लस है। यहां करीब 31 हजार मेगावाट पावर जेनरेशन कैपेसिटी है, जिसमें से 30 परसेंट क्लीन एनर्जी है। रीवा सोलर पार्क , देश के सबसे बड़े parks में से एक है। अभी कुछ दिन पहले ही ओंकारेश्वर में फ्लोटिंग सोलर प्लांट भी शुरू हुआ है। सरकार द्वारा बीना रिफाइनरी पेट्रोकेमिकल कॉम्पलेक्स पर करीब 50 हजार करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट किया गया है। ये मध्य प्रदेश को petrochemicals का हब बनाने में मदद करेगा। मध्य प्रदेश का जो ये इंफ्रास्ट्रक्चर है, इसको एमपी सरकार आधुनिक पॉलिसीज और स्पेशल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर से सपोर्ट कर रही है। एमपी में 300 से ज्यादा इंडस्ट्रियल जोन्स हैं, पीथमपुर, रतलाम और देवास में हजारों एकड़ के इन्वेस्टमेंट जोन्स भी डेवलप किए जा रहे हैं। यानि आप सभी इन्वेस्टर्स के लिए यहां बेहतर return की अपार संभावनाएं हैं।

हम सभी जानते हैं कि औद्योगिक विकास के लिए वॉटर सेक्योरिटी होना कितना जरूरी है। इसके लिए एक तरफ water conservation पर बल दे रहे हैं, दूसरी तरफ हम river interlinking का मेगा मिशन लेकर भी आगे बढ़ रहे हैं। मध्य प्रदेश की खेती, यहां की इंडस्ट्री, इसकी बहुत बड़ी बेनिफिशरी है। हाल में ही 45 हजार करोड़ रुपए के केन-बेतवा River Interlinking Project पर काम शुरु हुआ है। इससे करीब 10 लाख हेक्टेयर एग्रीकल्चर लैंड की प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी। इससे एमपी में वॉटर मैनेजमेंट को भी नई ताकत मिलेगी। ऐसी सुविधाओं से फूड प्रोसेसिंग, एग्रो इंडस्ट्री और टेक्सटाइल सेक्टर में बहुत बड़ा potential unlock होगा।

एमपी में डबल इंजन सरकार बनने के बाद विकास की गति भी जैसे डबल हो गई है। केंद्र सरकार कंधे से कंधा मिलाकर एमपी के विकास में, देश के विकास में जुटी है। चुनाव के समय मैंने कहा था कि अपने तीसरे टर्म में हम तीन गुना तेजी से काम करेंगे। ये स्पीड हम, साल 2025 के पहले 50 दिनों में भी देख रहे हैं। इसी महीने हमारा बजट आया है। इस बजट में, भारत की ग्रोथ के हर catalyst को हमने energise किया है। हमारा मिडिल क्लास, सबसे बड़ा टैक्स पेयर भी है, ये सर्विस और मैन्युफेक्चरिंग के लिए डिमांड भी क्रिएट करता है। इस बजट में मिडिल क्लास को Empower करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। हमने 12 लाख रुपए तक की इनकम को टैक्स फ्री किया है, टैक्स स्लैब्स को री-स्ट्रक्चर किया है। बजट के बाद RBI ने भी ब्याज दरें घटाई हैं।

बजट में लोकल सप्लाई चेन के निर्माण पर बल दिया गया है, ताकि मैन्युफेक्चरिंग में हम पूरी तरह से आत्मनिर्भर हो सकें । एक समय था, जब MSMEs के सामर्थ्य को पहले की सरकारों ने सीमित करके रखा था। इसके कारण भारत में लोकल सप्लाई चेन उस लेवल पर विकसित नहीं हो पाई। आज हम priority के आधार पर MSME led लोकल सप्लाई चेन का निर्माण कर रहे हैं। इसके लिए MSME की डेफिनेशन को और सुधारा गया है। MSMEs को क्रेडिट लिंक्ड इंसेंटिव दिए जा रहे हैं, एक्सेस टू क्रेडिट आसान बनाया जा रहा है, वैल्यू एडिशन और एक्सपोर्ट के लिए भी सपोर्ट बढ़ाया गया है।

बीते एक दशक से नेशनल लेवल पर हम एक के बाद एक बड़े रिफॉर्म्स को गति दे रहे हैं। अब स्टेट और लोकल लेवल पर भी रिफॉर्म्स को encourage किया जा रहा है। मैं आपके बीच, स्टेट डी-रेगुलेशन कमीशन की चर्चा जरूर करना चाहता हूं, जिसके विषय में बजट में बात हुई है। हम राज्यों के साथ निरंतर बातचीत कर रहे हैं। राज्यों के साथ मिलकर, बीते वर्षों में हमने 40 हजार से ज्यादा कंप्लायसेंस को कम किया है। बीते सालों में ऐसे 1500 कानूनों को खत्म किया गया है, जो अपना महत्व खो चुके थे। हमारा मकसद यही है कि ऐसे regulations की पहचान हो, जो ease of doing business के रास्ते में रोड़ा हैं। डी-रेगुलेशन कमीशन, राज्यों में investment friendly regulatory ecosystem बनाने में मदद करेगा।

बजट में ही हमने बेसिक कस्टम ड्यूटीज स्ट्रक्चर को भी simplify किया है। इंडस्ट्री के लिए जरूरी कई इनपुट्स पर रेट्स कम किए हैं। Custom cases की assessment के लिए भी एक टाइम लिमिट तय की जा रही है। इसके अलावा, नए सेक्टर्स को प्राइवेट entrepreneurship के लिए, इन्वेस्टमेंट के लिए खोलने का दौर भी जारी है। इस वर्ष हमने न्यूक्लियर एनर्जी, बायो-मैन्युफेक्चरिंग, क्रिटिकल मिनरल्स की प्रोसेसिंग, लिथियम बैटरी की मैन्युफेक्चरिंग ऐसे अनेक नए एवेन्यूज, investment के लिए ओपन किए गए हैं। ये सरकार के intent और commitment को दिखाता है।

भारत के विकसित भविष्य में तीन सेक्टर्स की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली हैं। ये तीनों सेक्टर्स, करोड़ों नई जॉब्स क्रिएट करने वाले हैं। ये सेक्टर्स हैं, textile, tourism और technology. आप textile के सेक्टर को ही देखें, तो भारत cotton, सिल्क, पॉलिएस्टर और विस्कोस का दूसरा सबसे बड़ा producer है। भारत का टेक्सटाइल सेक्टर करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। भारत के पास textile से जुड़ी एक पूरी tradition भी है, स्किल भी है और entrepreneurship भी है। और मध्य प्रदेश तो एक प्रकार से भारत की cotton capital है। भारत की करीब twenty five परसेंट, 25 प्रतिशत organic cotton supply, मध्य प्रदेश से ही होती है। मध्य प्रदेश, mulberry silk इसका भी देश का सबसे बड़ा producer है। यहां की चंदेरी और माहेश्वरी साड़ियां बहुत पसंद की जाती हैं। इन्हें GI Tag दिया जा चुका है। इस सेक्टर में आपका इंवेस्टमेंट, यहां के टेक्सटाइल को ग्लोबली अपनी छाप छोड़ने में बहुत मदद करेगा।

भारत, ट्रेडिशनल टेक्सटाइल के अलावा, नए एवेन्यू भी खोज रहा है। Agro Textile, Medical Textile और Geo Textile ऐसे टेक्निकल टेक्सटाइल को हम बढ़ावा दे रहे हैं। इसके लिए नेशनल मिशन शुरु किया गया है। इसे बजट में भी हमने प्रोत्साहन दिया है। आप सभी सरकार की पीएम मित्र स्कीम से भी परिचित हैं। देश में टेक्सटाइल सेक्टर के लिए ही, 7 बड़े टेक्सटाइल पार्क बनाए जा रहे हैं। इनमें से एक मध्य प्रदेश में भी बन रहा है। ये textile sector की ग्रोथ को नई बुलंदी देने वाला है। मेरा आग्रह है कि आप textile sector के लिए घोषित PLI स्कीम का भी जरूर फायदा उठाएं।

Textile की तरह ही, भारत अपने टूरिज्म सेक्टर में भी नए आयाम जोड़ रहा है। कभी एमपी टूरिज्म का एक कैंपेन होता था, एमपी अजब भी है, सबसे गजब भी है। यहां एमपी में, नर्मदा जी के आसपास के स्थानों का, आदिवासी क्षेत्रों में टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर का बहुत अधिक विकास हुआ है। यहां कितने ही सारे नेशनल पार्कस हैं, यहां health and wellness से जुड़े टूरिज्म के लिए भी अपार संभावनाएं हैं। Heal in India, इसका मंत्र दुनिया को पसंद आ रहा है। हेल्थ एंड वेलनेस के क्षेत्र में भी इन्वेस्टमेंट के लिए opportunities लगातार बढ़ रही हैं। इसलिए हमारी सरकार, इसमें पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को encourage कर रही है। भारत की ट्रेडिशनल ट्रीटमेंट को, आयुष को भी बहुत बड़े लेवल पर प्रमोट किया जा रहा है। हम स्पेशल आयुष वीजा भी दे रहे हैं। इन सभी से एमपी को भी बहुत फायदा मिलने वाला है।

मैंने लाल किले से कहा है- यही समय है, सही समय है। आपके लिए एमपी में investment करने और investment बढ़ाने का भी यही सही समय है। ▪

इन्वेस्टर्स समिट से विकास को गति मिलेगी- अमित शाह

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में एक स्थायी और मजबूत सरकार काम कर रही है, जिससे यहाँ विकास के द्वार खुले हैं।
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान हुए 30 लाख 77 हजार करोड़ रूपए के MOUs को मध्य प्रदेश सरकार जल्द ही जमीन पर उतारेगी।
- श्री मोदी जी के विकसित भारत और देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प में यह इन्वेस्टमेंट समिट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- मध्य प्रदेश में निवेशकों को मिलेगा पारदर्शी शासन, स्थायी नीतियां और दो कदम आगे बढ़कर हाथ मिलाने वाला प्रशासन।
- मध्य प्रदेश में land, labor force,, शिक्षित युवा व स्किल्ड वर्क फोर्स भी है और mines, minerals एवं उद्योगों के लिए संभावनाएं व अवसर भी हैं।
- मध्य प्रदेश ने हर क्षेत्र का अलग-अलग इन्वेस्टमेंट समिट कर राज्य का समविकास करने का प्रयास किया है, जो कई राज्यों को दिशा दिखाएगा।
- मध्य प्रदेश सरकार के पारदर्शी शासन ने निवेश के लिए काफी लोगों को आकर्षित किया है।

दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान कुल 30 लाख 77 हजार करोड़ रूपए के MOUs किए गए। इनमें से कई MOUs जमीन पर उतरेंगे और एक बड़ी इंडस्ट्री के साथ-साथ सहायक उद्योगों को भी मध्य प्रदेश में स्थापित करने में राज्य सरकार को मदद करेंगे। दो दिवसीय समिट में 200 से अधिक भारतीय कंपनियां, 200 से अधिक वैश्विक सीईओ, 20 से अधिक यूनिकॉर्न संस्थापक और 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि मध्य प्रदेश में निवेश करने और यहां के माहौल को देखने आए। इस बार मध्य प्रदेश ने एक नए प्रयोग के तहत हर क्षेत्र का अलग-अलग इन्वेस्टमेंट समिट कर पूरे मध्य प्रदेश का समविकास करने का प्रयास किया है, जो आने वाले दिनों में कई राज्यों को दिशा दिखाएगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने देश के युवाओं और 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने और 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

मध्य प्रदेश की ये इन्वेस्टमेंट समिट इन दोनों लक्ष्यों को सिद्ध करने में न सिर्फ सहायक होगी बल्कि इनमें बहुत बड़ा योगदान भी देगी।

इस समिट में मध्य प्रदेश ने विकास के लिए अपने industrial potential, sectoral potential और global potential को भी एक्सप्लोर करने के सारे रास्ते खोलने का प्रयास किया है। इस समिट ने मध्य प्रदेश के विकास को नया आयाम देने का काम किया है। मध्य प्रदेश हमारे देश की भव्य सांस्कृतिक विरासत से भरपूर है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिए गए 'विकास भी विरासत भी' के सूत्र को चरितार्थ करने के लिए राज्य कई प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने देश के युवाओं और 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने और 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। मध्य प्रदेश की ये इन्वेस्टमेंट समिट इन दोनों लक्ष्यों को सिद्ध करने में न सिर्फ सहायक होगी बल्कि इनमें बहुत बड़ा योगदान भी देगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी की टीम इंडिया की कल्पना में भारत सरकार और सभी राज्यों की टीमों को साथ मिलकर पूरे देश का विकास करने की दिशा में जाने का लक्ष्य रखा गया था जिसे इस कार्यक्रम ने आगे बढ़ाया है।

इस समिट में लोकल और ग्लोबल दोनों प्रकार के निवेश में वृद्धि करने के कई आयाम हासिल किए गए हैं। ये समिट भारत की अमृत पीढ़ी के लिए कौशल विकास के कई द्वार भी खोलेगी। ऑटोमेशन और जॉब क्रिएशन के बीच समन्वय बनाकर मध्य प्रदेश सरकार ने अलग-अलग सेक्टर्स के लिए जो नीतियां बनाई हैं वो आगे

बढ़ेंगी और ये समिट भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में भी बहुत सहायता करेगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में एक स्थायी और मजबूत सरकार काम कर रही है, जिससे विकास के द्वार खुल रहे हैं। भारत के दिल जैसे मध्य प्रदेश की एक स्ट्रैटेजिक लोकेशन है और यहां बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर भी बन चुका है। इसी प्रकार, स्किल्ड वर्क फोर्स की एक बड़ी फौज यहां उपलब्ध है और प्रशासन ने बेहतरीन इकोसिस्टम भी उपलब्ध कराया है। मध्य प्रदेश से अधिक मार्केट का एक्सेस भी किसी को उपलब्ध नहीं है और डिमांड ओरिऐंटेड इकोनॉमी भी अब यहां काफी तेजी से बढ़ रही है। मध्य प्रदेश सरकार के पारदर्शी शासन ने निवेश के लिए काफी लोगों को आकर्षित किया है। यहां land भी है, labor force भी है, mines भी हैं minerals भी हैं, उद्योगों के लिए संभावनाऐं और अवसर भी हैं, शिक्षित युवा भी हैं और स्किल्ड वर्क फोर्स भी है। मध्य प्रदेश आज पूरे भारत में हर प्रकार से निवेश के लिए एक बड़ा आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

एक जमाने में मध्य प्रदेश की गिनती बीमारू राज्यों में होती थी लेकिन हमारी सरकार के 20 साल के सतत् शासन के बाद यहां 5 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क बना है, आज यहां 6 हवाई अड्डे हैं, 31 गीगावॉट की ऊर्जा क्षमता है जिसमें से 30 प्रतिशत क्लीन एनर्जी है। IIM, IIT, AIIMS, IITM, NIFT और NIFD जैसे कई प्रतिष्ठित संस्थान मध्य प्रदेश के युवाओं को इन मौकों के दोहन के लिए योग्य बना रहे हैं। मध्य प्रदेश देशभर में सबसे अधिक खनिज संपदा वाले राज्यों में से एक है। मध्य प्रदेश एक प्रकार से देश का कॉटन कैपिटल भी बन गया है और देश के 25 प्रतिशत ऑर्गेनिक कॉटन की सप्लाई यहां से होती है। मध्य प्रदेश को फूड प्रोसेसिंग के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण राज्य माना जाता है। मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए जनविश्वास विधेयक पारित करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बना है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 10 साल के शासन में देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो गुना हुआ है, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2 गुना हो चुका है और प्रति व्यक्ति आय भी दस साल में दो गुना हुई है। मोदी सरकार ने पिछले दस साल में देश में एक बहुत बड़ी और बुलंद इमारत की नींव डालने का काम किया है और इस पर आने वाले दस साल में भारत के विकास के कई नए आयाम गढ़े जाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पिछले 10 साल में देश के 54 करोड़ लोगों को बैंकिंग नेट में लाने का काम किया है। इन लोगों के पास आजादी के 75 साल तक बैंक अकाउंट ही नहीं था, लेकिन आज इन्हें बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने का काम मोदी जी ने किया है। Insolvency & Bankruptcy और NPA को 2.5 प्रतिशत से नीचे लाने, जीएसटी का सफल इम्प्लीमेंटेशन, सिंगल विंडो क्लीयरेंस और इन्फ्रास्ट्रक्चर के कई काम पिछले 10 साल में मोदी जी के शासनकाल में हुए हैं। देश में 60 हजार किलोमीटर राजमार्ग की वृद्धि, 8 लाख किलोमीटर गावों के रास्ते बने हैं, हवाई अड्डे 74 से बढ़कर 157 हुए हैं, रेलवे का विस्तार डबल हुआ है और कार्गो की हैंडलिंग में भी दो गुनी वृद्धि हुई है। भारत कई नई पहल कर आने वाले 25 साल तक विश्व की आर्थिक दिशा तय करने वाले सेक्टर्स का संस्थापक बना है।

मध्य प्रदेश की इन्वेस्टमेंट समिट ने न सिर्फ राज्य बल्कि भारत के विकास को भी गति देने का काम किया है। मध्य प्रदेश आने वाले दिनों में भारत के प्रमुख उद्योगों को स्थापित करने वाले राज्यों में शामिल होगा। मध्य प्रदेश में एक पारदर्शी शासन, स्थायी नीतियां और दो कदम आगे बढ़कर हाथ मिलाने वाला प्रशासन भी मिलेगा। ▪

मध्यप्रदेश बनेगा स्वर्णिम प्रदेश- विष्णुदत्त शर्मा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास में नित नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। आजादी के बाद वर्षों तक मध्यप्रदेश में शासन करने वाली कांग्रेस के कार्यकाल में अंग्रेजों के जमाने में स्थापित उद्योग भी दम तोड़ दिए थे। 2003 में मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद उद्योगों को प्रोत्साहित किया और आज मध्यप्रदेश में देशी और विदेशी निवेशक लाखों करोड़ का निवेश कर रहे हैं। संभागों में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव व ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख 77 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव आए हैं, जिनमें 21 लाख 40 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार मध्यप्रदेश को विकसित मध्यप्रदेश से स्वर्णिम और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के विकास के लिए भागीरथ प्रयास कर रहे हैं। 30 लाख 77 हजार करोड़ से अधिक के जो निवेश प्रस्ताव आए हैं, वह सब धरातल पर कार्य रूप में परिणित होंगे और मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में तेज गति से तरक्की करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नीतियों और उनके कार्यों से भारत का वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान बढ़ा है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर देशी-विदेशी उद्योगपतियों का अटूट विश्वास है। इसी अटूट विश्वास का परिणाम है कि भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 60 से अधिक देशों के 100 से अधिक विदेशी प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश में निवेश और व्यापारिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की है। रूस, जर्मनी, जापान, इटली, कनाडा, मोरक्को, पोलैंड, रवांडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे 9 देशों ने समिट में कंट्री पार्टनर के रूप में सहभागिता की। 300 से अधिक उद्योग घरानों के प्रमुखों सहित 25 हजार से अधिक देशी-विदेशी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में निवेश करने में रूचि दिखाई है। ▪

प्रधानमंत्री द्वारा जीआईएस-2025 का शुभारंभ गौरवशाली क्षण

डॉ. मोहन यादव

हमें अति प्रसन्नता है कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के सबसे बड़े नायक, यशस्वी प्रधानमंत्री स्वयं इस समिट के साक्षी बने और उन्होंने मध्यप्रदेश को स्वर्णिम विकास का आशीर्वाद दिया।

समिट में अनेक देशों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक बंधु, मध्यप्रदेश के प्रवासी मित्र आदि शामिल हुए हैं।

मध्यप्रदेश की राजधानी और झीलों की नगरी भोपाल में नया इतिहास रचा गया है। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि 8 वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के इस ऐतिहासिक समागम का शुभारंभ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद के साथ हुआ है। ये दो दिन मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के नये आयाम स्थापित करेंगे। इस वर्ष की थीम है 'अनंत संभावनाएँ', जो मध्यप्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। इन्वेस्टर्स समिट के रूप में निवेश मनीषियों का यह समागम अनंत संभावनाओं के साथ विकास का नया इतिहास लिखने जा रहा है। हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि राजा भोज की नगरी भोपाल अपने गौरवशाली अतीत के साथ भविष्य की स्वप्निल उड़ान के लिये तैयार है। हमें अति प्रसन्नता है कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के सबसे बड़े नायक, यशस्वी प्रधानमंत्री स्वयं इस समिट के साक्षी बने और उन्होंने मध्यप्रदेश को स्वर्णिम विकास का आशीर्वाद दिया। समिट में अनेक देशों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक बंधु, मध्यप्रदेश के प्रवासी मित्र आदि शामिल हुए हैं।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आज पूरी दुनिया में भारत और भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत आर्थिक और सामरिक रूप से विश्व में सर्वश्रेष्ठ शक्ति बने। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प के अनुरूप ही मध्यप्रदेश ने विकास की रूपरेखा तैयार की है। विकास का यह स्वरूप विरासत के साथ वैश्विक भी है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम एक वर्ष पहले निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा पर निकले। मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यह जल, वन, खनिज, पुरा और कृषि संपदा से समृद्ध है। विविधता से संपन्न प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है, मेधा है और आवश्यकता है। इसी को केन्द्र में रखकर हमने पहली बार सबसे पहले रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया। इसमें प्रदेश के हर क्षेत्र का कौशल और उद्यम शामिल हुआ। हमने व्यापार में सरलता और निवेशकों के साथ सीधे संवाद को प्राथमिकता दी। मार्च 2024 में उज्जैन से शुरू हुई इस निवेश यात्रा में जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, शहडोल, नर्मदापुरम, मुंबई, कोयंबटूर, बेंगलुरु, कोलकाता, पुणे, दिल्ली, यूके, जर्मनी और जापान आदि शामिल हैं। इन विभिन्न सम्मेलनों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रोड-शोज के माध्यम से मध्यप्रदेश ने 4.8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। इन निवेश प्रस्तावों ने लगभग 2 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित किए हैं, जो प्रदेश के प्रति निवेशकों

के विश्वास को दर्शाता है।

हमने वर्ष-2025 को 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष' के रूप में मनाने का निर्णय लिया और लक्ष्य निर्धारित किया। इसी दिशा में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कदम उठाये। निवेश को सरल, सहज और व्यवहारिक बनाने के लिए विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों के लिए विशेष नीतियां बनाई गईं। निवेश, उद्योग, ऊर्जा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नवाचार, अनुसंधान, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 19 नई नीतियां लेकर आए हैं। इन नीतियों से ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल एवं गारमेंट, कृषि, दवा उत्पादन, आईटी, डाटा सेंटर एवं जी.सी.सी, एनिमेशन एवं गेमिंग, ड्रोन एवं सेमी-कंडक्टर, खनिज, पेट्रोलियम, पर्यटन, शिक्षा तथा चिकित्सा के क्षेत्र में निवेश कर अच्छा वित्तीय लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश को देश का टेक्सटाइल कैपिटल और मैन्युफैक्चरिंग का फेवरिट डेस्टिनेशन कहा है। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। साथ ही हमें टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी का 'ट्रिपल-टी' मंत्र दिया है, हम उस मंत्र का अनुसरण करेंगे।

हम भाग्यशाली है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से मध्यप्रदेश को लगातार महत्वपूर्ण सौगातें मिल रही हैं। इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था ने तेजी से विकास करते हुए अन्य प्रदेशों से चार गुना से अधिक प्रगति की है। केन्द्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार, डबल डिजिट की विकास दर के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है।

उद्योगों के विकास और विस्तार के लिए भूमि, जल, बिजली और कुशल कार्यबल आवश्यक है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हमारे प्रदेश में सरप्लस बिजली है, पर्याप्त पानी है, विशाल लैंड बैंक है और स्किल्ड मेन पॉवर है। कुशल कार्यबल निर्मित करने के लिए हमने ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना की, जिसमें कौशल संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

प्रदेश में विकास, निर्माण और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ईज ऑफ डूइंग व्यवस्था की गई, देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी लागू कर समय पर सेवाएं प्रदान करने का क्रम निर्मित किया। किसानों के लिए लाभकारी लैंड-पूलिंग योजना लागू की और कृषि उपज व्यवस्था को सीधे उद्योग जगत से जोड़ा। मध्यप्रदेश की जीवन रेखा माँ नर्मदा से यहां जल संपदा की प्रचुरता है। मुझे यह बताते हुए खुशी है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश को केन-बेतवा और पार्वती-काली सिंध-चंबल रिवर लिंक परियोजना की सौगात मिली है।

ऊर्जा संपन्न मध्यप्रदेश ने नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कई नवाचार किए। रीवा सोलर प्लांट से दिल्ली मेट्रो को बिजली की आपूर्ति हो रही है। वर्ष 2030 तक प्रधानमंत्री जी द्वारा नवकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन उत्पादन का जो लक्ष्य रखा है उसमें मध्यप्रदेश महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

मध्यप्रदेश को देश का मुख्य इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए देशभर के एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। अधोसंरचना विकास के अंतर्गत मेगा फुटवेयर क्लस्टर (मुरैना), नवकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण (मोहासा-बाबई) और पीएम मित्रा पार्क (धार) सहित कई बड़े प्रोजेक्ट प्रगति पर हैं। विक्रम उद्योगपुरी (उज्जैन) में मेडिकल डिवाइसेज पार्क और 06 नए औद्योगिक क्षेत्रों का विकास हो रहा है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि आगामी वर्ष में 13 औद्योगिक पार्क पूर्ण होंगे और 20 नए औद्योगिक पार्कों का कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिससे प्रदेश में निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

हमारा प्रदेश सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। इस समिट में दुनिया भर से पधारे औद्योगिक प्रतिनिधि और निवेशक प्रदेश के पर्यटन और सांस्कृतिक वैभव से परिचित होंगे। हमने विरासत से विकास का संकल्प लिया है। भारत का वैभवशाली और समृद्ध इतिहास है। अपनी वैभवशाली विरासत के साथ इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, डिफेंस टेक्नोलॉजी तथा अन्य प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में निवेश को केन्द्रित किया गया है।

प्रधानमंत्री जी का संकल्प है आजादी के 100वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को 35 ट्रिलियन डॉलर की पूर्ण विकसित अर्थव्यवस्था बनाना और विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना है। विकसित भारत निर्माण के इस संकल्प में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलू शामिल हैं। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प की पूर्ति में मध्यप्रदेश सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। यह समिट प्रधानमंत्री जी के सकंल्प, प्रदेश के विकास और जनता के विश्वास को पूरा करेगी।

इस समिट में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग जगत शामिल हो रहा है। यह पहला अवसर है जब ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में गांव से लेकर ग्लोबल का समागम हो रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह समिट मध्यप्रदेश की आधारभूत प्रगति और समृद्धि की नई इबारत लिखेगी। विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के साथ विकसित भारत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ▪

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

'विकसित भारत बजट 2025-26' एक फोर्स मल्टीप्लायर है - नरेन्द्र मोदी

- **140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा, विकसित भारत बजट 2025-26।**
- **विकसित भारत बजट 2025-26 एक बल गुणक है।**
- **विकसित भारत बजट 2025-26 प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाता है।**
- **विकसित भारत बजट 2025-26 कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाएगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।**
- **विकसित भारत बजट 2025-26 हमारे देश के मध्यम वर्ग को बहुत लाभ पहुंचाएगा।**
- **विकसित भारत बजट 2025-26 में उद्यमियों, एमएसएमई और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए विनिर्माण पर 360 डिग्री यानि संपूर्ण ध्यान केंद्रित किया गया है।**

ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर्स युवाओं के लिए खोल दिए हैं। सामान्य नागरिक, विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है।

आज भारत की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है! ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है, ये हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने कई सेक्टर्स युवाओं के लिए खोल दिए हैं। सामान्य नागरिक, विकसित भारत के मिशन को ड्राइव करने वाला है। यह बजट एक फोर्स मल्टीप्लायर है। यह बजट सेविंग्स को बढ़ाएगा, इन्वेस्टमेंट को बढ़ाएगा, कंजम्पशन को बढ़ाएगा और ग्रोथ को भी तेजी से बढ़ाएगा।

आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिल्कुल उल्टा है। लेकिन ये बजट देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगी, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे, ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है।

इस बजट में रीफॉर्म की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गए हैं। न्यूक्लियर एनर्जी में प्राइवेट सेक्टर को बढ़ावा देने का निर्णय बहुत ही ऐतिहासिक है। ये आने वाले समय में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी का बड़ा योगदान देश के विकास में सुनिश्चित करेगा। बजट में रोजगार के सभी क्षेत्रों को हर प्रकार से प्राथमिकता दी गई है। लेकिन मैं दो चीजों पर ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा, उन रीफॉर्म्स की मैं चर्चा करना चाहूँगा, जो आने वाले समय में बहुत बड़ा परिवर्तन लाने वाले हैं। एक- इंफ्रास्ट्रक्चर स्टेटस देने के कारण भारत में बड़े शिप्स के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति मिलेगी और हम सब जानते हैं कि शिप बिल्डिंग सर्वाधिक रोजगार देने वाल क्षेत्र है। उसी प्रकार से देश में टूरिज्म के लिए बहुत संभावना है। महत्वपूर्ण 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स, वहां पर जो होटल्स बनाएंगे, उस होटल को पहली बार इंफ्रास्ट्रक्चर के दायरे में लाकर टूरिज्म पर बहुत बल दिया है। इससे होस्पिटैलिटी सेक्टर को जो रोजगार का बहुत बड़ा क्षेत्र है और टूरिज्म जो रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र है, एक प्रकार से चारों तरफ रोजगार के अवसर पैदा करने करने वाला ये क्षेत्र को ऊर्जा देने वाला काम करेगा। आज देश, विकास भी, विरासत भी इस मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में भी इसके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए, manuscript के लिए ज्ञान भारतम मिशन लॉन्च किया गया है। साथ ही, भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित एक नेशनल डिजिटल रिपॉजटरी बनाई जाएगी। यानी टेक्नोलॉजी का भरपूर उपयोग किया जाएगा और हमारा जो परंपरागत ज्ञान है, उसमें से अमृत निचोड़ने का भी काम होगा।

बजट में किसानों के लिए जो घोषणा हुई है वो कृषि क्षेत्र और समूची ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई क्रांति का आधार बनेगी। पीएम धन-धान्य कृषि योजना के तहत 100 जिलों में सिंचाई और इनफ्रास्ट्रक्चर का development होगा, किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 5 लाख तक होने से उन्हें ज्यादा मदद मिलेगी।

अब इस बजट में 12 लाख रुपए तक की आय को टैक्स से मुक्त कर दिया गया है। सभी आय वर्ग के लोगों के लिए टैक्स में भी कमी की गई है। इसका बहुत बड़ा फायदा हमारे मिडिल क्लास को, नौकरी पेशे करने वाले जिनकी आय बंधी हुई है, ऐसे लोगों को मिडिल क्लास को इससे बहुत बड़ा लाभ होने वाला है। उसी प्रकार से जो नए-नए प्रोफेशन में आए हैं, जिनको नए

नए जॉब मिले हैं, इनकम टैक्स की ये मुक्ति उनके लिए एक बहुत बड़ा अवसर बन जाएगी।

इस बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर 360 डिग्री फोकस है, ताकि Entrepreneurs को, MSMEs को, छोटे उद्यमियों को मजबूती मिले और नई Jobs पैदा हों। नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन से लेकर क्लीनटेक, लेदर, फुटवियर, टॉय इंडस्ट्री जैसे अनेक सेक्टर्स को विशेष समर्थन दिया गया है। लक्ष्य साफ है कि भारतीय प्रोडक्ट्स, ग्लोबल मार्केट में अपनी चमक बिखेर सकें ।

राज्यों में इन्वेस्टमेंट का एक वाइब्रेंट कंपटीटिव माहौल बने, इस पर बजट में विशेष जोर दिया गया है। MSMEs और स्टार्टअप्स के लिए क्रेडिट गारंटी को दोगुना करने की घोषणा भी हुई है। देश के SC, ST और महिला उद्यमी, जो नए उद्यमी बनना चाहते हैं, उनको 2 करोड़ रुपए तक के लोन की योजना भी लाई गई है और वो भी बिना गारंटी। इस बजट में, new age इकॉनॉमी को ध्यान में रखते हुए gig workers के लिए बहुत बड़ी घोषणा की गई है। पहली बार gig workers, का ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके बाद इन साथियों को स्वास्थ्य सेवा और दूसरी सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स का लाभ मिलेगा। ये डिग्निटी ऑफ लेबर इसके प्रति, श्रमेव जयते के प्रति सरकार के कमिटमेंट को दर्शाता है। रेगुलेटरी रिफॉर्म्स से लेकर फाइनांशियल रिफॉर्म्स जन विश्वास 2.0 जैसे कदमों से मिनिमम गवर्नमेंट और ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस के हमारे कमिटमेंट को और बल मिलेगा।

ये बजट न केवल देश की वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखता है, बल्कि हमें भविष्य की तैयारी करने में भी मदद करता है। स्टार्टअप के लिए डीप टेक फंड, जियोस्पेशियल मिशन और न्यूक्लियर एनर्जी मिशन ऐसे ही महत्वपूर्ण कदम हैं। ▪

मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनेगा - डॉ. मोहन यादव

केंद्रीय बजट के हर प्रावधान का लाभ मध्यप्रदेश को मिलेगा। केंद्रीय बजट के प्रावधानों का उपयोग कर मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी राज्य बनाएंगे। केंद्रीय बजट में कपास उत्पादन का प्रावधान है, इससे मध्यप्रदेश का निमाड़ से लगा हुआ पूरा मालवा और आगे तक का क्षेत्र शामिल है, इस क्षेत्र के लिए बड़ी संभावनाऐं हैं। कपास उत्पादन से कपड़ा उद्योग जुड़ा है, उद्योग लगेंगे जो निवेश से जुड़ा है। फैक्ट्री, कारखाने जो भारी उद्योग के तहत आते हैं उनकी भी संभावनाऐं हैं। कपड़े से बने हुए सारे रेडीमेड गारमेंट उद्योग भी कपास से जुड़ा है और इस योजना में हमारी लाड़ली बहना योजना भी आ गई है। लाड़ली बहना योजना के तहत हर माह बहनों को 1250 रूपए दिए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने पॉलिसी बनाई है, एमएसएमई इंडस्ट्री स्थापित होगी तो उससे लोगों की आय बढ़ेगी और निर्यात से भी आय होगी।

केंद्रीय बजट में स्टार्टअप के लिए भी 10 करोड़ से 20 करोड़ की बात कही गई है, इस क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश सरकार फोकस कर रही है। एमएसएमई के लिए ऋण सीमा 5 करोड़ को बढ़ाकर दस करोड़ करने के प्रावधान का मध्यप्रदेश को बहुत लाभ मिलेगा। इस योजना का महिला, युवा, दलित व आदिवासी व अन्य पिछड़ा वर्ग सभी लाभ उठा सकते हैं और स्वयं का रोजगार स्थापित कर उद्यमी बन सकते हैं। इस योजना में डेढ़ लाख करोड़ रुपए का प्रावधान है जिसके जरिए मध्यप्रदेश में औद्योगिक क्रांति लाने का प्रयास किया जाएगा। इस योजना से रोजगार और व्यवसाय के अवसर भी बड़े पैमाने पर सृजित होंगे।

इस केंद्रीय बजट में किए गए प्रावधानों से मध्यप्रदेश में पर्यटन और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। अभी भी होम स्टे योजना चल रही है, उसका और विस्तार किया जाएगा। अमरकंटक से गुजरात की सीमा तक धार्मिक पर्यटन की भी असीम संभावनाऐं हैं। मध्यप्रदेश को दो लाख करोड़ रूपए तो अकेले तीन नदी जोड़ो परियोजनाओं के जरिए केंद्र सरकार से मिलेंगे। मध्यप्रदेश में भी बड़ी-बड़ी नदियां और बड़े तालाब हैं, मत्स्य पालन में इसका लाभ मिलेगा। नदी जोड़ो परियोजना भी आकार लेने जा रही हैं, इस योजना का भी मध्यप्रदेश को बड़ा लाभ होगा।

12 मेडिकल कॉलेजों के टेंडर हो गए हैं, आठ मेडिकल कॉलेज पाइप लाइन में हैं। अगले दो वर्ष में मध्यप्रदेश में करीब 40 मेडिकल कॉलेज प्रारंभ हो जाएंगे। कृषि क्षेत्र के लिए भी बजट में बहुत प्रावधान किए गए हैं। केमिकल का उपयोग करने से कैंसर की भी आशंकाएं रहती हैं। डे-केयर सेंटर खुलने से कैंसर का प्रारंभिक स्टेज में ही इलाज हो सकेगा और लोगों को गंभीर बीमारी से बचाया जा सकेगा। शहरों के विकास के लिए अगले 25 वर्ष को ध्यान में रखते हुए प्रावधान किए जा रहे हैं। दालों को प्रोत्साहन देने से मध्यप्रदेश में दालों की खेती को प्रोत्साहन मिलेगा और दलहन फसलों के उत्पादन से किसान खुशहाल होंगे। पीएम स्व-निधि योजना में रेहड़ी-पटरी वालों को 30 हजार का कर्ज मिलेगा, उनकी कमाई बढ़ेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बताई चार जातियों गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के लिए मध्यप्रदेश सरकार भी लगातार योजनाऐं बनाकर कार्य कर रही है। युवाओं और नारी सशक्तिकरण के लिए मध्यप्रदेश सरकार मिशन चलाकर कार्य कर रही है। किसानों के लिए भी नीति आएगी। युवाओं और महिलाओं की तरह किसानों के लिए भी एक सप्ताह के अंदर मिशन शुरू किया जाएगा। यह बजट मध्यप्रदेश के विकास को गति देने के साथ हर क्षेत्र में विकास की राह प्रशस्त करेगा। ▪

विकसित भारत हेतु कल्याणकारी बजट - विष्णुदत्त शर्मा

केंद्रीय बजट संपूर्ण भारत के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने वाला है। केंद्र सरकार के बजट में देश के हर वर्ग व हर क्षेत्र के विकास व आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रावधान किए गए हैं।

- **12 लाख तक आयकर में छूट ऐतिहासिक कदम।**
- **बजट देश के विकास को लेकर प्रधानमंत्री जी के विजन को दिखाता है।**
- **अर्थव्यवस्था के नये आयाम को स्वरूप देगा यह बजट।**
- **बजट में गरीब, अन्नदाता, नारी शक्ति और नौजवानों के सशक्तिकरण के प्रावधान।**

केन्द्रीय बजट ऐतिहासिक और आम जनता को खुश करने वाला और विकसित भारत के अटल संकल्प की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला बजट है। देश की अर्थव्यवस्था के नये आयाम को स्वरूप देगा। बजट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने वाला बजट है। केंद्रीय बजट संपूर्ण भारत के समग्र विकास की परिकल्पना को साकार करने वाला है। केंद्र सरकार के बजट में देश के हर वर्ग व हर क्षेत्र के विकास व आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रावधान किए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के जरिए गरीबों को पक्के आवास देने का मामला हो या जल जीवन मिशन के जरिए देशभर में हर घर को नल से जल उपलब्ध कराने का मामला हो, सभी योजनाओं को और गति से पूरा करने का प्रावधान किया गया है। देश के विकास के लिए रोजगार और उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर भी जोर दिया गया है। केंद्र सरकार का यह बजट प्रधानमंत्री जी के मूल मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को चरितार्थ करने वाला बजट है। यह बजट प्रधानमंत्री जी चार जातियां जिन्हें ज्ञान कहा जाता है, यानी गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के विकास, कल्याण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई प्रावधान किए गए हैं।

नए केंद्रीय बजट का फोकस विकास में तेजी लाने, सुरक्षित समावेशी विकास, निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने, घरेलू खर्च में वृद्धि और देश के उभरते मध्यम वर्ग की खर्च करने की शक्ति को बढ़ाने पर है। इस बजट में 12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं, आवश्यकता होने पर 4 साल का इन्कम टैक्स रिटर्न एक साथ फाइल किया जा सकेगा। इसके साथ ही सीनियर सिटीजंस के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है।

बजट में पीएम धनधान्य योजना लागू करने के अलावा किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दी गई है। डेयरी और मछली पालन के लिए 5 लाख रुपए तक का लोन देने का प्रावधान किया गया है। समुद्री उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी 30 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। वहीं, बिहार के किसानों की मदद के लिए मखाना बोर्ड के गठन की बात कही गई है। साथ ही मिथिलांचल में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना शुरू करने की घोषणा की गई है, जिससे 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्र के किसानों को फायदा होगा। केंद्र सरकार दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 6 साल का मिशन लांच करेगी तथा रेशेदार कपास के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भी मिशन लांच किया जाएगा। किसानों को आवश्यकता के अनुरूप यूरिया उपलब्ध कराने के लिए असम के नामरूप में नया यूरिया प्लांट लगाने की बात भी कही गई है।

बजट में देश में सबसे अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने वाले एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़ाकर 10 करोड़ करने का प्रावधान है। वहीं, स्टार्टअप के लिए लोन सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए की जाएगी। गारंटी फीस भी कम की जाएगी। खिलौना उद्योग के लिए मेक इन इंडिया के तहत विशेष योजना

शुरू की जाएगी। सरकार देश के आईआईटी में अधोसंरचना का विकास करेगी तथा इनकी क्षमता बढ़ाई जाएगी। पटना आईआईटी का विस्तार किया जाएगा। आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को देखते हुए सरकार एक्सीलेंस फॉर आर्टीफीशियल फॉर एआई के लिए 500 करोड़ का प्रावधान करेगी। मेडिकल एजुकेशन के क्षेत्र में अगले 5 साल में 75 हजार सीटें बढ़ाई जाएंगी। अगले एक वर्ष में 10 हजार सीटें बढ़ाने का लक्ष्य है। इसी तरह आईआईटी में भी सीटें बढ़ाई जाएंगी। स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए पुस्तकें भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराई जाएंगी। युवाओं में कौशल विकास के लिए पांच नए राष्ट्रीय कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार शहरी गरीबों और कमजोर समूहों को सहायता प्रदान करने के लिए काम कर रही है। रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, ऑनलाइन और शहरी कामगारों के लिए बजट में कई घोषणाएं की गई हैं। शहरी कामगारों की आय बढ़ाने के लिए नई योजना लाई जा रही है। पीएम स्वनिधि योजना से 68 लाख गरीबों को फायदा मिला है। अब उनके लिए पहचान पत्र और ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की जाएगी, जिससे 1 करोड़ कामगारों को फायदा मिलेगा। इन श्रमिकों को आरोग्य योजना के तहत लाभ मिल सकेगा। शहरी मजदूरों की स्थिती सुधारने के लिए पीएम स्वनिधि योजना की लोन लिमिट बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दी गई है। वहीं, महिला उद्यमियों के लिए विशेष लोन योजना शुरू की गई है। पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं को दो करोड़ का टर्म लोन मिलेगा। ▪

बजट में गरीबों के सशक्तिकरण पर जोर - मनोहरलाल खट्टर

- **विकसित भारत के मापदंडों पर देश को आगे बढ़ाने वाला है केंद्रीय बजट।**
- **हर बार कुछ नया और बड़ा सोचते हैं प्रधानमंत्री मोदी जी।**
- **दुनिया के अन्य देश भारत की जनहितैषी योजनाओं का कर रहे अध्ययन।**
- **बजट से सशक्त होंगे गरीब, युवा, अन्नदाता और नारीशक्ति।**

कुछ नया और बड़ा सोचना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के स्वभाव की विशेषता है। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है, लेकिन विकसित राष्ट्र के कई मापदंड होते हैं। केंद्र सरकार का बजट इन सभी मापदंडों पर देश को आगे बढ़ाने वाला बजट है।

2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र में सरकार बनी थी। उस समय केंद्र सरकार का बजट करीब 16 लाख करोड़ का था। इस साल का बजट करीब 50 लाख करोड़ का है, जो 2013-14 की तुलना में तीन गुना से अधिक है। जिस तेजी के साथ हमारे बजट का आकार बढ़ा है, वो ये दिखाता है कि भारत की अर्थव्यवस्था बीते एक दशक में कितनी तेजी से आगे बढ़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अक्सर चार जातियों गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण की बात करते हैं और बजट इसी ज्ञान पर केंद्रित है। केंद्र सरकार का बजट इन चारों जातियों का सशक्तिकरण करने वाला है। इन वर्गों के कल्याण के लिए बनाई गई पुरानी योजनाओं को जहां चालू रखा गया है, वहीं कुछ नई योजनाएं भी शुरू की गई हैं। इसके अलावा मध्यम वर्ग, उद्योगपति, देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले व्यापारी वर्ग समेत अन्य वर्गों का ध्यान भी बजट में रखा गया है। गरीब कल्याण के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाएं कितनी प्रभावी रही हैं, इसका अंदाज इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि बीते सालों में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। दुनिया के अन्य देश इन योजनाओं का अध्ययन कर रहे हैं। मोदी सरकार के नए बजट में भी गरीबों के सशक्तिकरण का पूरा ध्यान रखा गया है। कोविड में शुरू की गई 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अक्सर चार जातियों गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति के कल्याण की बात करते हैं और बजट इसी ज्ञान पर केंद्रित है। केंद्र सरकार का बजट इन चारों जातियों का सशक्तिकरण करने वाला है।

उपलब्ध कराने की योजना को चालू रखा गया है। आयुष्मान भारत योजना में मुफ्त उपचार के अलावा 200 जिला अस्पतालों में डे केयर सेंटर भी बनाए जा रहे हैं। गिग वर्कर्स को ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से हितलाभ दिये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में 3 करोड़ नए घर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए बजट में 78 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है। पीएम विश्वकर्मा योजना में छोटे कारीगरों के लिए 5100 करोड़ का बजट रखा गया है।

मोदी सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह से प्रयास कर रही है, यह इस बजट से समझा जा सकता है। उनमें शोध के प्रति रुचि जागृत करने देश के 50 हजार स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब बनाए जा रहे हैं। भारत नेट के अंतर्गत 2.5 लाख पंचायतों में इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। मेडिकल एजुकेशन में फिलहाल 10 हजार सीटें हैं और आगे चलकर 75 हजार सीटें बढ़ाने का लक्ष्य है। युवाओं में शोध को बढ़ावा देने के लिए पीएम रिसर्च फैलोशिप योजना शुरू की गई है। आईआईटी के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया जा रहा है। सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर एआई के लिए 500 करोड़ का बजट रखा गया है। कौशल विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं से युवाओं को स्किल्ड बनाया जा रहा है, जिससे बेरोजगारी की दर घटी है, वहीं कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ी है। स्टार्टअप के लिए लोन की सीमा 10 करोड़ तक बढ़ाई गई है और ब्याज रहित लोन के लिए 1 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। युवाओं, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की मोदी सरकार की योजनाओं के चलते विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मिलने वाले पदकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नए बजट में भी खेलो इंडिया के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। इस योजना के अंतर्गत 23 हजार, 80 एथलीटों को सहायता दी गई है।

अन्नदाता के जीवन को बेहतर बनाने तथा कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए मोदी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। नए बजट में पीएम धन धान्य योजना शुरू की गई है, जिसका लाभ देश के 100 जिलों के 1.70 करोड़ लोगों को मिलेगा। यूरिया की उपलब्धता के लिए असम में तीन प्लांट लगाए जा रहे हैं। दालों के उत्पादन

में आत्मनिर्भरता के लिए योजना शुरू की जा रही है, वहीं बिहार में मखाना बोर्ड का गठन किया जा रहा है। किसान क्रेडिट कॉर्ड पर लोन की लिमिट को पांच लाख रुपये तक बढ़ा दिया गया है। मछली पालन और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। वहीं, किसानों के लिए डिजिटल एग्री मिशन शुरू किया जा रहा है, जिसमें किसानों की डिजिटल आईडी बनाई जाएगी। इससे उन्हें अपनी उपज कहीं भी बेचने में आसानी होगी तथा बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए गोकुल मिशन शुरू किया जा रहा है तथा एग्री इन्फ्रा फंड का प्रावधान भी किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने बीते सालों में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए जो कदम उठाए हैं, उनके चलते महिलाएं लगातार सशक्त और सक्षम बन रही हैं। महिलाओं के रोजगार, स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित योजनाओं के लिए 12.5 हजार करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आयुष्मान योजना का लाभ दिया जा रहा है। उज्जवला योजना में 10.33 करोड़ महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं और इस योजना के सब्सिडी के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। देश में 91 लाख स्वसहायता समूह हैं, जिनसे जुड़कर 10 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। स्व सहायता समूह, ड्रोन दीदी और लखपति दीदी जैसी योजनाएं महिला सशक्तिकरण में बड़ी भूमिका निभाएंगी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा है। इन्कम टैक्स की लिमिट 12 लाख रुपये करके जहां मध्यम वर्ग को राहत दी है, नए टैक्स स्लैब में परिवर्तन का लाभ सभी को मिलेगा। टीडीएस अब 1 लाख के ऊपर काटा जाएगा। वहीं, इन्कम टैक्स एक्ट का सरलीकरण भी किया जा रहा है, जिससे हर वर्ग के लोगों को आसानी होगी। विवाद से विश्वास योजना में करों से संबंधित विवादों के निपटान की अवधि कम करके 10 दिन कर दी गई है। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अधोसंरचना के विकास के लिए 11 लाख, 21000 करोड़ का बजट रखा गया है। हाउसिंग के लिए 1 लाख करोड़ का प्रावधान है। उड़ान योजना में गरीबों के लिए 540 करोड़ का प्रावधान है। ऊर्जा क्षेत्र के लिए 21900 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा एयरपोर्ट, हैलिपेड, वॉटर रिसोर्स मैनेजमेंट, ई-व्हीकल को प्रोत्साहन, मेट्रो ट्रेन आदि के लिए भी बजट में प्रावधान किये गए हैं। ▪

दिल्ली जीत विकास और गरीब कल्याण पर जनता की मोहर

विष्णुदत्त शर्मा

- **दिल्ली की जनता ने मोदी जी पर विश्वास जताया, कर दिया आप-दा का अंत।**
- **यह प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों, कुशल रणनीति और कार्यकर्ताओं की मेहनत की जीत है।**
- **दिल्ली में हर वर्ग के लोगों ने दिया भारतीय जनता पार्टी को आशीर्वाद।**
- **अब समाप्त हुआ 15 वर्षों से चल रहा दिल्ली की दुरावस्था का दौर।**

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जो प्रचंड जीत मिली है, उससे पूरे देश के पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। मध्यप्रदेश सहित देश के कोने-कोने में पार्टी कार्यकर्ता जश्न मना रहे हैं। दिल्ली को अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी जैसे झूठ-फरेब करने वालों ने 15 सालों में जिस दुरावस्था तक पहुंचाया था, दिल्ली की जनता ने इस चुनाव में उस आपदा का अंत कर दिया है। दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियों के प्रति विश्वास जताते हुए भाजपा को ऐतिहासिक आशीर्वाद दिया है।

इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों पर जनता ने मोहर लगाई है। जिस तरह से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के करोड़ों लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है, उससे दिल्ली की जनता यह जान गई है देश में अगर कोई विकास कर सकता है और हर गरीब का जीवन बदल सकता है, तो वो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। जनता को समझ आ गया है कि मोदी है, तो मुमकिन है। इसीलिए दिल्ली की जनता ने इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड आशीर्वाद दिया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आधुनिक राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने कु शल रणनीति बनाई। उनके कहे अनुसार माइक्रो प्लानिंग करके पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर बूथ पर कठिन परिश्रम किया। यह जीत उसी रणनीति और परिश्रम का परिणाम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का जो नारा दिया था, दिल्ली की जनता ने इस चुनाव में उसे साकार कर दिखाया है। चुनाव में हर जाति, हर वर्ग और हर समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और भाजपा पर विश्वास जताया है। यहां तक कि अल्पसंख्यक समुदाय के भाई-बहनों ने भी यह महसूस किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियों से उनका जीवन बदला है और उन्होंने इस चुनाव में मोदी जी को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने वोट देने के तत्काल बाद कहा भी कि हमने मोदी जी को वोट दिया है, भारतीय जनता पार्टी को वोट दिया है और कमल को वोट दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने हर वर्ग का विश्वास जीता है। ▪

समय की कसौटी पर खरा उतरना मोदी जी जानते हैं

विष्णुदत्त शर्मा

1 फरवरी 2025 को पेश बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन एनडीए सरकार का 12वां बजट था। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने प्रतिवर्ष नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। 16.5 लाख करोड़ के बजट से 50.65 लाख करोड़ तक की यात्रा प्रधानमंत्री जी की अटल इच्छा शक्ति का परिचायक है। इसको इस प्रकार भी समझिए 2014 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) लगभग दो ट्रिलियन डॉलर के आसपास था और 2023 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 3.75 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, अर्थात् भारत कनाडा (जीडीपी 2.08 ट्रिलियन डॉलर), फ्रांस (जीडीपी 2.92 ट्रिलियन डॉलर), यूके (जीडीपी 3.15 ट्रिलियन डॉलर) को पीछे छोड़कर मात्र 9 वित्तीय वर्षों के इकोनामिक रिफॉर्म्स के बल पर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब अगला पड़ाव या लक्ष्य जर्मनी (जीडीपी 4.30 ट्रिलियन डॉलर), जापान (जीडीपी 4.41 ट्रिलियन डॉलर) से आगे जाकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना शेष है। लक्ष्य निर्धारित है और अर्जुन की आंख लक्ष्य पर सध चुकी है। मार्ग निश्चित है। रात-दिन एक कर ठोस संघर्ष करके लक्ष्य की तरफ हम बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री या पार्टी के नेता से ही पार्टी की सरकार, गठबंधन की सरकार तथा संगठन की पहचान बनती है।

जनसंघ से भाजपा तक की यात्रा में जनसंघ फिर भाजपा के नेताओं ने अपने कार्यों, सिद्धांतों व छवि से भाजपा को अन्य राजनीतिक दलों से कहीं दूर व बहुत अलग खड़ा कर दिया है। लोकतंत्र में प्रधानमंत्री व सरकार का चयन मतदाताओं के द्वारा होता है। 2014, 2019 फिर 2024 लगातार जनता का आशीर्वाद श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए को मिला। विविधताओं से भरे देश में लगातार आशीर्वाद मिलना आश्चर्यजनक, अचंभित करने वाला है। ऐसा नहीं है कि इस कालखंड में देश के सामने चुनौतियां नहीं रहीं। सब कुछ भगवान की कृपा से शांतिपूर्वक गुजर गया हो।

26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा था। यूपीए के शासनकाल में घोटाले, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, परिवारवाद, तुष्टिकरण की रोज-रोज मिलने वाली खबरों के कारण देश में निराशा व अंधकार इस तरह छा गया था कि ना तो युवाओं को अपना कोई भविष्य दिखाई दे रहा था, रोजगार के लिए पलायन चरम पर था, एनपीए बढ़ता चला जा रहा था, वित्तीय संस्थाओं का घाटा राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण वित्तीय संस्थानों के अस्तित्व को ही चुनौती दे रहा था, खाद्य पदार्थ, पेट्रोलियम पदार्थ, कुकिंग गैस जैसी जन उपयोगी वस्तुओं की कीमतें चरम पर थीं। किसान हैरान-परेशान था। सीमा पार आतंकवाद, आए दिन वारदात होना, सेना का मनोबल टूट चुका था, विश्व पटल पर भारत की स्थिति चिन्ताजनक थी, एक तरफ से चुनौतियों का अम्बार, दूसरी तरफ भारत की जनता को सुखद भविष्य का मोदीजी का वादा, भीषण समय में देश को नेतृत्व देना व देश को प्रगति के रास्ते पर लाना यह काम सिर्फ और सिर्फ मोदी जी ही कर सकते हैं।

चुनौतियों को पार करते हुए 2014 में सात राज्यों में भाजपा सरकार का झंडा बुलंद किया, फिर अगले 4 वर्षों में 21 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री बनें। सोचिए मतदाताओं को मोदी जी पर भरोसा उसी तरह है जिस प्रकार सूर्यादय पर अंधेरा छटने का भरोसा होता है।

1984 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी हत्याकांड से उपजी सहानुभूति लहर से कांग्रेस ने 414 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई थी पर मोदी जी ने 2014 में अपने 12 वर्षों के गुजरात के मुख्यमंत्री के कार्यकाल के आधार पर 282 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई, दोनों सरकारों की रचना में बुनियादी फर्क था, जनता के इसी परिपक्व निर्णय ने भारत को विकसित भारत के मार्ग पर ले जाने का मार्ग खोला।

विकसित भारत आंकड़ों की जादूगरी नहीं, समग्र विकास का प्रदर्शक है। जिसमें

दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को कम से कम 50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलना। बुनियादी ढांचे में आमूल चूल परिवर्तन, आयातक देश की छवि से, निर्यातक देश में बदलना, आत्मनिर्भर, सक्षम, सुरक्षित भारत का निर्माण, देश की आधी आबादी को न केवल निर्णय में भागीदारी देना, बल्कि देश की प्रगति में भागीदार बनाकर, निर्भर से आत्मनिर्भर, आत्मनिर्भर से सक्षम व समृद्ध बनाना, हर हाथ को काम देना, जो किन्हीं कारणवश पीछे छूट गए हैं उन्हें हाथ पकड़कर खोज-खोज कर सामने लाकर, सहयोग व समर्थन देकर हौंसला बढ़ाकर, विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने लायक बनाना, रिसर्च को प्रगति का टूल बनाना, आपदा को अवसर में बदलना, प्रकृति व प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, रोजगार के नए क्षेत्रों की खोज व विकास, राजनीतिक स्थिरता, लोकतंत्र, संविधान संरक्षण, क्षेत्र, भाषा, जाति, धर्म से ऊपर उठा संगठित भारत, भ्रष्टाचार मुक्त भारत जैसे तमाम मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतवंशियों के आत्म सम्मान व बुलंद हौंसलों के साथ-साथ कुछ देश के लिए करने का भाव जागृत करना शामिल है।

निश्चित ही विकसित भारत@2047 के लक्ष्य प्राप्त करने का रास्ता निस्वार्थ भाव, ईमानदारी, सत्यता, पारदर्शिता, कोई हमारा नहीं-कोई हमसे दूर नहीं, संपूर्ण संतुष्टीकरण के साथ-साथ संघर्ष की पराकाष्ठा से ही संभव हो सकता है। लक्ष्य प्राप्ति के विभिन्न आयामों में हर आयाम पर संपूर्ण चिंतन मोदी जी करते हैं, तभी तो हर क्षेत्र में उठाव देखने को मिल रहा है।

मोदी जी के सक्षम नेतृत्व के कारण जनता में भरोसा जागृत हुआ है। मातृशक्ति, युवा, किसान, मजदूर सभी उठ खड़े हुए हैं। अपना-अपना योगदान देना प्रारंभ कर दिया है या योगदान देने हेतु अपने आप को सक्षम बना रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने भी धूम मचा रखी है। नभ-जल-थल में भारत का झंडा बुलंद हो रहा है। चंद्रयान की सफलता के साथ-साथ समुद्र में भारत का दबदबा, हाई स्पीड कॉरिडोर, स्पीड ट्रेन से हाई स्पीड ट्रेन, बुलेट ट्रेन, हथियार निर्यातक देश, हवाई मार्गों का विकास, खेलों में नित्य नए रिकॉर्ड बनाते पदक, चिकित्सा शिक्षा, आईआईटी, आईआईएम सभी तरफ नए-नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। तेजी से बदलते हुए पूरे परिदृश्य को शब्दों में समेटना संभव नहीं पर इतना जरूर कहा जा सकता है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत कल्पना से परे ऊंची उड़ान भरने के लिए उठ खड़ा हुआ है। ▪

(लेखक-भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद हैं।)

प्रधानमंत्री जी हर वर्ग का जीवन बेहतर बना रहे - डॉ. मोहन यादव

- **वंचित वर्ग के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार।**
- **संत रविदास ने देश-धर्म पर स्वाभिमान और प्रभु भक्ति के साथ कर्म को सर्वाधिक महत्व दिया।**
- **बाबा साहेब आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से स्थापित की लोकतांत्रिक व्यवस्था।**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संघर्ष पूर्ण जीवन प्रत्येक युवा के लिए प्रेरणा स्त्रोत।**
- **मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों में गरीब परिवारों के लिए बनेंगे 10 लाख आवास।**

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ''सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास एवं सबका प्रयास'' की अवधारणा के साथ समाज के हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कृत संकल्पित हैं। राज्य सरकार उनके मार्गदर्शन में इस दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश ही नहीं देश में सभी को यह अनुभूति है कि मध्यप्रदेश प्रगति पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसमें प्रदेश के सामान्यजन की मेहनत का महत्वपूर्ण योगदान है।

सागर में संत शिरोमणि रविदास जी का भव्य स्मारक आकार ले रहा है। उज्जैन स्थित संत रविदास जी का गुरूद्वारा संत शिरोमणि गुरू रविदास जी के उज्जैन आगमन की स्मृति को अब भी जीवंत करता है।

सभी पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशा के अनुसार पक्के मकान उपलब्ध कराए जाएंगे। राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में गरीब परिवारों के लिए 10 लाख आवासों का निर्माण आरंभ करने जा रही है। गाँवों में भी पुनः सर्वे कराकर गरीब के अपने पक्के घर का सपना साकार किया जाएगा।

'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का संदेश देने वाले संत रविदास का जीवन इस बात का प्रतीक था कि व्यक्ति के भीतर ही भगवान विद्यमान हैं और भक्ति-साधना से व्यक्ति का उद्धार हो सकता है।

उनका मानना था कि भगवान के दरबार में कोई ऊंच-नीच नहीं है। संत रविदास ने देश-धर्म पर स्वाभिमान और प्रभु भक्ति के साथ कर्म को सर्वाधिक महत्व दिया। उन्होंने परिश्रम के आधार पर जीवन संचालित करने और समाज की बेहतरी के लिए योगदान देने का संदेश दिया। संत रविदास ने बताया कि व्यक्ति के सत्कर्म, सद्भावना, परस्पर विश्वास और प्रेम का भाव ही जीवन में सर्वोपरि है। उनके इन उदात्त विचारों के परिणाम स्वरूप ही उन्हें समाज में संत शिरोमणि की उपाधि से विभूषित किया गया। ▪

एक- एक मतदाता का ऋण उतारा मोदी जी ने

सीए अखिलेश जैन

वर्ष 2013-14 के 16,65,297 करोड़ रुपए के बजट से वर्ष 2024-25 में 50,65,345 करोड़ रुपए के बजट तक की यात्रा कोई आंकड़ों का खेल नहीं, इसके पीछे के मर्म को समझाना पड़ेगा तभी मोदी जी के बजट के साथ न्याय होगा। 2014 के चुनाव में मोदी जी ने सार्वजनिक सभाओं में मतदाताओं से वायदा किया था, एक-एक मतदाता को अपने कार्यकाल का हिसाब दूंगा। एक-एक वोट का ऋण उतारूंगा। मोदी जी की गारंटी, गारंटी पूरा होने की गारंटी है। मोदी जी के काम करने का रास्ता अंत्योदय से विकसित भारत की तरफ जाता है। मोदी जी के दिल में वर्षों से उपेक्षित, शोषित, पीड़ित वर्ग और घरों में कैद देश की आधी आबादी के लिए दर्द उन्हें मजबूर करता है कि विकसित भारत का रास्ता अंत्योदय से निकाला जाए, इस बात को स्वयं मोदी जी सार्वजनिक मंचों से कह चुके हैं कि - जिन्हें कोई नहीं पूछता मोदी उन्हें पूछता है-और पूजता भी है।

प्रधानमंत्री ही संगठन व सरकार के नेता होते हैं। संगठन की अपनी प्राथमिकताऐं और उद्देश्य होते हैं। संगठन की अपनी विचारधारा होती है। जिसके बल पर संगठन का निर्माण होता है। इसी प्रकार सरकार की अपनी प्राथमिकताऐं, उद्देश्य व लक्ष्य होते हैं और प्रधानमंत्री जी को सामंजस्य बनाकर धैर्य पूर्वक लक्ष्य की तरफ अग्रसर होना पड़ता है। प्रधानमंत्री जी के पूरे कार्यकाल का, गुजरात के मुख्यमंत्री पद से आज तक का अगर विश्लेषण किया जाए तो साफ-साफ समझ में आता है कि गरीबों, शोषितों व महिलाओं के लिए जो दर्द है वही शासन की नीतियों का केंद्र बिंदु है, इसमें कोई जातिवाद, क्षेत्रवाद,भाषावाद हावी नहीं हो पता है। तभी तो प्रधानमंत्री जी कहते भी हैं तुष्टीकरण नहीं पूर्ण संतुष्टीकरण।

वर्ष 2013 के 452 स्टार्टअप्स को 2024 में 1.59 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप से 17.22 लाख नौकरियां पैदा करने में सफलता पाई है।

बुनियादी ढांचे को विश्व स्तरीय बनाने में खर्च होने वाले प्रत्येक एक करोड़ की धनराशि पर 200 से 250 मानव वर्ष का रोजगार उत्पन्न किया गया है।

पहले विश्व में तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था, फिर विकसित भारत। यह सारी चुनौतियां प्रधानमंत्री जी ने स्वयं ही स्वयं के लिए खड़ी करी हैं। भारत के इतिहास में शायद मोदी जी पहले प्रधानमंत्री हैं, जो स्वयं लक्ष्य निर्धारित कर अपने लिए चुनौतियां खड़ी करते हैं और फिर लक्ष्य को निश्चित समय अवधि में हासिल करने के लिए रात-दिन एक कर देते हैं।

मोदी जी को मालूम है वह भारत के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री क्यों बनाए गए हैं? देश की जनता को भरोसा है मोदी जी ही भारत को विकसित भारत बना सकते हैं। मोदी जी ही आज की युवा पीढ़ी को उन्नत, सुरक्षित, समृद्ध भारत प्रदान कर सकते हैं। राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, वैश्विक परिदृश्य कुछ भी हो, हर हाल में मोदी जी को जनता का भरोसा कायम रखना है। मोदी जी नारे, वादों या लंबे-लंबे भाषणों से सरकार नहीं चलाते, मोदी जी धरातल पर काम करके दिखाते हैं। तभी तो एक दशक की केंद्र सरकार में मुखिया बनने के बाद 17.92 करोड़ नौकरियां पैदा

की। आज महिला श्रम बल (एलएफपीआर) की भागीदारी दर 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 37 प्रतिशत पर आ गई है। 89.8 लाख लखपति दीदियों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं, जिसमें मुख्यतः ग्रामीण महिलाएं हैं, उनको प्रतिवर्ष कम से कम एक लाख रुपये की घरेलू आय प्राप्त करने हेतु सक्षम बनाया गया है।

वर्ष 2013 के 452 स्टार्टअप्स को 2024 में 1.59 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप से 17.22 लाख नौकरियां पैदा करने में सफलता पाई है। बुनियादी ढांचे को विश्व स्तरीय बनाने में खर्च होने वाले प्रत्येक एक करोड़ की धनराशि पर 200 से 250 मानव वर्ष का रोजगार उत्पन्न किया गया है। यूपीए सरकार की नीति थी, उधार का घी पियो। जिसके परिणाम स्वरुप चालू खाता घाटा और 9.3 प्रतिशत मुद्रास्फीति बढ़ गई थी, दूसरी तरफ मोदी सरकार में कोरोना महामारी, रूस यूक्रेन युद्ध के बावजूद देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत अनुमानित है, जो विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष पर है।

2013-14 में 2.2 बिलियन डिजिटल लेनदेन, 2024 में 208.5 बिलियन डिजिटल लेनदेन समावेशी आर्थिक विकास को दर्शाता है। (पीएमजेडीवाई) प्रधानमंत्री जन धन योजना के सहयोग से 500 मिलियन बैंक खाते खोलना समावेशी आर्थिक विकास का सबूत है। यह मोदी जी के (जे ए एम) जनधन, आधार, मोबाइल नेटवर्क ही है जिसके कारण कोविड-19 में, 24 मार्च 2020 से 17 अप्रैल 2020 में, 24 दिन की समय अवधि में 11.42 करोड़ लाभार्थियों को 27442.08 करोड़ रुपए का सीधे खाते में सहायता राशि पहुंचना, बिना किसी लीकेज के संभव हो पाया, ना कोई बिचौलिया, ना कोई कट, ना कोई कमीशन, ना शहरी- ग्रामीण का अंतर, ना कोई जाति, धर्म, भाषा का भेदभाव, कोई तुष्टीकरण नहीं - पूर्ण संतुष्टीकरण।

2014-15 से 2022-23 के बीच में आठ वित्तीय वर्षों की समय अवधि में 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया । इस जादुई फिगर की गंभीरता कितनी है, इसका इसी बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि यह संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। यह चमत्कार से कम नहीं और यह चमत्कार सिर्फ मोदी जी ही कर सकते हैं , फर्क साफ है यूपीए सरकार खराब ऋणों में एनपीए संकट का मकड़ जाल फैलाकर व्यवसाय व वित्तीय संस्थानों को पंगु बनाने में माहिर थी। हाई प्रोफाइल डिफॉल्टर यूपीए युग की देन थी।

अत्यंत गरीब ऊपर आए, नियो मिडिल क्लास (Neo-middle class), जिसका उल्लेख 10 जुलाई 2014 के बजट भाषण में तत्कालीन वित्त मंत्री स्वर्गीय श्री अरुण जेटली जी ने संसद में किया था, जिसका तात्पर्य था। वो गरीब लोग जिन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया है पर मध्यम वर्ग में उन्हें स्थायित्व प्राप्त करना है, के स्थायित्व प्राप्त करने में सहायता व संरक्षण दिया गया, जिसके फलस्वरुप 5 से 10 लाख रुपए प्रतिवर्ष की आय सीमा के लोगों में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, व 10 से 20 लाख रुपए प्रति वर्ष आय सीमा के लोगों की 3.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

(MPCE- मंथली पर कैपिटा एक्सपेंडिचर) मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय 2011- 12 में शहरी वा ग्रामीण में अंतर 84 प्रतिशत था जो 2023- 24 में 70 प्रतिशत हो गया है। स्पष्ट है मोदी सरकार में ग्रामीण- शहरी विभाजन घट रहा है।

एक देश- एक कर, जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों की कीमत में आई कमी का घरेलू बचत पर असर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिसके परिणाम स्वरुप घरेलू बचत में लगभग चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, वित्तीय वर्ष 2014 में 3.5 लाख रुपए से कम आय वाले 36.3 प्रतिशत व्यक्तिगत आयकर दाता उच्च आय वर्ग में चले गए हैं। जिनमें से 15.3 प्रतिशत, 3.5 से 5 लाख व 5 से 10 लाख रुपए वार्षिक आय वर्ग समूह में चले गए हैं और 4.2 प्रतिशत आयकर दाता 10 से 20 लाख रुपए वार्षिक आय वर्ग समूह में चले गए हैं। यही है मोदी जी के अंत्योदय की ताकत। यही है पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय की ताकत। भाजपा व कांग्रेस की सोच में ही बुनियादी फर्क है। 1996 में जब स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी थी, तब NPA 16 प्रतिशत था, 2004 में जब श्री अटल बिहारी वाजपेई जी ने सत्ता छोड़ी तो एनपीए घटकर 7.8 प्रतिशत पर आ गया अर्थात एनडीए सरकार में एनपीए में 8.2 प्रतिशत की कमी आई। फिर 2004 से 2013 तक रही यूपीए सरकार के राजनीतिक हस्तक्षेपों के कारण जी.एन.पी.ए. (GNPA stands for Gross Non-Performing Assets) अनुपात में तीव्र वृद्धि 12.3 प्रतिशत तक पहुंच गया फिर मोदी सरकार के कड़े वित्तीय अनुशासन के कारण वित्तीय वर्ष 2024 में GNPA अनुपात और शुद्ध NPA अनुपात क्रमशः 2.8 प्रतिशत और 0.6 प्रतिशत के बहु-वर्ष के निचले स्तर पर दर्ज किया गया, स्पष्ट है लूट खसोट बंद कर गरीबों को ऊपर लाने का सघन प्रयास

बुनियादी ढांचे और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए ग्रामीण विकास व्यय जो वित्तीय वर्ष 2013-14 में 80250.50 करोड़ रुपए का था, मोदी सरकार में 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए ग्रामीण विकास व्यय 180223.43 करोड़ रुपए का रखा है।

कर मतदाताओं का भरोसा और मजबूत किया गया।

मोदी जी को मालूम है देश के गरीबों को हर स्तर पर प्रधानमंत्री का सहयोग व संरक्षण ही देश को आगे ले जा सकता है। इसलिए सामाजिक सुरक्षा व कल्याण योजनाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। (पीएमजेजेबीवाई) प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं एवं (पीएमएसबीवाई) प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के द्वारा गरीबों को 200000 तक का जोखिम कवरेज किफायती प्रीमियम पर प्रदान किया जा रहा है। आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना प्रतिवर्ष प्रति परिवार को वार्षिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है। (पीएम-एसवाईएम) पीएमश्रमयोगीमान-धन योजना के माध्यम से 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पात्र असंगठित श्रमिकों को 3000 मासिक पेंशन, वृद्धावस्था संरक्षण, 50 प्रतिशत सरकारी योगदान के साथ सुनिश्चित करता है।

बुनियादी ढांचे और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के लिए ग्रामीण विकास व्यय जो वित्तीय वर्ष 2013-14 में 80250.50 करोड़ रुपए का था, मोदी सरकार में 2024-25 वित्तीय वर्ष के लिए ग्रामीण विकास व्यय 180223.43 करोड़ रुपए का रखा है। स्पष्ट है ग्रामीण विकास व्यय में एक लाख करोड़ रुपए की वृद्धि से बुनियादी ढांचे और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों को प्रगति मिलेगी। गरीबों के जीवन स्तर में सुधार आएगा।

स्वास्थ्य व परिवार कल्याण निधि में 2.4 गुना वृद्धि करके अब यह निधि 90658.63 करोड़ रुपए की करी गई है। स्पष्ट है गरीबों के लिए स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को विस्तार दिया गया है तथा बुनियादी ढांचे को और मजबूत

2014-15 से 2022-23 के बीच में आठ वित्तीय वर्षों की समय अवधि में 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया। इस जादुई फिगर की गंभीरता कितनी है, इसका इसी बात से अंदाज लगाया जा सकता है कि यह संख्या कई देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है।

यह चमत्कार से कम नहीं और यह चमत्कार सिर्फ मोदी जी ही कर सकते हैं।

किया गया है। यह मोदी सरकार ही है जिसने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए (ईडब्ल्यूएस)10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की है।

मोदी जी ने ही 102 वे संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (NCBC) को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। गरीबों के लिए बैंक के दरवाजे खोलने के लिए प्रधानमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जनधन योजना प्रारंभ की। इस योजना से जहां आपदा में गरीबों के खातों में सीधे राशि का अंतरण बिना लीकेज के संभव बना, वहीं दूसरी ओर गरीब लोग आर्थिक विकास के भागीदार बनने में सक्षम बने। इस योजना की भारी सफलता के कारण आज प्रधानमंत्री जनधन योजना में खाता धारकों की संख्या 53.14 करोड़ के पार कर गई है। तथा अगस्त 2024 तक इन खातों में कुल जमा शेष राशि 2,31,236 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। सफलता का स्तर सोचिए जिन गरीबों का 10 वर्ष पूर्व बैंक में खाता भी नहीं था आज उनके खातों में जमा राशि 2,31,236 करोड़ रुपए से भी अधिक है। जिसमें और एक सफलता छुपी हुई है। इन खातों में से 55.6 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। 66.6 प्रतिशत ग्रामीण/अर्ध शहरी क्षेत्र में हैं ।

युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर मोदी जी ने कौशल भारत पहल को प्रारंभ किया था। इसमें मिली भारी सफलता ने 2025 के प्रारंभ तक 1.5 करोड़ से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें बेहतर रोजगार के अवसरों के योग्य बनाया।

कल्याण निधि का समय पर पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त वितरण मोदी सरकार ने ही सुनिश्चित किया है। अब तक 34 लाख करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से भेजे जा चुके हैं ।

कारीगरों व शिल्पकारों का समर्थन करने के लिए मोदी जी ने पीएम विश्वकर्मा योजना प्रारंभ की। 13000 करोड़ रुपए के बजट वाली इस योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में 10 लाख नए रोजगार पैदा किया।

मोदी सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप आज 99 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण बस्तियां ग्रामीण सड़कों से जुड़ गई हैं। 2014 से 2024 के बीच 3.74 लाख किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया। सड़कों का विस्तार, निर्माण ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को उठाने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया है।

मोदी सरकार के कार्यकाल का अधिक विश्लेषण किया जावे तो मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट होता है। मोदी जी की नीतियों व लक्ष्यों में भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाना स्पष्ट दिखाई दे रहा है, या दूसरे शब्दों में कहा जाए तो मोदी सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को सामने रखकर तप कर रही है ।

इस विकास यात्रा में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास शामिल है। इस विकास यात्रा का मार्ग एक-एक मतदाता के विकास से समग्र भारत के विकास की ओर जाता है। कोई भी मतदाता चाहे कितना भी पीछे क्यों ना हो उसे पकड़-पकड़ कर विकास यात्रा का सहभागी बनाया जा रहा है।

डॉक्टर बी.आर. अंबेडकर जी के संविधान की भावना भी यही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का अंत्योदय का सिद्धांत भी यही है। मोदी जी वास्तविक तौर पर एक-एक मतदाता के वोट के ऋण को ब्याज समेत उतार रहे हैं।

मोदी जी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाए जाने के जनता के निर्णय को सिद्ध कर रहे हैं । बजट में एक-एक मतदाता की उन्नति का समग्र प्रयास किया गया है। युवा हो, महिला हो, शहरी हो, ग्रामीण हो, सेवादाता हो, सेवाकर्ता हो, किसान हो, व्यापारी हो, मजदूर हो, शासकीय सेवक हो, अशासकीय सेवक हो, स्वयं का रोजगार धारक हो, विषय विशेषज्ञ हो, प्रशिक्षित हो, अप्रशिक्षित हो सभी की भागीदारी विकास यात्रा में सुनिश्चित की गई है। ▪

(लेखक भाजपा म.प्र. के कोषाध्यक्ष हैं)

विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है- नरेन्द्र मोदी

मैं दिल्ली के हर परिवारजन को मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए दिल्लीवासियों को सर झुकाकर नमन करता हूं। मैं दिल्लीवासियों का आभार व्यक्त करता हूं।

दिल्ली ने दिल खोलकर हमें प्यार दिया है। और मैं दिल्लीवासियों को फिर से एक बार विश्वास दिलाता हूं आपके इस प्यार को सवा गुना कर के विकास के रूप में हम लौटाएंगे।

- **दिल्ली के लोग उत्साह और सुकून दोनों से भरे हुए हैं। उत्साह जीत का है और सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है।**
- **दिल्ली के जनादेश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली के असली मालिक यहां के लोग हैं, जिन्होंने राजधानी को अपनी निजी जागीर मानने वालों को नकार दिया।**
- **गवर्नेंस नौटंकी का मंच नहीं है।**
- **दिल्ली के चुनावों में कांग्रेस ने जीरो की डबल हैट्रिक लगाई है।**
- **कांग्रेस के नेता खुलेआम कहते हैं कि वे भारत से लड़ रहे हैं, इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। यह नक्सलियों की भाषा है।**
- **यदि योग्य युवा राजनीति में नहीं आएंगे, तो गलत लोग राजनीति पर कब्जा कर लेंगे। विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें हर स्तर पर नई लीडरशिप और इनोवेशन की आवश्यकता है।**
- **दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है। आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई 'आप'दा की हार हुई है। दिल्ली की जनता ने आप-दा को बाहर कर दिया है।**

- मैं दिल्ली के हर परिवारजन को मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए सिर झुकाकर नमन करता हूं। दिल्ली के लोगों का ये प्यार और विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का डबल तेजी से विकास करके ये कर्ज चुकाएगी।

- अयोध्या के मिल्कीपुर में भी भाजपा को शानदार जीत मिली है। हर वर्ग ने भारी संख्या में भाजपा के लिए मतदान किया है। पूरा देश जानता है कि जहां एनडीए है, वहां सुशासन है, विकास है और विश्वास है।

- आज देश तुष्टिकरण नहीं, बल्कि भाजपा के संतुष्टिकरण की पॉलिसी को चुन रहा है। दिल्ली के लोगों ने साफ संदेश दिया है। गवर्नेंस नौटंकी का मंच नहीं है, प्रचार का मंच नहीं है, प्रपंच का मंच नहीं है।

- देश की नारी शक्ति का आशीर्वाद हमारा सबसे बड़ा रक्षा कवच है। आज एक बार फिर, नारी शक्ति ने दिल्ली में मुझे अपना आशीर्वाद दिया है।

- दिल्ली का तो अस्तित्व ही मां यमुना की गोद में पनपा है लेकिन, दिल्ली की 'आप-दा' ने इस आस्था का अपमान किया। मैंने संकल्प लिया है कि यमुनाजी को हम दिल्ली शहर की पहचान बनाएंगे।

- 'आप-दा' वाले ये कहकर राजनीति में आए थे कि हम राजनीति बदल डालेंगे लेकिन ये कट्टर बेईमान निकले। दिल्ली वालों को मेरी गारंटी है, सबका साथ-सबका विकास- पूरी दिल्ली का विकास।

- दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस ने जीरो की डबल हैट्रिक लगाई है। देश की राजधानी में, देश की सबसे पुरानी पार्टी का लगातार दिल्ली में 6 बार से खाता नहीं खुल रहा है।

- कांग्रेस के नेता जब कहते हैं कि वो भारत से लड़ रहे हैं, Indian state से लड़ रहे हैं - ये अर्बन नक्सलियों की भाषा है। ये देश में, समाज में अराजकता लाने की भाषा है। आप-दा भी उसी सोच को आगे बढ़ा रही थी।

- अच्छे नौजवान राजनीति में नहीं आएंगे तो ऐसे लोग राजनीति पर कब्जा कर लेंगे जो राजनीति में नहीं आने चाहिए। सफलता-असफलता अपनी जगह पर है, लेकिन देश को धूर्तता और मूर्खता की राजनीति नहीं चाहिए।

- 'आप-दा' के शराब घोटाले ने दिल्ली को बदनाम किया। कोरोना के समय ये आप-दा

वाले शीशमहल बना रहे थे। इन्होंने अपने घोटाले छिपाने के लिए साजिशें रचीं।

- दिल्ली के पहले विधानसभा सत्र में ही CAG की रिपोर्ट सदन में रखी जाएगी। भ्रष्टाचार की जांच होगी और जिसने भी लूटा है, उसको लौटाना पड़ेगा। ये भी मोदी की गारंटी है।

- दिल्ली में INDI गठबंधन के दलों ने मिलकर कांग्रेस के वोट बैंक को रोकने की कोशिश की है। दिल्ली में कांग्रेस के खिलाफ पूरा INDI गठबंधन था। वे कांग्रेस को रोकने में सफल रहे, लेकिन आप-दा को बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

- भाजपा रिफॉर्म-परफॉर्म की गारंटी देती है। इसमें दिल्लीवासी जुड़ जायेंगे तो ट्रांसफॉर्मेशन और तेजी से आएगा। हम मिलकर दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाएंगे।

दिल्ली में, दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है। एक सुकून भी है। उत्साह विजय का है और सुकून दिल्ली को आपदा से मुक्त कराने का है। मैंने हर दिल्लीवासी के नाम एक पत्र भेजा था और मैंने दिल्ली से प्रार्थना कि थी 21वीं सदी में भाजपा को सेवा का अवसर दीजिए। दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने के लिए भाजपा को मौका दीजिए। मैं दिल्ली के हर परिवारजन को मोदी की गारंटी पर भरोसा करने के लिए दिल्लीवासियों को सर झुकाकर नमन करता हूं। मैं दिल्लीवासियों का आभार व्यक्त करता हूं। दिल्ली ने दिल खोलकर हमें प्यार दिया है। और मैं दिल्लीवासियों को फिर से एक बार विश्वास दिलाता हूं आपके इस प्यार को सवा गुना कर के विकास के रूप में हम लौटाएंगे। दिल्ली के लोगों का ये प्यार, ये विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। इसे अब दिल्ली की डबल इंजन सरकार, दिल्ली का डबल तेजी से विकास करके चुकाएगी। दिल्ली विजय ऐतिहासिक है। ये सामान्य विजय नहीं है। दिल्ली के लोगों ने आप-दा को बाहर कर दिया है। एक दशक की आप-दा से दिल्ली मुक्त हो गई है। दिल्ली का जनादेश एकदम स्पष्ट है। दिल्ली में विकास, विजन और विश्वास की जीत हुई है। आज आडंबर, अराजकता, अहंकार और दिल्ली पर छाई आपदा की हार हुई है। इस नतीजे में भाजपा के कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत, उनका परिश्रम ये विजय को चार चांद लगा देता है।

दिल्ली की जनता ने साफ कर दिया है कि दिल्ली की असली मालिक सिर्फ और सिर्फ दिल्ली की जनता है। जिनको दिल्ली का मालिक होने का घमंड था, उनका सच से सामना हो गया है। दिल्ली के जनादेश से ये भी स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्ट कट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। जनता ने शॉर्ट कट वाली राजनीति का शॉर्ट सर्किट कर दिया है।

दिल्ली के लोगों ने लोकसभा चुनाव में कभी निराश नहीं किया है। 2014, 2019 और 2024 तीनों चुनावों में, दिल्ली के लोगों ने बीजेपी को 7 की 7 सीटों पर भव्य विजयी बनाया। तीन-तीन बार लोकसभा में शत-प्रतिशत विजय दिलाने के बाद लेकिन मैं देख रहा था देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं के और दिल्ली के कार्यकर्ताओं के मन में भी एक टीस थी, कसक थी ये टीस दिल्ली की पूरी तरह से सेवा ना कर पाने की थी। लेकिन दिल्ली ने वो आग्रह भी मान लिया। दिल्ली की युवा पीढ़ी, इक्कीसवीं सदी में पैदा हुए साथी, अब पहली बार दिल्ली में भाजपा का सुशासन देखेंगे। नतीजे दिखाते हैं कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के लिए, देश में कितना भरोसा है। लोकसभा चुनाव में जीत के बाद हमने पहले हरियाणा में अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया। फिर महाराष्ट्र में नया रिकॉर्ड बनाया। अब दिल्ली में नया इतिहास रचा गया है।

दिल्ली के नतीजों का एक और पक्ष भी है। ये हमारा दिल्ली सिर्फ एक शहर नहीं है। दिल्ली मिनी हिंदुस्तान है। ये लघु भारत है। दिल्ली, एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विचार को जीती है। जी-जान से जीती है। दिल्ली में दक्षिण भारत के लोग भी हैं। दिल्ली में पश्चिम भारत के लोग भी हैं। दिल्ली में पूर्वी भारत के लोग भी हैं। एक तरह से, दिल्ली विविधताओं से भरे भारत का लघु रूप है। और आज इसी विविधताओं वाली दिल्ली ने, भाजपा को प्रचंड जनादेश का आशीर्वाद दिया है। दिल्ली का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, कोई ऐसा वर्ग नहीं है, जहां कमल नहीं खिला। हर भाषा बोलने वालों ने, हर राज्य के लोगों ने भाजपा के कमल निशान पर वोट दिया। और इस चुनाव में मैं जहां भी गया, मैं गर्व से कहता था मैं तो पूर्वांचल से सांसद हूं। ये पूर्वांचल से मेरा अपनेपन का रिश्ता, पूर्वांचल के लोगों ने इस रिश्ते को प्यार की विश्वास की नई ऊर्जा दे दी नई ताकत दे दी। इसलिए मैं पूर्वांचल के लोगों का पूर्वांचल के सांसद के नाते विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं। जब हर एक का साथ मिलता है तो हर दिल्लीवासी को मेरी गारंटी है - सबका साथ सबका विकास, पूरी दिल्ली का विकास। दिल्ली के इस विजय उत्सव के साथ-साथ अयोध्या के मिल्कीपुर में भी भाजपा को शानदार जीत मिली है। हर वर्ग ने भारी संख्या में भाजपा के लिए मतदान किया है। अभूतपूर्व विजय दिया है। आज देश तुष्टिकरण नहीं, बल्कि भाजपा के संतुष्टिकरण की पॉलिसी को चुन रहा है।

दिल्ली में धरना-प्रदर्शन की राजनीति, टकराव और प्रशासनिक अनिश्चितता ने दिल्ली के लोगों का बहुत नुकसान किया है। दिल्ली के विकास के सामने से एक बड़ी रुकावट सब दिल्ली वासियों ने दूर कर दी है। सोचिए कैसी राजनीति रही होगी? कैसी सोच होगी इन लोगों की? इन लोगों ने मेट्रो का काम आगे बढ़ाने से रोका। इन आपदा वालों ने झुग्गी वालों को घर देने से रोका। इन आपदा वालों ने आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी दिल्ली के लोगों को मिलने नहीं दिया। अब दिल्ली के लोगों ने साफ संदेश दिया है- governance. और दिल्ली ने देखा है पहले का जमाना governance ये नौटंकी का मंच नहीं है, governance प्रचार का मंच नहीं है, governance प्रपंच का मंच नहीं है। अब जनता ने स्थिर और डबल इंजन की सरकार को चुना है। हम पूरी गंभीरता से धरातल पर रहकर काम करेंगे, हम दिल्ली के लोगों की सेवा में दिन-रात एक कर देने वाले लोग हैं। पूरा देश जानता है कि जहां एनडीए है, वहां सुशासन है। विकास है, विश्वास है। एनडीए का हर कैंडिडेट, हर जनप्रतिनिधि, लोगों के हित में काम करता है। देश में एनडीए को जहां भी जनादेश मिला है, हमने उस राज्य को विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। और इसलिए भाजपा को लगातार जीत मिल रही है। लोग हमारी सरकारों को दूसरी बार, तीसरी बार चुन रहे हैं। उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, एमपी में। गुजरात, गोवा, महाराष्ट्र, बिहार में। असम, अरुणाचल, मणिपुर में। हर राज्य में हमें दोबारा सत्ता मिली है। यहां दिल्ली के बगल में यूपी है। एक जमाने में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था कितनी बड़ी चुनौती थी और सबसे बड़ा चैलेंज नारी शक्ति के लिए होता था। यूपी में दिमागी बुखार का कहर बरसता था। लेकिन हमने इसका अंत करने के लिए संकल्पबद्ध होकर काम किया। महाराष्ट्र में हर साल सूखे के कारण हमारे अन्नदाताओं पर कितना बड़ा संकट आता था। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद, हमने जल युक्त शिवर जैसे अभियान चलाकर किसानों तक पानी पहुंचाया। हरियाणा में किसी को बिना खर्ची, बिना पर्ची के सरकारी नौकरी नहीं मिलती थी। लेकिन आज बीजेपी, वहां सुशासन का नया मॉडल स्थापित कर रही है। पूर्वोत्तर में, हमारी सरकारों ने वहां के लोगों को विकास की नई धारा से जोड़ा है।

एक जमाना था, जब गुजरात में पानी का इतना बड़ा संकट था। खेती-किसानी मुश्किल थी। लेकिन आज वही गुजरात एग्रीकल्चर पावर हाउस बनकर उभरा है। आप याद करिए, नीतीश जी के पहले, बिहार किस हालत में था। बिहार में नीतीश जी को अवसर मिला, बदलाव भी तभी आया,

जब एनडीए की सरकार आई। ऐसे ही आंध्र प्रदेश में, चंद्रबाबू नायडू गारू ने अपना ट्रैक रिकॉर्ड साबित किया है। ये सारे उदाहरण बताते हैं कि एनडीए यानि विकास की गारंटी, एनडीए यानि सुशासन की गारंटी।

सुशासन का लाभ गरीब को भी होता है और मिडिल क्लास को भी होता है। इस बार दिल्ली में गरीब, झुग्गी में रहने वाले भाई-बहन, मिडिल क्लास ने भाजपा को जबरदस्त समर्थन दिया है। चाहे कोई भी प्रोफेशन हो, हर वर्ग के बहुत सारे प्रोफेशनल्स हमारी पार्टी में काम कर रहे हैं। और इसका सबसे बड़ा कारण ये है कि हमारी पार्टी ने हमेशा मिडिल क्लास को अपनी प्राथमिकता पर रखा है। यहीं दिल्ली में हमने सबसे पहले मेट्रो का काम शुरू किया। हमने अन्य शहरों में एयरपोर्ट, मेट्रो और अर्बन डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट्स पर काम किया। हमारी योजनाओं में, बहुत ज्यादा फायदा मिडिल क्लास को मिलता है। स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों के कारण, छोटे शहरों के लोग अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। आयुष्मान भारत और जन औषधि केंद्रों के कारण देश के करोड़ों लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।

देश की नारी शक्ति का आशीर्वाद हमारा सबसे बड़ा रक्षा कवच है। और एक बार फिर, नारी शक्ति ने दिल्ली में मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। चाहे ओडिशा हो, महाराष्ट्र हो या हरियाणा हो, हमने हर राज्य में नारी शक्ति से किए हर वादे को पूरा किया। आज इन राज्यों में करोड़ों माताओं-बहनों को, हमारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मैं दिल्ली की मातृशक्ति से भी कहता हूं, चुनाव में उनसे किया वादा जरूर पूरा किया जाएगा। ये मोदी की गारंटी है। और मोदी की गारंटी यानि, गारंटी पूरा होने की गारंटी।

टूटती सड़कें , कूड़े के ढेर, सीवर ओवरफ्लो और प्रदूषित हवा, दिल्ली की जनता, इन सब समस्याओं से त्रस्त रही है। अब यहां बनने वाली भाजपा सरकार, दिल्ली को विकास की ऊर्जा के साथ एक आधुनिक शहर बनाएगी। पहली बार दिल्ली-एनसीआर के हर प्रदेश में बीजेपी का शासन आया है। आजादी के बाद यह पहली बार हुआ है।

राजस्थान में, यूपी में, हरियाणा में, ऐसे पड़ोस के हर राज्य में भाजपा की सरकारें हैं। ये बहुत ही सुखद संयोग है। इन सभी क्षेत्रों में आजादी के बाद पहली बार एक साथ भाजपा की सरकारें हैं। इस एक संयोग से दिल्ली और पूरे एनसीआर में तरक्की के अनगिनत रास्ते खुलने जा रहे हैं। हमारी कोशिश होगी कि आने वाले समय में इस पूरे क्षेत्र में मोबिलिटी और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ढेर सारा काम हो। और इस क्षेत्र के नौजवानों को भी तरक्की के नए-नए अवसर मिलें। आज देश तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहा है। पहले के समय की सरकारों ने शहरीकरण को बोझ माना, इसे चुनौती समझा, उन लोगों ने शहरों को, सिर्फ पर्सनल वेल्थ कमाने का जरिया बना दिया। लेकिन मेरा मानना है, urbanisation, एक opportunity है। Urbanisation गरीबों को, वंचितों को, सशक्त करने का भी एक माध्यम है। दिल्ली, भारत का गेटवे है और इसीलिए इसे देश का सर्वश्रेष्ठ urban infrastructure मिलना ही चाहिए। दिल्ली के लोगों ने हाउसिंग सेक्टर में हमारा काम देखा है। लोगों ने सड़कों के लिए हमारी परफॉर्मेंस देखी है। अब हम दिल्ली वालों की आकांक्षाओं को पूरा करने में पूरी शक्ति से जुट जाएंगे।

दिल्ली का जनादेश विकास के साथ ही विरासत की समृद्धि के लिए भी है। गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वति। कावेरी नर्मदे सिंधु। ये भारत का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उद्घोष है। मां यमुना हमारी आस्था का केंद्र हैं। तभी तो कहते हैं, **नमो नमस्ते यमुने सदा त्वं, भवस्व मे मंगल कारणं च**। हम लोग हमारा सदा मंगल करने वाली यमुना देवी को नमस्कार करते हैं। लेकिन, उसी यमुना जी की इन लोगों ने कैसी दुर्दशा कर दी? दिल्ली का तो अस्तित्व ही मां यमुना की गोद में पनपा है। दिल्ली के लोग यमुना की इस पीड़ा को देखकर कितना आहत होते रहे हैं! लेकिन, दिल्ली की आप-दा ने इस आस्था का अपमान किया। दिल्ली की आपदा ने लोगों की भावनाओं को, उनकी आस्था को पैरों तले कुचल दिया। अपनी नाकामी के लिए हरियाणा के लोगों पर इतना बड़ा आरोप लगा दिया। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान संकल्प लिया है कि यमुना जी को हम दिल्ली शहर की पहचान बनाएंगे। मैं जानता हूं ये काम कठिन है। मैं ये भी जानता हूं यह काम बहुत लंबे समय का है। गंगा जी का देखिए, राजीव गांधी के जमाने से वो काम चल रहा है। समय कितना ही क्यों ना जाए, शक्ति कितनी ही क्यों ना लगे, लेकिन अगर संकल्प मजबूत है तो यमुना जी के आशीर्वाद रहने वाले हैं। हम मां यमुना जी की सेवा के लिए हर प्रयास करेंगे, पूरे सेवा भाव से काम करेंगे।

ये आपदा वाले, ये कहकर राजनीति में आए थे कि हम राजनीति बदल डालेंगे। लेकिन ये कट्टर बेईमान निकले। मैं आज वरिष्ठ महानुभाव श्रीमान अन्ना हजारे जी का बयान सुन रहा था। अन्ना हजारे जी, काफी समय से, इन आपदा वालों के कुकर्मों की पीड़ा झेल रहे थे। आज उन्हें भी उस पीड़ा से मुक्ति मिली होगी। जिस पार्टी का जन्म ही भ्रष्टाचार के विरुद्ध हुए आंदोलन से हुआ हो, वही भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई।

ये देश की ऐसी पार्टी बनी, जिसके मुख्यमंत्री, मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए। जो खुद को ईमानदारी का सर्टिफिकेट देते थे और दूसरों को बेईमानी का मेडल देते घूमते फिरते थे, वो खुद भ्रष्टाचारी निकले। ये दिल्ली के भरोसे के साथ बहुत बड़ा धोखा था। शराब घोटाले ने दिल्ली को बदनाम किया। स्कूल और अस्पताल में हुए घोटाले ने गरीब से गरीब को परेशान किया। और ऊपर से अहंकार इतना कि जब दुनिया कोरोना से निपट रही थी, तो ये आपदा वाले शीशमहल बना रहे थे। इन आपदा वालों ने अपने हर घोटाले को छिपाने के लिए रोज नई-नई साजिशें रचीं। लेकिन अब दिल्ली का जनादेश आ चुका है। मैं गारंटी दे रहा हूं। पहले विधानसभा सेशन में ही CAG की रिपोर्ट सदन में रखी जाएगी। भ्रष्टाचार के हर तार की जांच होगी और जिसने भी लूटा है, उसको लौटाना पड़ेगा। ये भी मोदी की गारंटी है।

आज जनता ने फिर एक बार फिर कांग्रेस को कड़ा संदेश दिया है। दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस ने जीरो की डबल हैट्रिक लगाई है। देश की राजधानी में, देश की सबसे पुरानी पार्टी का लगातार दिल्ली में छह बार से खाता नहीं खुल रहा है। और ये लोग खुद को पराजय का गोल्ड मेडल देते फिर रहे हैं।

सच्चाई ये है कि कांग्रेस पर देश बिल्कुल भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस एक

अपने ही मन से कुछ बोलें

अटल बिहारी वाजपेयी

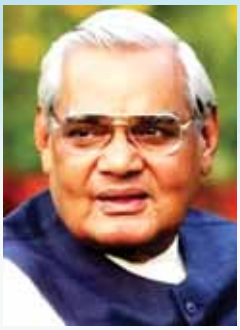

क्या खोया, क्या पाया जग में,
मिलते और बिछड़ते मग में,
मुझे किसी से नहीं शिकायत,
यद्यपि छला गया पग-पग में,
एक दृष्टि बीती पर डालें,
यादों की पोटली टटोलें।

पृथ्वी लाखों वर्ष पुरानी,
जीवन एक अनन्त कहानी,
पर तन की अपनी सीमाएँ,
यद्यपि सौ शरदों की वाणी,
इतना काफी है अंतिम दस्तक पर
खुद दरवाजा खोलें।

जन्म-मरण अविरत फेरा,
जीवन बंजारों का डेरा,
आज यहाँ, कल कहाँ कूच है,
कौन जानता, किधर सवेरा,
अंधियारा आकाश असीमित,
प्राणों के पंखों को तौलें।
अपने ही मन से कुछ बोलें!

परजीवी पार्टी बन चुकी है। ये खुद तो डूबती है, अपने साथियों को भी डुबोती है। कांग्रेस एक के बाद एक अपने सहयोगियों को खत्म कर रही है। इनका तरीका भी बड़ा मजेदार है। आज की कांग्रेस अपने सहयोगियों की जो भाषा है, जो उनका एजेंडा है, उसी को चुराने में लगी हुई है। उनके मुद्दे चुराती है और फिर उनके वोट बैंक में सेंध मारती है। यूपी में कांग्रेस उस वोट बैंक को छीनने की कोशिश कर रही है, जिस पर समाजवादी पार्टी और बीएसपी अपना हक मानती थी। मुलायम सिंह जी इसको बराबर समझ गये थे। इसी तरह तमिलनाडु में कांग्रेस, आज DMK की भाषा डबल जोर से बोलती है उनको DMK के वोटर को लुभाना है, करके खुद की हैसियत बनानी है। बिहार में भी ये कांग्रेस ही है जो जातिवाद का जहर फैलाकर अपनी सहयोगी आरजेडी का जो पेटेंट है, उसी जमीन को खाने में जुट गई है। ठीक ऐसा ही हाल जम्मू-कश्मीर, बंगाल में भी कांग्रेस ने अपने सहयोगियों का किया है। अब आज दिल्ली में भी साफ हो गया कि जो भी कांग्रेस का हाथ एक बार थामता है, उसका बंटाधार होना तय हो जाता है।

इन्होंने 2014 के बाद 5 साल तक हिंदू बनने की कोशिश की। मंदिरों में जाना, माला पहनना, पूजा करना, भांति-भांति की कोशिश की। उनको लगा ये करेंगे तो बीजेपी की वोट बैंक में हम सेंध मार करके कुछ ले आएंगे, लेकिन उनकी दाल गली नहीं तो पिछले कुछ वर्षों से उन्होंने वो रास्ता बंद कर दिया। उन्होंने माना की ये भाजपा का क्षेत्र है उसमें पैर नहीं डाल सकते। अब जाएं तो जाएं कहां। तो ये राज्यों की जो अलग-अलग पार्टियां अलग-अलग अपने मुद्दों पर जो अपनी जान चला रही हैं। अब उनकी नजरें उन पर है। और इसलिए, और वो भी समझ गए होंगे, बोलते नहीं होंगे, समझ गए होंगे कि उनको ही खा रहे हैं।

इंडी गठबंधन के दल अब कांग्रेस का ये कैरेक्टर समझने लगे हैं। इंडी वालों को ये ऐहसास हो रहा है कि जिस वोट बैंक को उन्होंने कांग्रेस से छीना है, अब कांग्रेस उसे वापस पाने में जुटी है। इसलिए, दिल्ली में, इंडी के ही दलों ने एकजुट होकर कांग्रेस को हैसयित बताने की कोशिश की, अपने वोट बैंक को रोकने की कोशिश की। इंडी गठबंधन पूरा दिल्ली में कांग्रेस के खिलाफ मैदान में उतरा था और फिर भी क्या हाल हुआ देखिए, दोनों तरफ। वह कांग्रेस को रोकने में तो सफल रहे लेकिन आपदा को बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

कांग्रेस का हाथ थामने वाले इसलिए भी बर्बाद हो रहे हैं, क्योंकि आज कांग्रेस वो कांग्रेस नहीं है जो आजादी के आंदोलन के समय थी। जो आजादी के बाद कुछ दशकों तक थी। आज वो कांग्रेस नहीं है। आज कांग्रेस देशहित की नहीं, अर्बन नक्सलियों की राजनीति कर रही है। कांग्रेस के नेता जब कहते हैं कि वो भारत से लड़ रहे हैं, Indian state से लड़ रहे हैं। ये नक्सलियों की भाषा है। ये समाज में, देश में अराजकता लाने की भाषा है। और यहां दिल्ली में तो आप-दा भी उसी अर्बन नक्सली सोच को ही आगे बढ़ा रही थी। कांग्रेस की ये अर्बन नक्सली सोच, राष्ट्र की उपलब्धियों पर अटैक करती है। ये पूरी दुनिया में अपनी ही सोच का आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक निजाम लाना चाहते हैं। जब से कांग्रेस में अर्बन नक्सलियों का DNA घुसा है, तब से कांग्रेस हर कदम पर बर्बाद हो रही है।

दिल्ली से मैं देश के नौजवानों से भी अपना एक आग्रह दोहराना चाहता हूं। मैंने एक लाख नौजवानों को राजनीति में आगे आने के लिए कहा है। ये मैं इसलिए कहता हूं कि देश को सही मायने में एक गंभीर, पॉलिटकल ट्रांसफॉरमेशन की जरूरत है। विकसित भारत को नई प्राणशक्ति की जरूरत है। 21वीं सदी की राजनीति को नए idea, नई ऊर्जा की जरूरत है। नए चिंतन की जरूरत है। ये मैं इसलिए भी कह रहा हूं क्योंकि अगर अच्छे नौजवान, बेटे-बेटियां राजनीति में नहीं आएंगे, तो ऐसे लोग राजनीति पर कब्जा कर लेंगे जो राजनीति में नहीं आने चाहिए। सफलता-असफलता अपनी जगह पर है, लेकिन देश को धूर्तता और मूर्खता की राजनीति नहीं चाहिए। एक तरफ धूर्तता है तो दूसरी तरफ मूर्खता है। देश का तेजस्वी युवा अगर राजनीति में नहीं आएगा, तो देश धूर्तता और मूर्खता की राजनीति में फंस जाएगा। विकसित भारत बनाने के लिए हमें राजनीति में नयापन लाना है, हर स्तर पर इनोवेशन लाना है।

हमारी ये विजय, नई जिम्मेदारी लेकर आई है। भाजपा, रिफॉर्म और परफॉर्म की गारंटी देती है। और जब इसमें हर दिल्लीवासी जुड़ जाएगा तो ट्रांसफॉरमेशन और तेज गति से आएगा। हमें दिल्ली के विकास के लिए मिलकर काम करना है। हम कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। हम मिलकर दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाएंगे।

मैंने हमेशा जिस मंत्र को जिया है और जिस मंत्र को हमेशा मैं मेरे लिए भी पुनः स्मरण करता रहता हूं मेरे सभी साथियों के लिए भी पुनः स्मरण करता रहता हूं और वो है हमें हमेशा जब-जब विजय मिले, अपनी नम्रता को कभी छोड़ना नहीं है। अपने विवेक को कभी छोड़ना नहीं है। समाज सेवा के हमारे भाव को कभी छोड़ना नहीं है। हम सत्ता सुख के लिए नहीं, हम सेवा भाव से आए लोग हैं। हम हमारी शक्ति, समय सत्ता सुख में नहीं बर्बाद करेंगे, हम इस अवसर को सेवा के लिए ही खपा देंगे। और इसलिए इस संकल्प के साथ हम आगे बढ़ें। दिल्ली और पूरे एनसीआर के विकास के जो सपने हमने सजे हैं, उसको हम परिपूर्ण करके रहें। ▪

आपदा नही सहेंगे, बदल के रहेंगे, करके दिखाया-जे.पी. नड्डा

लोकसभा में दिल्ली की जनता ने सभी सातों सीटों पर भाजपा को विजयी बनाने के बाद अब विधानसभा चुनाव में 48 सीटों पर कमल खिलाकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि दिल्ली के दिल में मोदी बसते हैं।

- **दिल्ली में लोकसभा में सभी 7 सीटों पर कमल खिलाने के बाद विधानसभा में 48 सीटों पर जीत दिलाकर जनता ने यह दिखा दिया कि दिल्ली के दिल में मोदी बसते हैं।**
- **चुनाव प्रचार के दौरान आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था, ''आपदा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।'' दिल्ली की जनता ने भी आप-दा को सहने से इनकार कर दिया और ऐतिहासिक बहुमत से भाजपा को चुना।**
- **आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने एक के बाद एक लगातार विजय हासिल की है और जनता ने हर बार 'मोदी की गारंटी' पर मुहर लगाई है।**
- **आम आदमी पार्टी झूठ बोलने की नई-नई तकनीकें निकालने वाली पार्टी हैं। ''आप-दा'' वाली यह पार्टी झूठ की फैक्ट्री और एनसाइक्लोपीडिया है।**
- **दिल्ली विधानसभा का चुनाव परिणाम आम आदमी पार्टी के कट्टर बेईमान नेताओं को करारा जवाब है। केजरीवाल की हार यह स्पष्ट करती है कि दिल्ली की जनता ने शराब घोटाले में उन्हें जेल भेजने पर अपनी मुहर लगा दी है।**
- **आप-दा ने दिल्ली में कूड़े के ढेर लगाए, लोगों को गंदा पानी पीने पर मजबूर किया, स्कूलों में पढ़ने वाले दो तिहाई बच्चों को विज्ञान की पढ़ाई से वंचित रखा, लोगों को गड्ढों वाली सड़कों पर चलने पर मजबूर किया।**
- **''आप'' नेता जो खुद को ''कट्टर ईमानदार'' कहते थे, वे ही कट्टर भ्रष्टाचारी निकले। ''आप-दा'' सरकार के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक सभी जेल की हवा खा चुके हैं।**
- **2014 के बाद से कांग्रेस का दिल्ली विधानसभा और लोकसभा चुनाव स्कोर हमेशा शून्य ही रहा है।**

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने एक के बाद एक लगातार विजय हासिल की है और जनता ने 'मोदी की गारंटी' पर लगातार बारंबार मुहर लगाई है। विधानसभा और लोकसभा दोनों ही चुनावों में दिल्ली की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया। लोकसभा में दिल्ली की जनता ने सभी सातों सीटों पर भाजपा को विजयी बनाने के बाद अब विधानसभा चुनाव में 48 सीटों पर कमल खिलाकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि दिल्ली के दिल में मोदी बसते हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पिछले 10 वर्षों में देश की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन लाया है। देश को भ्रष्टाचार और जातिवाद से निकालकर विकास और प्रगति की ओर अग्रसर किया है। गरीब, पीड़ित और शोषित वर्ग के जीवन में सुधार लाने के लिए आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जो कार्य हुए हैं, उन पर इस चुनाव में जनता

ने अपनी मुहर लगाई है। भारतीय राजनीति में पहले लोभ-लुभावने वादों का बोलबाला था। जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए जाते थे, जो बाद में भुला दिए जाते थे। लेकिन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस परंपरा को बदलते हुए राजनीति में रिपोर्ट कार्ड की परंपरा शुरू की। उन्होंने जो कहा उसे पूरा करके दिखाया, और जो नहीं कहा था, वह भी पूरा किया। यही कारण है कि आज जन-जन की जुबान पर एक ही नारा है **'मोदी की गारंटी, यानि गारंटी पूरी होने की गारंटी।'**

दिल्ली विधानसभा का यह चुनाव परिणाम आम आदमी पार्टी के कट्टर बेईमान नेताओं और उनकी पार्टी को करारा जवाब है। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने दिल्ली को कूड़े के ढेर में बदल दिया है। जो लोग चुनाव से पहले कूड़े के पहाड़ पर खड़े होकर उसे खत्म करने के वादे करते थे, वही लोग आज दिल्ली के हर घर के सामने कूड़े का ढेर लगाने के जिम्मेदार हैं। जिन्होंने शुद्ध पानी देने का वादा किया था, उन्होंने ही दिल्ली की जनता को गंदा पानी पीने पर मजबूर कर दिया। जो लोग वर्ल्ड क्लास शिक्षा के नाम पर जनता को छलते थे, उन्हीं लोगों ने स्कूलों में दो-तिहाई बच्चों को विज्ञान की पढ़ाई से वंचित किया। जिन लोगों ने बेहतर सड़कों का वादा किया था, उन्होंने दिल्ली की जनता को गड्ढों से भरी सड़कों पर चलने को मजबूर किया। यही कारण है कि इस चुनाव में दिल्ली की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि उन्हें केवल वादे करने वाली पार्टी की जरूरत नहीं है। जनता ने आम आदमी पार्टी को करारी हार देकर घर बैठाया है।

आम आदमी पार्टी झूठ बोलने की फैक्ट्री, झूठ बोलने की एनसाइक्लोपीडिया और झूठ की संपदा वाली आपदा भी है। यह पार्टी भ्रष्टाचार की नई-नई तकनीकें निकालने वाली पार्टी है और वास्तव में आप-दा ही है। दिल्ली की जनता ने चुनाव में 'आप'दा को करारी हार दिखाकर यह साफ कर दिया है कि इस ऐतिहासिक जीत के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली फिर से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगी।

जो खुद को ''कट्टर ईमानदार'' कहते थे, वे ही कट्टर भ्रष्टाचारी निकले। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक सभी जेल की हवा खा चुके हैं। आम आदमी पार्टी की हार यह स्पष्ट करती है कि दिल्ली की जनता ने उन्हें जेल भेजने पर अपनी मुहर लगा दी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों में जिस तरह से महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और व्यवसायियों ने साथ दिया है, उन्हें भारतीय जनता पार्टी की ओर से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आप-दा के अलावा एक ऐसी पार्टी है जो अपने स्कोर में लगातार शून्य पर बनी हुई है, चाहे वह 2014 का लोकसभा चुनाव हो, 2015 का विधानसभा चुनाव, 2019 का लोकसभा चुनाव, 2020 का विधानसभा चुनाव, 2024 का लोकसभा चुनाव या फिर 2025 का विधानसभा चुनाव। कांग्रेस पार्टी का स्कोर हमेशा शून्य ही रहा है।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था, ''आपदा नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे।'' दिल्ली की जनता ने भी आप-दा को सहने से इनकार कर दिया और दिल्ली को बदलकर रख दिया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को जो विश्वास मिला है और जो वादे हमने जनता से किए थे, उन्हें भाजपा ने अपने शासित राज्यों में पूरा किया है और अब दिल्ली में भी इन्हें पूरा किया जाएगा। अब भाजपा की सरकार दिल्ली में भी विकास करके दिखाएगी। ▪

दिल्ली के दिल में मोदी है

अमित शाह

- **दिल्ली में झूठ के शासन का अंत हुआ है...यह अहंकार और अराजकता की हार है।**
- **यह 'मोदी की गारंटी' और मोदी जी के विकास के विजन पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत है।**
- **दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया।**
- **मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली अब एक आदर्श राजधानी बनेगी, यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है।**
- **दिल्ली की जनता ने यह बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता।**

दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है। दिल्ली में मिली इस भव्य जीत के लिए अपना दिन-रात एक करने वाले भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं, भाजपा अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी और प्रदेश अध्यक्ष श्री वीरेंदर सचदेवा जी को हार्दिक बधाई। चाहे महिलाओं का सम्मान हो, या अनाधिकृत कॉलोनीवासियों का स्वाभिमान हो या स्वरोजगार की अपार संभावनाएँ, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली अब एक आदर्श राजधानी बनेगी। ▪

भारत + अमेरिका = बेहतर विश्व का निर्माण

अमेरिका के लोग राष्ट्रपति ट्रम्प के मोटो, Make America Great Again, यानि "मागा" से परिचित हैं।

भारत के लोग भी विरासत और विकास की पटरी पर विकसित भारत 2047 के दृढ़ संकल्प को लेकर तेज गति शक्ति से विकास की ओर अग्रसर हैं।

जिस उत्साह से राष्ट्रपति ट्रम्प की पहली टर्म मे भारत और अमेरिका ने मिलकर काम किया, वही उमंग, वही ऊर्जा और वही प्रतिबद्धता आज भी महसूस हो रही है। अमेरिका यात्रा में राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले टर्म में भारत और अमेरिका की उपलब्धियों का संतोष और गहरे आपसी विश्वास का सेतु था। साथ ही नए लक्ष्यों को प्राप्त करने का संकल्प भी था। हम मानते हैं कि भारत और अमेरिका का साथ और सहयोग एक बेहतर विश्व को shape कर सकता है।

अमेरिका के लोग राष्ट्रपति ट्रम्प के मोटो, Make America Great Again, यानि 'मागा' से परिचित हैं। भारत के लोग भी विरासत और विकास की पटरी पर विकसित भारत 2047 के दृढ़ संकल्प को लेकर तेज गति शक्ति से विकास की ओर अग्रसर हैं।

विकसित भारत का मतलब Make India Great Again, यानि 'मीगा' है। जब अमेरिका और भारत साथ मिलकर काम करते हैं, यानि 'मागा' प्लस 'मीगा', तब बन जाता है - 'मेगा' पार्टनरशिप for prosperity। और यही मेगा spirit हमारे लक्ष्यों को नया स्केल और scope देती है।

हमने द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक दोगुना से भी अधिक बढ़ाकर 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारी टीमें एक पारस्परिक लाभकारी Trade Agreement को शीघ्र संपन्न करने पर काम करेंगी।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में हम Oil तथा Gas trade को बल देंगे। ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश भी बढ़ेगा। Nuclear Energy क्षेत्र में हमने Small Modular Reactors की दिशा में सहयोग बढ़ाने पर भी बात की।

भारत की defence preparedness में अमेरिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। Strategic और trusted partners के नाते हम joint development, joint production और

Transfer of Technology की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहे हैं।

आने वाले समय में भी नयी टेक्नोलॉजी और इक्विपमेंट हमारी क्षमता बढ़ाएंगे। हमने Autonomous Systems Industry Alliance, लॉन्च करने का निर्णय लिया है।

अगले दशक के लिए Defence Cooperation Framework बनाया जाएगा। Defence inter-operability, लोजिस्टिक्स, repair और maintenance भी इसके मुख्य भाग होंगे।

इक्कीसवीं सदी technology-driven century है। लोकतान्त्रिक मूल्यों में विश्वास रखने वाले देशों के बीच टेक्नोलॉजी क्षेत्र में करीबी सहयोग पूरी मानवता को नई दिशा, शक्ति और अवसर दे सकता है।

भारत और अमेरिका Artificial Intelligence, Semiconductors, Quantum, Biotechnology, तथा अन्य technologies में मिलकर काम करेंगे।

हमने TRUST, यानि Transforming Relationship Utilizing Strategic Technology पर सहमति बनायीं है। इसके अंतर्गत critical मिनरल, एडवांस्ड material और फार्मास्यूटिकल की मजबूत सप्लाई chains बनाने पर बल दिया जायेगा। लिथिअम और रेयर earth जैसे स्ट्रेटेजिक मिनरल के लिए रिकवरी और processing initiative लॉन्च करने का भी निर्णय लिया है।

स्पेस के क्षेत्र में अमेरिका से हमारा करीबी सहयोग रहा है। 'इसरो' और 'नासा' के आपसी सहयोग से बनायीं 'निसार'satellite, शीघ्र ही भारतीय लॉन्च व्हीकल पर अंतरिक्ष की उड़ान भरेगी।

भारत और अमेरिका की साझेदारी लोकतंत्र और लोकतान्त्रिक मूल्यों तथा व्यवस्थाओं को सशक्त बनाती है। Indo-Pacific में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने के लिए हम मिलकर काम करेंगे। इसमें Quad की विशेष भूमिका होगी।

इस वर्ष भारत में होने जा रही Quad Summit में हम पार्टनर देशों के साथ नए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। 'आइ-मेक' और 'आई-टू-यू-टू' के तहत हम इकनोमिक कॉरिडोर और कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर मिलकर काम करेंगे।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका दृढ़ता से साथ खड़े रहे हैं। हम सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद के उन्मूलन के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है।

मैं राष्ट्रपति जी का आभारी हूँ की उन्होंने 2008 के, जिसने भारत में नरसंहार किया था, उस मुजरिम को अभी भारत के हवाले करने का निर्णय किया हैं। भारत की अदालतें उचित कार्यवाही करेंगी।

अमेरिका में रहने वाला भारतीय समुदाय हमारे संबंधों की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। हमारे people-to-people ties को और गहरा करने के लिए हम शीघ्र ही 'लॉस-एंजेलेस' और 'बॉस्टन' में भारत के नए कांसुलेट खोलेंगे।

हमने अमेरिका की universities और शिक्षा संस्थानों को भारत में off shore campus खोलने के लिए निमंत्रण दिया है। ▪

घोषणा

फार्म 4 (नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन का स्थान	:	चरैवेति पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016
2.	प्रकाशन अवधि	:	मासिक
3.	मुद्रक का नाम	:	एम.पी. प्रिन्टर्स, नोएडा
	(क्या भारतीय नागरिक है)	:	भारतीय
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	
	पता	:	नोएडा (उ.प्र.)
4.	प्रकाशक का नाम	:	संजय गोविन्द खोचे
	(क्या भारतीय नागरिक है)	:	भारतीय
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	पं. दीनदयाल परिसर,
	पता	:	ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016
5.	संपादक का नाम	:	संजय गोविन्द खोचे (संपादक)
	(क्या भारतीय नागरिक है)		भारतीय
	(यदि विदेशी है तो मूल देश)	:	पं. दीनदयाल परिसर,
	पता	:	ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचारपत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	:	पं. दीनदयाल विचार प्रकाशन, म. प्र. पं. दीनदयाल परिसर, ई-2, अरेरा कालोनी, भोपाल 462016

मैं संजय गोविन्द खोचे एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

दिनांकः 01 मार्च 2025

हस्ताक्षर
संजय गोविन्द खोचे
प्रकाशक

"सबका साथ, सबका विकास" सामूहिक जिम्मेदारी

नेशन फर्स्ट, राष्ट्र फर्स्ट, इसी एक उम्दा भावना और समर्पित भाव से हमने लगातार अपनी नीतियों में, अपने कार्यक्रमों में, हमारे वाणी में, वर्तन में, इसी एक बात को मानदंड मान करके देश की सेवा करने का प्रयास किया है।

- **सबका साथ, सबका विकास हमारा सामूहिक दायित्व है।**
- **देश की जनता ने हमारे विकास के मॉडल को परखा है, समझा है और समर्थन दिया है।**
- **2014 के बाद देश ने एक नया मॉडल देखा है और यह मॉडल तुष्टीकरण का नहीं, बल्कि संतुष्टीकरण का है।**
- **शासन का मूल मंत्र - सबका साथ, सबका विकास।**
- **भारत की प्रगति नारी शक्ति से प्रेरित है।**
- **गरीबों और वंचितों के कल्याण को प्राथमिकता दे रहे हैं।**
- **पीएम जनमन के साथ आदिवासी समुदायों को सशक्त बना रहे हैं।**
- **देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकलकर नव मध्यम वर्ग का हिस्सा बन गए हैं, उनकी आकांक्षाएं देश की प्रगति का सबसे मजबूत आधार हैं।**
- **मध्यम वर्ग भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए आश्वस्त और संकल्पबद्ध है।**
- **देश भर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया है।**
- **दुनिया भारत के आर्थिक सामर्थ्य को पहचानती है।**

जहां तक कांग्रेस का सवाल है, उनसे सबका साथ, सबका विकास इसके लिए कोई अपेक्षा करना, बहुत बड़ी गलती हो जाएगी। यह उनकी सोच के बाहर है, उनकी समझ के भी बाहर है और उनके रोड मैप में भी यह सूट नहीं करता है, क्योंकि वह इतना बड़ा दल एक परिवार को समर्पित हो गया है, उसके लिए सबका साथ, सबका विकास संभव ही नहीं है। कांग्रेस ने राजनीति का एक ऐसा मॉडल तैयार कर दिया था, जिसमें झूठ, फरेब, भ्रष्टाचार, परिवारवाद, तुष्टिकरण, सबका घालमेल था। जहां सबका घालमेल हो वहां सबका साथ हो ही नहीं सकता।

कांग्रेस के मॉडल में सर्वोपरि है फैमिली फर्स्ट और इसलिए उनकी नीति, रीति, उनकी वाणी, उनका वर्तन, उस एक चीज को संभालने में ही खपता रहा है। 2014 के बाद देश ने हमें सेवा करने का अवसर दिया और मैं इस देश की जनता का आभारी हूं कि हमें तीसरी बार लगातार, यह तीसरी बार जनता यहां पहुंचाती है, इतने बड़े देश में इतनी वाइब्रेंट डेमोक्रेसी हो, वाइब्रेंट मीडिया हो, हर प्रकार की बातें बताने की छूट हो, उसके बावजूद भी देश दूसरी बार, तीसरी बार, हमें सेवा करने का मॉडल बनाती है, इसका कारण देश की जनता ने हमारे विकास के मॉडल को परखा है, समझा है और समर्थन दिया है। हमारे एकमात्र मॉडल को अगर मुझे एक शब्द में कहना है तो मैं कहूंगा नेशन फर्स्ट, राष्ट्र फर्स्ट, इसी एक उम्दा भावना और समर्पित भाव से हमने लगातार अपनी नीतियों में, अपने कार्यक्रमों में, हमारे वाणी में, वर्तन में, इसी एक बात को मानदंड मान करके देश की सेवा करने का प्रयास किया है।

एक लंबे अरसे तक 5-6 दशक तक देश के सामने अल्टरनेट मॉडल क्या हो, तराजू पर तोलने का कोई अवसर ही नहीं मिला था। लंबे अरसे के बाद, 2014 के बाद देश को एक अल्टरनेट मॉडल क्या हो सकता है, एक अल्टरनेट कार्य शैली क्या हो सकती है, प्रायोरिटी क्या हो सकती है, इसका एक नया मॉडल देखने को मिला है और यह नया मॉडल तुष्टिकरण नहीं संतुष्टीकरण पर भरोसा करता है। पहले के मॉडल में, खास करके कांग्रेस के कालखंड में, तुष्टिकरण हर चीज में तुष्टिकरण, यही उनका एक प्रकार से औषधि बन गई थी उनकी राजनीतिक को करने की और उन्होंने स्वार्थ नीति, राजनीति, देश नीति, सबका घोटाला करके रखा हुआ था। तरीका यह होता था, कि छोटे तबके को कुछ दे देना और बाकियों को तरसा कर रखना और जब चुनाव आए तब कहना कि देखो उनको मिला है, शायद आपको भी मिल जाएगा और इस प्रकार

से झुनझुना बांटते रहना, लोगों की आंखों पर पट्टी बांधकर के अपनी राजनीतिक सियासत को चलाए रखना, ताकि चुनाव के समय वोट की खेती हो सके, यही कार्य चलता रहा।

हमारी कोशिश रही है कि भारत के पास जो भी संसाधन है, उन संसाधनों का ऑप्टिमम यूटिलाइजेशन किया जाए। भारत के पास जो समय है, उस समय का भी बर्बादी से बचा करके पल-पल का उपयोग देश की प्रगति के लिए, जन सामान्य के कल्याण के लिए, उसी पर वह खर्च हो और इसलिए हमने एक अप्रोच अपनाया सैचुरेशन का एप्रोच, पैर उतने ही लंबे करने जितनी चादर हो, लेकिन जो योजना बने, जिनके लिए वो योजना बने उनको वो शत प्रतिशत उसका बेनिफिट होना चाहिए। किसी को दिया, किसी को नहीं दिया, किसी को लटका करके रखा और उसको हमेशा प्रताड़ित करके रखना और उसको निराशा की गर्त में धकेल देना, उन सिचुएशन से हमने बाहर आकर के सैचुरेशन अप्रोच की ओर हमारे काम को आगे बढ़ाया है। बीते दशक में हमने हर स्तर पर सबका साथ सबका विकास की भावना को जमीन पर उतारा है और वो आज देश में जिस प्रकार से बदलाव नजर आ रहा है, फल के रूप में हम अनुभव करने लगे हैं। हमारे गवर्नेंस का भी मूल मंत्र यही रहा है, सबका साथ सबका विकास। हमारी ही सरकार ने एससी-एसटी एक्ट को मजबूत बनाकर दलित और आदिवासी समाज के सम्मान और उनकी सुरक्षा के संबंध में अपनी प्रतिबद्धता भी दिखाई और हमने उसे बढ़ाया भी।

आज जातिवाद का जहर फैलाने के लिए भरपूर प्रयास हो रहा है, लेकिन तीन-तीन दशक तक दोनों सदन के ओबीसी MPs और सभी दलों के ओबीसी MPs, सरकारों से मांग करते रहे थे, कि ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए, ठुकरा दिया गया, इनकार किया गया, क्योंकि शायद उस समय उनकी राजनीति को यह सूट नहीं करता होगा, क्योंकि तुष्टीकरण की राजनीति के और फैमिली फर्स्ट की राजनीति में जब वो बैठेगा, तब तक वो चर्चा के हित में भी नहीं आता है।

यह मेरा सौभाग्य है कि हम सब ने मिलकर के तीन-तीन दशक से मेरे ओबीसी समाज ने जिस बात के लिए मांगे की आशाएं रखी, जिसको निराश करके रखा गया था, हमने आकर के इस आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया और हमने उनकी सिर्फ मांग पूरी की इतना नहीं, हमारे लिए उनका मान सम्मान भी उतना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश के 140 करोड़ देशवासियों को हम जनता जनार्दन के रूप में पूजने वाले लोग हैं।

हमारे देश में जब-जब आरक्षण का विषय आया, तो उसको एक तंदुरुस्त तरीके से समस्या के समाधान के लिए सत्य को स्वीकार करते हुए करने का प्रयास नहीं हुआ, हर चीज में देश में विभाजन कैसे हो, तनाव कैसे पैदा हो, एक दूसरे के खिलाफ दुश्मनी कैसे पैदा हो, वही तरीके अपनाए गए। देश आजाद होने के बाद जब जब यह प्रयास हुए इसी तरीके से हुए। पहली बार हमारी सरकार ने एक ऐसा मॉडल दिया और सबका साथ सबका विकास के मंत्र की प्रेरणा से दिया कि हमने सामान्य वर्ग के गरीब को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया। बिना तनाव के, बिना किसी का छीन करके और जब यह निर्णय किया, तो एससी समुदाय ने भी उसका स्वागत किया, एसटी समुदाय ने भी स्वागत किया, ओबीसी समुदाय ने भी स्वागत किया, किसी को भी पेट में दर्द नहीं हुआ, क्योंकि इतना बड़ा निर्णय, लेकिन करने का तरीका था, सबका साथ सबका विकास और तब जाकर के बहुत ही स्वस्थ शांत तरीके से पूरे राष्ट्र ने इस बात को स्वीकार किया।

हमारे देश में दिव्यांगों की कभी सुनवाई जितनी मात्रा में होनी चाहिए थी, नहीं हुई, जब सबका साथ सबका विकास का मंत्र होता है ना, तब मेरे दिव्यांगजन भी वो सब के कैटेगरी में होते हैं और तब जाकर के हमने दिव्यांगों के लिए आरक्षण का विस्तार किया, दिव्यांगों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हो, इसके लिए मिशन मोड में काम किया। दिव्यांगों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं बनाई, लेकिन योजनाओं को लागू भी किया, इसके कारण इतना ही नहीं ट्रांसजेंडर, ट्रांसजेंडर कम्युनिटी के अधिकारों को लेकर के हमने उसको कानूनी रूप से उसको पुख्ता करने के लिए प्रमाणिकता पूर्वक प्रयास किया। सबका साथ सबका विकास के मंत्र को हम कैसे जीते हैं, यह हमने समाज के उस उपेक्षित वर्ग की तरफ भी हमने बड़ी संवेदना के साथ देखा।

भारत की विकास यात्रा में नारी शक्ति के योगदान को कोई नकार नहीं सकता, लेकिन उनको अगर अवसर मिले और वह नीति निर्धारण का हिस्सा बने, तो देश की प्रगति में और गति आ सकती है और इस बात को ध्यान में रखते हुए हमने ही और इस सदन का पहला निर्णय हुआ, हम देशवासी गर्व कर सकते हैं, ये सदन इस बात के लिए याद रखा जाएगा, ये नया सदन सिर्फ उसके रूप रंग के लिए नहीं, **ये नया सदन का पहला निर्णय था, नारी शक्ति वंदन अधिनियम**। इस नए सदन को हम किसी और तरीके से भी कर सकते थे। हम हमारी वाह-वाही के लिए भी उपयोग कर सकते थे, पहले भी होता था, लेकिन हमने तो मातृशक्ति की वाह-वाही के लिए इस सदन का आरंभ किया था और मातृशक्ति के आशीर्वाद से यह सदन अपना कार्य आरंभ किया है।

हम जानते हैं इतिहास की तरफ हम थोड़ी नजर करें, यानी मैं कह रहा हूँ इसलिए नहीं, बाबा साहब अंबेडकर के साथ कांग्रेस को कितनी नफरत रही थी, उनके प्रति कितना गुस्सा था और किसी भी हालत में बाबा साहब के हर बात के प्रति कांग्रेस चिढ़ जाती थी और इसके सारे, इसके सारे, सारे दस्तावेज मौजूद हैं और इस गुस्से को दो-दो बार बाबा साहब को चुनाव में पराजित करने के लिए क्या कुछ नहीं किया गया, कभी भी बाबा साहब को, कभी भी बाबा साहब को भारत रत्न के योग्य नहीं समझा गया।

कभी भी बाबा साहब को भारत रत्न के योग्य नहीं समझा गया, इतना ही नहीं इस देश के लोगों ने बाबा साहब की भावना का आदर किया, सर्व समाज ने आदर किया और तब आज मजबूरन, आज मजबूरन कांग्रेस को जय भीम बोलना पड़ रहा है, उनका मुंह सूख जाता है, और यह कांग्रेस भी रंग बदलने में बड़ी माहिर लग रही है, इतनी तेजी से अपना नकाब बदल देते हैं, ये इसमें साफ-साफ नजर आ रहा है।

आप कांग्रेस का अध्ययन करेंगे, तो कांग्रेस की राजनीति जैसा हमारा मूल मंत्र रहा सबका साथ सबका विकास, वैसा उनका हमेशा रहा कि दूसरे की लकीर छोटी करना और इसके कारण उन्होंने सरकारों को अस्थिर किया, किसी भी राजनीतिक दल की सरकार कहीं बनी तो उसको अस्थिर कर दिया, क्योंकि लकीर छोटी करो दूसरे की, इसी काम में वो लगे रहे और यह जो उन्होंने रास्ता चुना है ना औरों की लकीर छोटे करने का, लोकसभा के बाद भी जो उनके साथ थे, वो भी भाग रहे हैं, जब उनको पता चला कि यह तो हमें भी मार डालेंगे और यही उनके नीतियों का परिणाम है कि आज यह हाल हो गए हैं कांग्रेस के। देश की सबसे पुराने पार्टी, आजादी के आंदोलन से जुड़ी पार्टी, इतनी दुर्दशा, ये औरों की लकीर छोटी करने में अपनी शक्ति खपा रहे हैं ना, अगर वो खुद की लकीर लंबी करते, तो उनकी यह दशा नहीं होती और मैं बिना मांगे एडवाइस दे रहा हूं, आप अपनी लकीर लंबी करने में मेहनत कीजिए सोचिए, तो कभी ना कभी देश आपको भी यह 10 मीटर दूर यहाँ आने का अवसर देगी।

बाबा साहब ने एससी-एसटी समुदाय की बुनियादी चुनौतियों को बहुत बारीकी से समझा था, बहुत गहराई से समझा था और खुद भुक्तभोगी भी थे, इसलिए एक दर्द भी था, पीड़ा भी थी और समाज का कल्याण करने का एक जज्बा भी था। और बाबा साहब ने एससी-एसटी समुदाय की आर्थिक उन्नति के लिए एक स्पष्ट रोड मैप देश के सामने प्रस्तुत किया था। उनकी बातों में प्रस्तुत होता था और बाबा साहब

ने एक बहुत महत्वपूर्ण बात कही थी, मैं उनका कोट पढ़ना चाहता हूं, बाबा साहब ने कहा था- भारत एक कृषि प्रधान देश है, लेकिन दलितों के लिए यह आजीविका का मुख्य साधन बन ही नहीं सकता, यह बाबा साहब ने कहा था, उन्होंने आगे कहा था और इसके कई कारण है पहला भूमि खरीदना उनके सामर्थ्य से बाहर है, दूसरा अगर उनके पास धन भी हो तो भी उनके लिए भूमि खरीदने का कोई अवसर नहीं है, बाबा साहब ने यह एक एनालिसिस किया था, और इस परिस्थिति का एनालिसिस करते हुए उनका जो सुझाव था, उन्होंने आग्रह किया था, कि दलितों के साथ, हमारे आदिवासी भाई बहनों के साथ, वंचितों के साथ, यह जो अन्याय हो रहा है, यह जो मुसीबत में जीने के लिए वह मजबूर हो रहे हैं, इसका एक उपाय है, देश में इंडस्ट्रीलाइजेशन को बढ़ावा दिया जाए, औद्योगिककरण के पक्षकार थे बाबा साहब, क्योंकि औद्योगिककरण करने के पीछे उनकी कल्पना साफ थी, स्किल बेस्ड जॉब्स और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए दलित आदिवासी वंचित समूहों को एक अवसर मिलेगा और उसे वह उत्थान का एक सबसे महत्वपूर्ण हथियार मानते थे। लेकिन आजादी के इतने सालों के बावजूद भी, इतने साल कांग्रेस को सत्ता में रहने का अवसर मिला तब भी, बाबा साहब की इन बातों पर गौर करने का भी उनको समय नहीं था। उन्होंने बाबा साहब की इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया। एससी, एसटी समुदाय की आर्थिक लाचारी बाबा साहब समाप्त करना चाहते थे, उसे कांग्रेस ने ऐसा उल्टा काम किया कि उसको गहरा संकट बना दिया।

2014 में हमारी सरकार ने इस सोच को बदला और हमने प्राथमिकता देते हुए स्किल डेवलपमेंट, फाइनेंशियल इंक्लूजन और इंडस्ट्रियल ग्रोथ पर हमने जोर दिया। हमने पीएम विश्वकर्मा योजना बनाकर के समाज का वो तबका, जिसके बिना समाज की रचना ही संभव नहीं है और हर गांव में छोटे-छोटे रूप में बिखरे हुए समाज, जो पारंपरिक कार्य करने वाले हमारे विश्वकर्मा भाई-बहन, लोहार हो, कुम्हार हो, समाज के सोनार हो, ऐसे सारे जो वर्ग के लोग हैं, पहली बार देश में उनके लिए कोई चिंता हुई और उनको ट्रेनिंग देना, टेक्नोलॉजीकल अपग्रेडेशन के लिए नए औजार देना, डिजाइनिंग में उनको मदद करना, आर्थिक सहायता करना, उनके लिए बाजार उपलब्ध कराना, यह सारे दिशाओं में एक विशेष काम हमने अभियान चलाया हुआ है और समाज का यह वर्ग है, जिसकी तरफ किसी ने ध्यान नहीं दिया और समाज नियंता में जिसका महत्वपूर्ण रोल है, उस विश्वकर्मा समाज की हमने चिंता की।

हमने मुद्रा योजना शुरू करके जिन लोगों को पहली बार उद्यम के क्षेत्र में आना था, उनको निमंत्रित किया, उनको प्रोत्साहित किया। बिना गारंटी के लोन देने का एक बहुत बड़ा अभियान हमने चलाया, ताकि समाज में यह बहुत बड़ा समुदाय है, जो आत्मनिर्भरता के अपने सपने को पूरा कर सके और उसमें बहुत बड़ी सफलता मिली। हमने एक योजना और भी बनाई स्टैंड अप इंडिया, जिसका मकसद था एससी, एसटी समुदाय के हमारे भाई बहन और कोई भी समाज की महिला उसको बैंक से एक करोड़ रुपए का बिना गारंटी का लोन, ताकि वो अपना कार्य करे, और हमने इस बार बजट में इसको डबल कर दिया है, और मैंने देखा है कि लाखों ऐसे नौजवान इस वंचित समुदाय से, या लाखों बहनें आज मुद्रा योजना के द्वारा अपना कारोबार करना शुरू किया है और खुद का तो रोजगार पाया ही, लेकिन उन्होंने किसी एक दो और लोगों को भी रोजगार दिया है।

हर कारीगर का सशक्तिकरण, हर समुदाय का समस्त सशक्तिकरण और जो बाबा साहब का सपना था, उसको पूरा करने का काम मुद्रा योजना के माध्यम से हमने किया है।

जिसको किसी ने नहीं पूछा उसको मोदी पूजता है। गरीब वंचित उसका कल्याण यह हमारी प्राथमिकता है। इस वर्ष के बजट में भी आप देखिए, लेजर इंडस्ट्री, फुटवियर इंडस्ट्री, ऐसे अनेक छोटे-छोटे-छोटे दायरे के विषयो को हमने स्पर्श किया है और इसका सबसे बड़ा लाभ गरीब और वंचित समुदाय के लोगों को मिलने वाला है, जो इस बजट में घोषणा की है। अब उदाहरण के रूप में टॉयज की बात करें, समाज के इस प्रकार के वर्ग के लोग ही टॉयज बनाने के काम में है, हमने उस पर ध्यान केंद्रित किया। बहुत सारे गरीब परिवारों को अनेक प्रकार की उसमें मदद दी गई और उसका परिणाम आज आया है कि टॉयज हम इंपोर्ट करने की आदत में फंसे हुए थे, आज हमारे टॉयज तीन गुना एक्सपोर्ट हो रहे हैं और इसका फायदा समाज के एक बहुत ही नीचे के तबके को जीने वाले, मुसीबतों में गुजारा करने वाले समुदाय को मिल रहा है।

हमारे देश में एक बहुत बड़ा समुदाय है मछुआरा समुदाय। इन मछुआरे साथियों के लिए हमने एक अलग मिनिस्ट्री तो बनाई, लेकिन जो बेनिफिट किसान क्रेडिट में किसानों को मिलता था, हमने वो किसान क्रेडिट कार्ड के सारे बेनिफिट हमारे मछुआरे भाई-बहनों को भी दिए हैं, यह सुविधा दी, अलग मिनिस्ट्री बनाई, ये काम किया और करीब करीब 40000 करोड़ रूपया हमने इसके अंदर include किया है! फिशरीज सेक्टर पर बल दिया है और इन प्रयासों का परिणाम यह आया है, कि हमारा मछली उत्पादन दो गुना और एक्सपोर्ट भी दो गुना हुआ है और जिसका सीधा बेनिफिट हमारे मछुआरे भाई-बहनों को हुआ है, यानी समाज के सबसे उपेक्षित हमारे बंधु हैं, उनको हमने सबको ज्यादा प्राथमिकता देकर के हमने काम करने का प्रयास किया है।

यह आज जो जातिवाद का जहर फैलाने का जिनको नया-नया शौक लग गया है, हमारे देश के आदिवासी समाज, उन आदिवासी समाज में भी कई स्तर की स्थितियां हैं। कुछ समूह ऐसे हैं जिनकी संख्या बहुत कम है और जो करीब देश में 200-300 जगह पर बिखरे हुए हैं और कुल आबादी उनकी बहुत कम है, लेकिन वो ऐसे उपेक्षित रहे हैं, उनकी बारीकियों को जाने तो दिल दहलाने वाली बात है, और मेरा सौभाग्य रहा कि राष्ट्रपति जी से इस विषय में मुझे काफी गाइडेंस मिला, क्योंकि उस समाज को काफी निकट से राष्ट्रपति जी जानती है। और उसी में से आदिवासी समाज में भी बहुत वंचित अवस्था में जीने वाला एक जो छोटे तबके के लोग और बिखरे पड़े लोग हैं, उनको विशेष रूप से इस योजना में लाने का प्रयास हुआ। और हमने पीएम जनमन योजना बनाई और 24000 करोड़ रुपए, ताकि उनको वो सुविधाएं मिले, उनके कल्याण के काम हो और वे भी सबसे पहले तो अन्य आदिवासी समाज की बराबरी तक तो पहुंचे और फिर पूरे समाज की बराबरी करने के लिए योग्य बने, उस दिशा में हमने काम किया है।

समाज के अलग-अलग तबकों की चिंता तो की है, हमने देश के अलग-अलग भू-भाग में भी कुछ ऐसी स्थितियां हैं कि जिसमें बहुत पिछड़ापन है, जैसे- हमारे सीमावर्ती गांव, उनको बैकवर्ड विलेज करके छोड़ दिया गया था, आखिरी गांव करके छोड़ दिया गया था, हम सबसे पहले मनोवैज्ञानिक परिवर्तन लेकर आए। हम यह जो दिल्ली पहले और बाद में सब धीरे-धीरे-धीरे जो दूर जाता जाए, आखिर चला जाए, हमने बदल दिया। हमने तय किया कि सीमा पर जो लोग हैं वो पहले, और वो अंदर की तरफ हाथ करके आए। जहां सूरज की किरण सबसे पहले आती है और जहां सूरज की आखिरी किरण भी जिनके पास होती है, ऐसे आखिरी गांव उनको हमने फर्स्ट विलेज के रूप में विशेष दर्जा देते हुए, विशेष योजना बनाते हुए, हमने उनके विकास के कामों को, इतना ही नहीं उसको प्राथमिकता इतनी दी कि मैंने पिछले टर्म में मंत्री परिषद के साथियों को ऐसे दूर-दराज के गांवों में 24 घंटे रूकने के लिए भेजा था और माइनस 15 डिग्री वाले कुछ विलेजिज थे, वहां

भी हमारे मंत्री वहां जाकर करके रुके थे, उनको समझने, उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किया था। और हमने 15 अगस्त, 26 जनवरी में जो मेहमान बुलाते हैं उसमें भी ये जो सीमा पर बसे हुए हमारे पहले विलेज हैं आज उनके प्रधानों को हम 26 जनवरी, 15 अगस्त में बुलाते हैं। राष्ट्रपति जी के यहां एट होम में होते हैं, क्योंकि हमने हमारी कोशिश है सबका साथ सबका विकास और यह हम खोजते रहते हैं कि किस तक अभी भी पहुंचना बाकी है, चलो जल्दी करो।

वाइब्रेंट विलेज की योजना देश की सुरक्षा के लिए भी बहुत उपयोगी हो रही है, बहुत महत्वपूर्ण हो रही है और हम उस पर भी बल दे रहे हैं।

राष्ट्रपति जी ने गणतंत्र के 75 वर्ष के मौके पर संविधान निर्माताओं से प्रेरणा लेने का भी आग्रह अपने अभिभाषण में किया है। मैं आज बड़े संतोष के साथ कह सकता हूं कि हमारे संविधान निर्माताओं की जो भावना थी, उसी का आदर करते हुए, उसी से प्रेरणा लेते हुए, हम आज आगे बढ़ रहे हैं। कुछ लोगों को लगता होगा ये UCC, UCC क्या लाए हैं, लेकिन जो संविधान सभा की डिबेट पढ़ेंगे, उनको पता चलेगा कि हम उस भावना को यहां लाने का प्रयास कर रहे हैं। कुछ लोगों के राजनीतिक आड़े आती होगी, लेकिन हम संविधान निर्माताओं की इस भावना को जीते हैं ना, तब जाकर के यह साहस करते हैं और कमिटमेंट के साथ पूरा करने का प्रयास करते हैं।

संविधान निर्माताओं का आदर करना चाहिए था, संविधान निर्माताओं की एक-एक बात से प्रेरणा लेनी थी, लेकिन यह कांग्रेस है जिसने आजादी के तुरंत बाद ही संविधान निर्माताओं की भावनाओं की धज्जियां उड़ा दी थीं, और यह बहुत दुख के साथ मुझे कहना पड़ रहा है। आप कल्पना कर सकते हैं कि जब देश में चुनी हुई सरकार नहीं थी, एक स्टॉपगेट अरेंजमेंट था चुनाव तक का, वह स्टॉपगेट अरेंजमेंट में जो बैठे थे महाशय, उन्होंने संविधान में संशोधन कर दिया आते ही, चुनी हुई सरकार करती, तो थोड़ा भी तो समझ आता था, वे उतना भी इंतजार नहीं किया और किया क्या, और किया क्या, उन्होंने फ्रीडम ऑफ स्पीच को कुचला, फ्रीडम ऑफ स्पीच को कुचला, अखबारों पर, प्रेस पर लगाम लगाई और डेमोक्रेट, डेमोक्रेट का टैग लगाकर घूमते रहे दुनिया में, देश की डेमोक्रेसी का महत्वपूर्ण स्तम्भ, उसको कुचलने का काम हुआ और ये संविधान की भावना का पूरी तरह अनादर था।

देश की पहली सरकार थी, नेहरू जी प्रधानमंत्री थे और मुंबई में जब नेहरू जी प्रधानमंत्री थे, तब मुंबई में मजदूरों की एक हड़ताल हुई, उसमें मशहूर गीतकार मजनू सुल्तानपुरी जी ने एक गीत गाया था, कॉमनवेल्थ का दास है यह कविता उन्होंने गायी थी, कविता गाने मात्र के गुनाह में नेहरू जी ने देश के एक महान कवि को जेल में ठूंस दिया था। मशहूर एक्टर बलराज साहनी जी सिर्फ एक जुलूस में शामिल हुए थे, आंदोलन करने वालों के जुलूस में शामिल हुए थे, इसलिए बलराज साहनी जी को जेल में बंद कर दिया गया।

लता मंगेशकर जी के भाई हृदयनाथ मंगेशकर जी ने वीर सावरकर पर एक कविता स्वरबद्ध करके आकाशवाणी पर प्रस्तुत करने की योजना बनाई, इतने मात्र पर हृदयनाथ मंगेशकर जी को आकाशवाणी से हमेशा के लिए बाहर कर दिया गया।

इसके बाद देश ने इमरजेंसी का भी दौर देखा है। संविधान को किस प्रकार से कुचला गया, संविधान के स्पिरिट को किस प्रकार से रौंदा गया और वह भी सत्ता सुख के लिए किया गया, यह देश जानता है। और इमरजेंसी में प्रसिद्ध सिने कलाकार देवानंद जी से आग्रह किया गया कि वह इमरजेंसी का समर्थन करें पब्लिकली। देवानंद जी ने साफ-साफ इमरजेंसी पर समर्थन करने से इनकार कर दिया, उन्होंने हिम्मत दिखाई। और इसलिए दूरदर्शन पर देवानंद जी की सभी फिल्मों को प्रतिबंधित कर दिया गया।

ये संविधान की बातें करने वाले लोग, उन्होंने सालों से संविधान को अपनी जेब में रखा है उसी का ये परिणाम है, संविधान का सम्मान नहीं किया है।

किशोर कुमार जी, उन्होंने कांग्रेस के लिए गाना गाने से मना किया उस एक गुनाह के लिए आकाशवाणी पर किशोर कुमार के सभी गानों को प्रतिबंधित कर दिया गया।

मैं इमरजेंसी के उन दिनों को भूल नहीं सकता और शायद आज भी वो तस्वीरें मौजूद हैं। ये जो लोकतंत्र की बातें करते हैं, मानव गरिमा की बातें करते हैं, और बड़े-बड़े भाषण देने के लिए शौकीन लोग हैं, आपातकाल में जॉर्ज फर्नांडीज समेत देश के महानुभावों को हथकड़ियां पहनाई गई थी, जंजीरों से बांधा गया था। संसद के सदस्य, देश के जनमान्य नेता, उनको हथकड़ियां और जंजीरों से बांधा गया था। उनके मुंह में संविधान शब्द शोभा नहीं देता है।

सत्ता सुख के लिए, शाही परिवार के अहंकार के लिए, इस देश के लाखों परिवारों को तबाह कर दिया गया, देश को जेल खाना बना दिया गया। बहुत लंबा संघर्ष चला, ये अपने आप को बहुत बड़ा तीस मार खान मानने वालों को जनता जनार्दन की ताकत को स्वीकार करना पड़ा, घुटने टेकने पड़े और देश में जनता जनार्दन के सामर्थ्य से इमरजेंसी हटी, ये भारत के लोगों की रगों में जो लोकतंत्र है ना, उसी का परिणाम था। हमारे माननीय खरगे जी आपके सामने बढ़िया-बढ़िया शेर सुनाते रहते हैं, और उनका शौक है शेर सुनाने का, और सभापति जी आप भी बड़ा मजा लेते हैं। एक शेर मैंने भी कहीं पढ़ा था, तमाशा करने वाले को क्या खबर, तमाशा करने वाले को क्या खबर, हमने कितने तूफानों को पार कर दीया जलाया है, हमने कितने तूफानों को पार कर दीया जलाया है।

मैं आदरणीय खरगे वरिष्ठ नेता हैं और मैं हमेशा सम्मान करता रहूंगा और इतना लंबा समय सार्वजनिक जीवन यह छोटी बात नहीं है और मैं इस देश में चाहे शरद पवार हो, चाहे खरगे जी हो उन सबका, मैं हमारे देव गौड़ा जी बैठे हैं, यह असामान्य सिद्धियां हैं उनके जीवन की जो उन्होंने, ऐसा है खरगे जी, आपको अपने घर में तो यह बातें सुनने को नहीं मिलेगी, मैं ही बताऊंगा, इस बार मैं देख रहा था कि खरगे जी कविताएं पढ़ रहे थे, लेकिन जो बातें बता रहे थे और आपने बड़ा सही पकड़ा था, कि जरा बताओ तो सही मुझे कविता है कब की, उनको पता था यह कविताएं कब की है, भीतर कांग्रेस की दुर्दशा का इतना दर्द पड़ा था लेकिन वहां हालत यह है कि बोल नहीं सकते, तो उन्होंने सोचा ये अच्छा मंच है यहीं बोल दे, और इसलिए उन्होंने नीरज की कविता के माध्यम से उनके घर के हालात यहां प्रस्तुत किए।

खरगे जी को मैं आज वही कवि नीरज जी की कुछ पंक्तियां सुनाना चाहता हूं। कांग्रेस सरकार का जो दौर था, उस समय नीरज जी ने यह कविताएं लिखी थीं और उसमें उन्होंने कहा था, है बहुत अंधियारा अब सूरज निकलना चाहिए, जिस तरह से भी हो यह मौसम बदलना चाहिए। नीरज जी ने कांग्रेस के उस कालखंड में यह कविता कही थी। 1970 में जब कांग्रेस चारों तरफ कांग्रेस ही कांग्रेस का राज चलता था, उस समय नीरज जी का एक और कविता संग्रह प्रकाशित हुआ था, फिर दीप जलेगा हरि ओम जी तो अभ्यासु हैं तो उनको भलि भांति पता है, उस समय उनका यह संग्रह प्रसिद्ध हुआ था, फिर दीप जलेगा उसमें उन्होंने कहा था, और यह बड़ा महत्वपूर्ण है, नीरज जी ने उस समय कहा था- मेरे देश उदास न हो, नीरज जी ने अपनी कविता में कहा था, मेरे देश उदास ना हो, फिर दीप चलेगा, तिमिर ढलेगा और हमारा सौभाग्य देखिए, हमारे प्रेरणा पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने भी 40 साल पहले कहा था, सूरज निकलेगा, अंधेरा छटेगा, कमल खिलेगा। आदरणीय नीरज जी ने जो कहा था, जब तक कांग्रेस का साल था सूरज चमकता रहा, देश ऐसे ही अंधेरे में रहता रहा, कई दशक तक ऐसे ही हाल बने रहे।

गरीबों को शक्ति देने के लिए, गरीबों के सशक्तिकरण के लिए, जितना काम हमारे कार्यकाल में हुआ है, हमारी सरकार के द्वारा हुआ है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। गरीबों का सशक्तिकरण और गरीब ही गरीबी को परास्त करें, उस दिशा में हमने योजनाओं को आकार दिया और मुझे मेरे देश के गरीबों पर भरोसा है, उनके सामर्थ्य पर भरोसा है, अगर अवसर मिल जाए ना, तो वह हर चुनौतियों को पार कर सकता है और गरीब ने करके दिखाया है, योजनाओं का लाभ लेते हुए, अवसरों का फायदा उठाते हुए, सशक्तिकरण के माध्यम से 25 करोड़ गरीबी को परास्त करने में सफल हुए हैं। 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालना यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमने बहुत बड़ा काम किया है। जो लोग गरीबी से निकले हैं, कठोर परिश्रम करके निकले हैं, सरकार पर भरोसा करते हुए, योजनाओं को आधार बनाकर के और आज गरीबी से निकलकर वो एक नियो मिडिल क्लास हमारे देश में अर्जित हुआ है।

मेरी सरकार इस नियो मिडिल क्लास और मिडिल क्लास के साथ डट करके खड़ी है और बहुत कमिटमेंट के साथ हम खड़े हैं। हमारे नियो मिडिल क्लास और मिडिल क्लास की आकांक्षाएं आज देश के लिए गति देने वाली शक्ति है, हमारे देश की एक नई ऊर्जा है, देश की प्रगति का सबसे बड़ा आधार है। हम मिडिल क्लास के नियो मिडिल क्लास के सामर्थ्य को बढ़ाना चाहते हैं। हमने मिडिल क्लास के लिए एक बहुत बड़े हिस्से को टैक्स में इस बजट में जीरो कर दिया है। 2013 में दो लाख तक की आय टैक्स में मुक्ति थी, इनकम टैक्स में दो लाख तक मुक्ति थी, आज हमने 12 लाख तक टैक्स में मुक्ति कर दी है। हम 70 साल से ऊपर के किसी भी वर्ग के क्यों ना हो, किसी भी समाज से क्यों ना हो, उनको आयुष्मान योजना का लाभ देकर के और उसका सबसे बड़ा लाभ मिडिल क्लास के बुजुर्गों को मिल रहा है।

हमने देश में चार करोड़ घर बनाकर हमारे देशवासियों को दिए हैं। जिसमें से एक करोड़ से ज्यादा घर शहरों में बने हैं। घर खरीदने वालों के साथ बहुत बड़ा फ्रॉड हुआ करता था, उनको सुरक्षा देना बहुत जरूरी था और इसी सदन में हमने रेरा का कानून बनाया है, जो आज मध्यम वर्ग के घर के सपने के खिलाफ रुकावटें थी, उसको दूर करने का महत्वपूर्ण हथियार बना है। इस बार बजट में स्वामी इनिशिएटिव लाया गया है, जो हाउसिंग प्रोजेक्ट अटके हुए हैं, जिसमें मध्यमवर्ग के पैसे रुके हुए हैं और उनकी सुविधाएं अटकी हुई हैं, उनके उस काम के लिए 15000 करोड़ रुपए इस बजट में हमने आवंटित किया है ताकि मध्यम वर्ग के उन सपनों को पूरा कर सकें।

स्टार्टअप का रिवोल्यूशन जिसको आज दुनिया ने देखा है और उसका एक प्रभाव भी है, ये स्टार्टअप चलाने वाले कौन हैं, ये स्टार्टअप चलाने वाले नौजवान ज्यादातर मिडिल क्लास के नौजवान हैं। आज पूरी दुनिया भारत के प्रति आकर्षित है, खास करके जी 20 समूहों की देश के 50-60 स्थानों पर जो मीटिंगें हुई, उसके कारण भारत को जो पहले सभी दिल्ली, मुंबई या बेंगलुरु मानते थे, भारत को विशालता का उनको पता चला है और आज विश्व का भारत के टूरिज्म के प्रति आकर्षण बढ़ा है और जब टूरिज्म बढ़ता है तो व्यवसाय के भी अनेक अवसर आते हैं और उसका लाभ भी हमारे मिडिल क्लास को बहुत मिलने वाला है, उनके आय के साधन।

आज हमारा मिडिल क्लास आत्मविश्वास से भरा हुआ है और यह अभूतपूर्व है, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सामर्थ्य बना देता है देश का और मुझे पूरा विश्वास है कि भारत का मध्यमवर्ग विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए कमर कस करके खड़ा हो गया है, हमारे साथ चल पड़ा है।

विकसित भारत के निर्माण में सबसे बड़ा रोल देश के युवाओं का है, हमें डेमोग्राफी का डिविडेंड उस पर हमारा भी बल है, जो अभी स्कूल कॉलेज में है, वही विकसित भारत के सबसे बड़े लाभार्थी बनने वाले हैं और इसलिए उनके अंदर एक स्वाभाविक भाव है कि जैसे-जैसे उनकी उम्र बढ़ेगी, वैसे-वैसे देश की विकास की यात्रा बढ़ेगी और जो उनके लिए एक बहुत बड़ा और एक प्रकार से विकसित भारत का बेस हमारे यहां स्कूल कॉलेज के नौजवान हैं, वो हमारा सामर्थ्य हैं। पिछले 10 साल में लगातार इस तबके को इस बेस को मजबूत करने के लिए हमने बहुत सोची समझी रणनीति के तहत काम किया है। 21वीं सदी की शिक्षा कैसी होनी चाहिए, शिक्षा नीति के लिए पहले सोचा तक नहीं गया, जो चलता है चलने दो, जैसा होता है होता रहे। करीब तीन दशक के अंतराल के बाद नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लेकर के हम आए। इस नीति के तहत बहुत सारे इनीशिएटिव है, उसमें एक की चर्चा करता हूं, पीएम श्री स्कूल। ये पीएम श्री स्कूल आज करीब 10-12000 स्कूल ऑलरेडी बना चुके हैं, और नए बनाने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं।

एक महत्वपूर्ण निर्णय हमने शिक्षा नीति में बदलाव लेकर आए हैं। मातृभाषा में पढ़ाई और मातृभाषा में परीक्षा, इस पर हमने बल दिया है। देश आजाद हुआ, लेकिन ये कुछ गुलामी की मानसिकता कहीं-कहीं जकड़ के रखा था ना, उसमें ये हमारी भाषा भी थी। हमारी मातृभाषा के साथ घोर अन्याय हुआ है और गरीब का बच्चा, दलित का बच्चा, आदिवासी का बच्चा, वंचित का बच्चा, वो इसलिए रुक जाएं ताकि उसको language नहीं आती है। यह उसके साथ घोर अन्याय था और सबका साथ, सबका विकास का मंत्र मुझे चैन से सोने नहीं देता था और इसी वजह से मैंने कहा कि देश में मातृभाषा में शिक्षा, मातृभाषा में डॉक्टर बने, मातृभाषा में इंजीनियर बने। जिनको अंग्रेजी भाषा पढ़ने नसीब नहीं हुई, उनके सामर्थ्य को हम रोक नहीं सकते। हमने बहुत बड़ा बदलाव किया है और उसके कारण आज गरीब मां का, विधवा मां का वो बच्चा आज डॉक्टर, इंजीनियर के सपने देखने लगा। आदिवासी युवाओं के लिए एकलव्य मॉडल स्कूलों का हमने विस्तार किया है। 10 साल पहले करीब डेढ़ सौ एकलव्य विद्यालय थे। आज चार सौ सत्तर हो गए हैं और अब हम दो सौ और ज्यादा एकलव्य स्कूल की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

हमने सैनिक स्कूलों में भी बहुत बड़ा रिफॉर्म किया और सैनिक स्कूलों में हमने बेटियों को भी प्रवेश की व्यवस्था की है। आप स्वयं सैनिक स्कूल के विद्यार्थी रहे हैं। पहले बेटियों के लिए उसके दरवाजे बंद थे और आप भी जानते हैं कि सैनिक स्कूलों का महात्मय क्या होता है, उसका सामर्थ्य क्या होता है, जिसने आप जैसे व्यक्तियों को जन्म दिया है। अब वो अवसर मेरे देश की बेटियों को भी मिलेगा। हमने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोल दिए हैं। और अभी हमारी सैकड़ों बेटियां देशभक्ति के इस माहौल में अपनी पढ़ाई कर रही हैं और देश के लिए जीने का जज्बा सहज रूप से उनके भीतर पनप रहा है।

युवाओं की ग्रूमिंग में एनसीसी की बहुत बड़ी भूमिका है। हममें से जो भी एनसीसी के संपर्क में रहा है, उसे मालूम है कि उस उम्र में और उस कालखंड में एक बहुत सुनहरा अवसर होता है व्यक्ति के विकास में, सर्वांगीण विकास में, उसको एक एक्सपोजर मिलता है। बीते वर्षों में एनसीसी में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है, हम उसको भी जकड़ करके बैठ गए थे। 2014 तक एनसीसी में करीब 14 लाख कैडेट हुआ करते थे, आज वो संख्या 20 लाख पार कर गई है।

देश के युवाओं में जो उमंग है, उत्साह है, नया कुछ कर गुजरने की इच्छा है, रूटीन काम से भी हटकर के कुछ करने का उनका इरादा है, ये साफ नजर आता है। जब मैंने स्वच्छ भारत अभियान चलाया, मैंने देखा कि आज भी कई शहरों की नौजवानों की टोलियां अपने तरीके से, स्वयं प्रेरणा से स्वच्छता के अभियान को आगे बढ़ा रही हैं। कोई झुग्गी-झोपड़ी में जाकर के शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं, कई नौजवान

कुछ न कुछ कर रहे हैं। इन सारी बातों को देखकर के हमें लगा कि देश के युवाओं को एक अवसर मिलना चाहिए। संगठित रूप से प्रयास होना चाहिए और इनके लिए हमने MyBharat एक आंदोलन शुरू किया है। मेरा युवा भारत, MyBharat ! आज करीब डेढ़ करोड़ से ज्यादा युवाओं ने उसमें अपनी रजिस्ट्री करवाई है और देश के वर्तमान विषयों पर चर्चा करना, मंथन करना, समाज को जागरूक करना, सक्रियता से ये नौजवान अपनी प्रेरणा से कर रहे हैं। उनको Spoon Feeding की जरूरत नहीं पड़ रही है, वो अपने सामर्थ्य से अच्छी चीजों को हाथ लगाकर के आगे बढ़ रहे हैं।

खेल का क्षेत्र, स्पोर्टसमेन स्पिरिट को जन्म देते हैं और जिस देश में स्पोर्टस जितना व्यापक होता है, उस देश में वो स्पिरिट अपने आप पनपता है। खेल प्रतिभा को बल देने के लिए हमने अनेक आयामों पर काम शुरू किया है। खेल के लिए जो infrastructure की जरूरत हो, उसके लिए जो Financial Support की आवश्यकता हो, उसमें अभूतपूर्व हमने मदद की है ताकि देश के नौजवानों को एक अवसर मिले। Target Olympic Podium Scheme (TOPS) और खेलों इंडिया अभियान हमारे स्पोर्टस इकोसिस्टम को पूरी तरह ट्रांसफॉर्म करने की ताकत रखते हैं और हम अनुभव भी कर रहे हैं। पिछले दिनों 10 साल में जितने भी इंटरनेशनल स्पोर्टस इवेंट हुए हैं, भारत ने अपना झंडा गाड़ दिया है, भारत ने अपना सामर्थ्य दिखा दिया है, भारत के नौजवानों ने अपना लोहा मनवा लिया है और उसमें हमारी बेटियां भी उतनी दम-खम के साथ दुनिया के सामने भारत की ताकत का प्रदर्शन कर रही हैं।

किसी भी देश को विकासशील से विकसित की जो यात्रा होती है, उसमें जनकल्याण के कामों का अपना महत्व है, लोक कल्याण के कामों का अपना महत्व है, लेकिन infrastructure एक बहुत बड़ा कारण होता है, बहुत बड़ी ताकत होता है और विकासशील से विकसित की यात्रा infrastructure से गुजरती है और हमने infrastructure के इस महत्व को समझा है और हमने इस पर बल दिया है। आज जब infrastructure की बात होती है, तो ये भी जरूरी है कि वो समय से पूरे हों, जिसकी हम कल्पना करें, योजना करें, आवश्यकता समझें लेकिन लटके रहें तो उसका फायदा नहीं मिलता है, उससे टैक्सपेयर का पैसा भी बर्बाद होता है और देश उस लाभ से वंचित रह जाता है। अनेक सालों तक इंतजार करता है, उसका बहुत बड़ा भारी नुकसान होता है, जिसको शब्दों में गिना नहीं जा सकता है। कांग्रेस के कालखंड में अटकाना, भटकाना, लटकाना, ये उनका कल्चर बन गया था और उसके कारण और ये उनकी राजनीति का हिस्सा था, किस प्रोजेक्ट को करने देना, नहीं करने देना उसमें राजनीति का तराजू रहता था। सबका साथ, सबका विकास का मंत्र नहीं होता था। इस कांग्रेस कल्चर से मुक्ति पाने के लिए हमने एक प्रगति नाम की व्यवस्था बनाई और उसे नियमित रूप से मैं स्वयं इस प्रगति platform के माध्यम से infrastructure के प्रोजेक्ट्स की detailed monitoring करता हूं। कभी ड्रोन से भी उस एरिया की videography और live interaction करता हूं, काफी मैं उसमें involve रहता हूं। करीब-करीब 19 लाख करोड़ रुपये के ऐसे जो प्रोजेक्ट अटके पड़े हुए थे, किसी न किसी कारण से, राज्य और केंद्र का coordination नहीं होगा, एक department का दूसरे department से coordination नहीं होगा, फाइलों में कहीं लटका पड़ा होगा। इन सारी चीजों का रिव्यू करता हूं और Oxford University ने उस पर अध्ययन किया है उस प्रगति पर, हमारे initiative पर और बहुत बड़ा उसने अच्छा रिपोर्ट दिया है और उसमें उसने एक बहुत बड़ा सुझाव दिया है। उनसे कहा है, प्रगति के initiative के बारे में कहा है। उन्होंने कहा है कि प्रगति के अनुभवों से सीखते हुए अन्य विकासशील देशों के पास भी infrastructure के विकास में क्रांति लाने का एक मूल्यवान अवसर है, ये प्रगति के ऊपर है। सभी Developing Countries के लिए उन्होंने ये सुझाव दिया है। पहले काम कैसे होते थे, मैं तथ्यों के साथ कुछ उदाहरण देना चाहता हूं ताकि पता चले कि कैसे देश को नुकसान किया गया है। मैं ये नहीं कह रहा हूं हर कोई एक ही व्यक्ति ने जानबूझकर किया होगा, लेकिन एक कल्चर Develop हो गया और उसका परिणाम हुआ, अब देखिए उत्तर प्रदेश में हम एग्रीकल्चर किसान भाषण तो बहुत बढ़िया दे देते हैं, अच्छा लगता है, भड़काने का काम करने में क्या जाता है? कुछ investment तो है ही नहीं, भड़काते रहो दुनिया को, कोई काम तो करना नहीं है। उत्तर प्रदेश में कृषि के लिए एक योजना थी सरयू नहर परियोजना। सरयू नहर परियोजना 1972, सोचिए साहब ! 1972 में स्वीकृत हुई थी। 5 दशक तक लटकी रही थी। 1972 में जिस योजना को सोचा गया, योजना बनी, फाइल पर स्वीकृत हो चुकी थी, 2021 में हमने आकर के इसको पूरा किया।

जम्मू-कश्मीर की उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाईन, 1994 में स्वीकृत हुई थी, 1994 में यह रेललाइन भी वर्षों तक लटकी रही, तीन दशक बाद आखिरकार हमने 2025 में इसे पूरा किया।

उड़ीसा की हरिदासपुर-पारादीप रेल लाइन 1996 में स्वीकृति हुई थी, यह भी बरसों तक अटकी रही और यह भी 2019 में हमारे कार्यकाल में पूरी हुई।

असम का बोगीबील ब्रिज, 1998 में स्वीकृत हुआ था। यह भी हमारी सरकार ने 2018 में पूरा किया। और मैं ऐसे आपको सैकड़ों उदाहरण दे सकता हूं, अटकाना, लटकाना, भटकाना, इस कल्चर ने कितना देश को बर्बाद किया है, ये सैकड़ों उदाहरण मैं दे सकता हूं। आप कल्पना कर सकते हैं, कांग्रेस ने अपने कार्यकाल में देश के लिए, देश जिसके लिए हकदार था, जो होने की संभावनाएं भी थी, इस प्रगति का न करते हुए कितनी बर्बादी की है, इसका आप अंदाज लगा सकते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सही प्लानिंग और समय सही एग्जीक्यूशन, इसके लिए पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान बनाया है। पीएम गति शक्ति में जो लोग डिजिटल वर्ल्ड में इंटरेस्टेड हैं, उनके लिए जरूरी है समझना और मैं तो चाहूंगा इसको राज्यों को भी उपयोग करना चाहिए। पीएम गति शक्ति प्लेटफॉर्म में 1600 डेटा लेयर्स है, हमारे देश के अलग-अलग कामों के और निर्णय प्रक्रिया को तेज करते हैं, सरल करते हैं और उसको लागू करने में भी बहुत तेजी से उसको लागू किया जा सकता है, तो आज गति शक्ति प्लेटफार्म अपने आप में एक बहुत बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर के काम को गति देने वाला आधार बन गया है।

आज के नौजवानों को यह जानना बहुत जरूरी है कि उनके मां-बाप को मुसीबतों से जिंदगी क्यों गुजारनी पड़ी। देश की ऐसी हालत क्यों हुई, उनको जानना बहुत जरूरी है। अगर बीते दशक में डिजिटल इंडिया के लिए हम प्रोएक्टिव ना होते, हम कदम न उठाते, तो आज जैसी सुविधाएं लेने में हमें कई साल इंतजार करना पड़ता। ये हमारे प्रोएक्टिव डिसीजन और प्रोएक्टिव एक्शन का परिणाम है कि आज हम समय से, समय के साथ या कहीं-कहीं समय से आगे चल रहे हैं। आज देश में 5जी टेक्नोलॉजी दुनिया में सबसे तेज गति से व्याप्त हमारे देश में है।

मैं अतीत के अनुभवों से कह रहा हूं। कंप्यूटर हो, मोबाइल फोन हो, एटीएम हो, ऐसी कई टेक्नोलॉजी, दुनिया के कई देशों में हमारे से बहुत पहले पहुंच चुकी थी, लेकिन भारत में आते-आते दशकों बीत गए, तब जाकर के पहुंचा। अगर मैं हेल्थ की बात करूं, बीमारी की बात करूं, टीकाकरण की बात करूं, जैसे चेचक, बीसीजी का टीका, जब हम गुलाम थे, तब दुनिया में वह टीकाकरण हो रहा था। कुछ देशों में हो चुका था, लेकिन भारत में यह दशकों बाद आया। पोलियो की वैक्सीन हमें दशकों तक इंतजार करना पड़ा, दुनिया आगे बढ़ चुकी थी,

हम पीछे रह गए थे। कारण यह था कांग्रेस ने देश की व्यवस्था को ऐसे जकड़ करके रखा था, उनको लगता था सारा ज्ञान सरकार में जो बैठे उन्ही को है, वही सब कर लेंगे और उसी का एक परिणाम था, लाइसेंस परमिट राज, मैं देश के नौजवानों को कहूंगा, लाइसेंस परमिट राज का कितना जुल्म था, देश विकास नहीं कर सकता था और लाइसेंस परमिट राज, यही कांग्रेस की पहचान बन गई थी।

कंप्यूटर का जब शुरुआती दौर था, तो कंप्यूटर कोई इंपोर्ट करना चाहता है, तो उसके लिए लाइसेंस लेना होता था, कंप्यूटर लाने के लिए और कंप्यूटर लाने के लाइसेंस पाने में भी सालों लग जाते थे।

वो दिन थे, मकान बनाने के लिए सीमेंट चाहिए, तो सीमेंट के लिए भी परमिशन लेना पड़ता था, शादी, ब्याह में अगर चीनी की जरूरत हो, चीनी! चाय पिलानी हो, तो भी लाइसेंस लेना पड़ता था। मेरे देश के नौजवानों को पता होना और मैं ये आजाद भारत की बात कर रहा हूं, मैं अंग्रेजों के कालखंड की बात नहीं कर रहा हूं। कांग्रेस के कालखंड की बात कर रहा हूं और कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री जो अपने आप को बहुत ज्ञानी मानते हैं, उन्होंने माना था कि लाइसेंस परमिट के बिना कोई काम होते नहीं है। सारे काम लाइसेंस परमिट के रास्ते से ही गुजरते हैं और उन्होंने यह भी कहा था कि लाइसेंस परमिट बिना रिश्वत के नहीं होता है। मैं कांग्रेस के वित्त मंत्री ने जो कहा, वह कह रहा हूं। बिना रिश्वत के नहीं होता है। अब कोई जाने, बहुत आसानी से समझ सकता है, उस जमाने में रिश्वत मतलब, हाथ की सफाई कौन करता था भाई, ये कौन पंजा था? वो पैसा कहां जाता था, देश का नौजवान भली भांति समझ सकता है। यही इस सदन में कांग्रेस के एक माननीय सदस्य हैं, मौजूद हैं, जिनके पिताजी के पास खुद के पैसे थे, खुद के पैसे थे, किसी से लेना नहीं था और कार खरीदना चाहते थे। यहां मौजूद एक एमपी हैं कांग्रेस के, उनके पिताजी खुद के पैसे से कार खरीदना चाहते थे। 15 साल तक उनको कार के लिए इंतजार करना पड़ा था, कांग्रेस के राज में।

हम सब जानते हैं स्कूटर लेना हो, तो बुकिंग करवाकर पैसा देना, 8-8, 10-10 साल एक स्कूटर खरीदने में लग जाता था और अगर मजबूरी में स्कूटर मानों बेचना पड़ा, तो उसके लिए सरकार से परमिशन लेनी पड़ती थी। यानी कैसे देश चलाया इन लोगों ने और इतना ही नहीं गैस सिलेंडर एमपी को कूपन दिया जाता था, एमपी को कूपन दिया जाता था कि तुम इलाके में 25 लोगों को गैस कनेक्शन दे सकते हो। गैस सिलेंडर के लिए कतार लगती थी। टेलीफोन कनेक्शन, नाकों दम आ जाता था टेलीफोन कनेक्शन के लिए, देश के नौजवानों को पता होना चाहिए, ये जो आज बड़े-बड़े भाषण झाड़ रहे हैं, उन्होंने क्या किया था देश को पता होना चाहिए।

यह सारी पाबंदियां और लाइसेंस राज की नीतियों ने भारत को दुनिया की सबसे धीमी आर्थिक वृद्धि दर में धकेल दिया। लेकिन क्या आप जानते हैं, इस कमजोर वृद्धि दर को, इस विफलता को, दुनिया में किस नाम से कहने की शुरुआत हो गई, हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहने लगे। एक समाज का पूरा अपमान, विफलता सरकार में बैठे हुए लोगों की, काम न करने के सामर्थ्य बैठे हुए लोगों का, समझ शक्ति का अभाव बैठे हुए लोगों का, दिन रात भ्रष्टाचार में डूबे हुए लोगों का और गाली पड़ी एक बहुत बड़े समाज को, हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ.

शाही परिवार के आर्थिक कुप्रबंधन और गलत नीतियों के कारण, पूरे समाज को दोषी ठहराया गया और दुनिया भर में बदनाम किया गया। जबकि हम इतिहास देखें तो भारत के लोगों का तरीका और नीतियां, भारत के स्वभाव में लाइसेंस राज नहीं था, परमिट नहीं थी। भारत के लोग सदियों से हजारों साल से खुले में विश्वास करते थे और हम उन समुदाय में सबसे पहले थे जो दुनिया भर में मुक्त व्यापार, फ्री ट्रेड, उसमें मेहनत करते थे, काम करते थे।

सदियों पहले भारतीय व्यापारी दूर दराज के देशों तक व्यापार करने के लिए जाते थे, कोई बंधन नहीं थे, कोई रुकावटें नहीं थीं। यह हमारी प्राकृतिक संस्कृति थी, हमने उसको तबाह करके रख दिया है। आज जब पूरी दुनिया भारत की आर्थिक क्षमता को पहचानने लगी है, आज दुनिया तेज गति से आगे बढ़ने वाले देश के रूप में देख रही है, तो आज दुनिया भारत रेट ऑफ ग्रोथ, दुनिया देख रही है और हर भारतीय को इसका गौरव है और हम अपनी अर्थव्यवस्था का विस्तार कर रहे हैं।

कांग्रेस के पंजे से मुक्त होकर अब देश चैन की सांस ले रहा है और ऊंची उड़ान भी भर रहा है। कांग्रेस के लाइसेंस राज और उसकी कुनीतियों से बाहर निकलकर, हम मेक इन इंडिया को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए हमने पीएलआई स्कीम शुरू की, एफडीआई से जुड़े रिफॉर्म्स किए। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल प्रोडक्शन वाला देश बना है। पहले हम ज्यादातर फोन बाहर से इंपोर्ट कर रहे थे, अब हमारी पहचान एक मोबाइल एक्सपोर्टर के रूप में बनी है।

आज भारत की पहचान डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की बनी है। 10 साल में हमारा डिफेंस प्रोडक्ट 10 गुना एक्सपोर्ट बढ़ा है। 10 साल में 10 गुना बढ़ा है। भारत में सोलर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग भी 10 गुना बढ़ गए हैं। आज हमारा देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्टील प्रोड्यूसर देश है। 10 सालों में हमारा मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक एक्सपोर्ट तेजी से आगे बढ़ा है। बीते 10 सालों में भारत का टॉयज एक्सपोर्ट तीन गुना से ज्यादा बढ़ गया है। इन्हीं 10 सालों में एग्रो केमिकल एक्सपोर्ट भी बढ़ा है। कोरोना के कालखंड में हमने 150 से ज्यादा देशों को वैक्सीन और दवाइयां सप्लाई की- मेड इन इंडिया। हमारे आयुष और हर्बल प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट भी बहुत तेज गति से बढ़ा है और बढ़ रहा है।

खादी जो कांग्रेस ने की तो सबसे बड़ा एक काम करते न खादी के लिए, तो भी मुझे लगता कि हां यह आजादी के आंदोलन के लोगों से कुछ प्रेरणा आगे बढ़ा रहे हैं, वो भी नहीं किया। खादी और विलेज इंडस्ट्री का टर्नओवर पहली बार डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का हुआ है। 10 साल में इसका प्रोडक्शन भी चार गुना हुआ है। इस सारी मैन्युफैक्चरिंग का बहुत बड़ा लाभ हमारे एमएसएमई सेक्टर को मिला है। इससे देश में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर तैयार हुए हैं।

हम सभी जनता के प्रतिनिधि हैं। हम जनता-जनार्दन के सेवक हैं, जनप्रतिनिधि के लिए देश और समाज का मिशन ही सब कुछ होता है और सेवा व्रत लेकर के ही जनप्रतिनिधियों के लिए काम करना, उनका दायित्व होता है।

देश की हम सभी से अपेक्षा है कि हम विकसित भारत को आत्मसात करने के लिए कोई कमी हमारी तरफ से नहीं रहनी चाहिए। हम सबका सामूहिक दायित्व होना चाहिए। ये देश का संकल्प है, ये किसी सरकार का संकल्प नहीं है, किसी व्यक्ति का संकल्प नहीं है, 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है और मेरे शब्द लिख करके रखिए, जो लोग विकसित भारत के संकल्प से अपनों को अछूता रखेंगे, देश उनको अछूता कर देगी। हर किसी को जुड़ना पड़ेगा, आप बच करके नहीं रह सकते, क्योंकि भारत का मिडिल क्लास, भारत का नौजवान पूरी ताकत के साथ देश को आगे बढ़ाने में जुट चुका है।

जब प्रगति की राह पर देश चल पड़ा है। विकास की नई ऊंचाइयों को देश अर्जित कर रहा है, तब हम सब की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। सरकारों में विरोध होना, लोकतंत्र का स्वभाव है। नीतियों का विरोध होना, लोकतंत्र की जिम्मेदारी भी है, लेकिन घोर विरोधवाद, घोर निराशावाद और अपनी लकीर लंबी नहीं करनी, दूसरी लकीर को छोटा करने की कोशिशें विकसित भारत में रुकावट बन सकती हैं, हमें उनसे मुक्त होना होगा और हमें आत्ममंथन भी करना होगा, निरंतर मंथन करना होगा। ▪

महिलाओं का योगदान उल्लेखनीय है

हमारी space journey की शुरूआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम-कदम पर चुनौतियाँ थीं, लेकिन हमारे वैज्ञानिक, विजय प्राप्त करते हुए, आगे बढ़ते ही गए। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलताओं की list काफी लंबी होती चली गई।

THERE, THE WORLD GREATLY APPRECIATED INDIA'S PROGRESS IN THIS SECTOR

इन दिनों Champions Trophy चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में century का रोमांच क्या होता है, ये तो हम सब भली-भाँति जानते हैं, लेकिन मैं, आप सबसे क्रिकेट नहीं, बल्कि भारत ने space में जो शानदार century बनाई है उसकी बात करने वाला हूँ। पिछले महीने देश इसरो (ISRO) के 100वें rocket की launching के साक्षी बने हैं। यह केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि इससे space science में नित नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। हमारी space journey की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम-कदम पर चुनौतियाँ थीं, लेकिन हमारे वैज्ञानिक, विजय प्राप्त करते हुए, आगे बढ़ते ही गए। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलताओं की list काफी लंबी होती चली गई। Launch vehicle का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो, आदित्य L-1 या फिर एक ही rocket से, एक ही बार में, 104 satellites को space में भेजने का अभूतपूर्व mission हो - इसरो (ISRO) की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है। बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 satellites launch की गई हैं और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी satellites शामिल हैं। हाल के वर्षों की एक बड़ी बात ये भी रही है कि space scientists की हमारी team में नारी-शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुझे यह देखकर भी बहुत खुशी होती है कि आज space sector हमारे युवाओं के लिए बहुत favourite बन गया है। कुछ साल पहले तक किसने सोचा होगा कि इस क्षेत्र में Start-Up और private sector की space कंपनियों की संख्या सैकड़ों में हो जाएगी! हमारे जो युवा, जीवन में कुछ thrilling और exciting करना चाहते हैं, उनके लिए space sector, एक बेहतरीन option बन रहा है।

आने वाले कुछ ही दिनों में हम 'National Science Day' मनाने जा रहे हैं। हमारे बच्चों का, युवाओं का science में interest और passion होना बहुत मायने रखता है। इसे लेकर मेरे पास एक idea है, जिसे आप 'One Day as a Scientist' कह सकते हैं, यानि, आप अपना एक दिन एक Scientist के रूप में, एक वैज्ञानिक के रूप में, बिताकर देखें। आप अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी मर्जी के अनुसार, कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन आप किसी Research Lab, Planetarium, या फिर Space Centre जैसी जगहों पर जरूर जाएँ। इससे science को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी। Space और Science की तरह एक और क्षेत्र है, जिसमें भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है - ये क्षेत्र है AI यानि Artificial Intelligence। हाल ही में, मैं AI के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था। वहाँ दुनिया ने इस sector में भारत की प्रगति की खूब सराहना की। हमारे देश के लोग आज AI का उपयोग किस-किस तरह से कर रहे हैं, इसके उदाहरण भी हमें देखने को मिल रहे हैं। अब जैसे, तेलंगाना में आदिलाबाद के सरकारी स्कूल के एक टीचर थोडासम कैलाश जी हैं। Digital गीत-संगीत में उनकी दिलचस्पी हमारी कई Tribal language को बचाने में बहुत महत्वपूर्ण काम कर रही है। उन्होंने AI tools की मदद से कोलामी भाषा में गाना compose कर कमाल कर दिया है। वे AI का उपयोग कोलामी के अलावा भी कई और भाषाओं में गीत तैयार करने के लिए कर रहे

हैं। Social media पर उनके track हमारे आदिवासी भाई-बहनों को खूब पसंद आ रहे हैं। Space sector हो या फिर AI, हमारे युवाओं की बढ़ती भागीदारी एक नई क्रांति को जन्म दे रही है। नई-नई technology को अपनाने और आजमाने में भारत के लोग किसी से पीछे नहीं हैं।

8 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' है। यह हमारी नारी-शक्ति को नमन करने का एक विशेष अवसर होता है। देवी माहात्म्य में कहा गया है-

विद्याः समस्ताः तव देवि भेदाः
स्त्रीयः समस्ताः सकला जगत्सु।

अर्थात् सभी विद्याएं, देवी के ही विभिन्न स्वरूपों की अभिव्यक्ति हैं और जगत की समस्त नारी-शक्ति में भी उनका ही प्रतिरूप है। हमारी संस्कृति में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। देश की मातृ-शक्ति ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के निर्माण में भी बड़ी भूमिका निभाई है। संविधान सभा में हमारा राष्ट्रीय ध्वज प्रस्तुत करते हुए हंसा मेहता जी ने जो कहा था, मैं उन्हीं की आवाज में आप सबके साथ share कर रहा हूँ।

It is in the fitness of things that this first flag that will fly over this august house should be a gift from the women of India. We have dawn the saffron colour; we have fought, suffered and sacrificed in the cause of our country's freedom. We have today attained our goal. In presenting this symbol of our freedom, we once more offer our services to the nation. We pledge ourselves to work for a great India, for building up a nation that will be a nation among nations. We pledge ourselves for a working for a greater cause to maintain the freedom that we have achieved.

हंसा मेहता जी ने हमारे राष्ट्रीय ध्वज के निर्माण से लेकर उसके लिए बलिदान देने वाली देश-भर की महिलाओं के योगदान को सामने रखा था। उनका मानना था कि हमारे तिरंगे में केसरिया रंग से भी ये भावना उजागर होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया था कि हमारी नारी-शक्ति भारत को सशक्त और समृद्ध बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देगी - आज उनकी बातें सच साबित हो रही हैं। आप किसी भी क्षेत्र पर नजर डालें तो पाएंगे कि महिलाओं का योगदान कितना व्यापक है।

इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूँ, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने social media account जैसे X, Instagram के accounts उनको देश की कुछ inspiring women को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूँ। ऐसी women जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, innovation किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को, वो, अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी। Platform भले ही मेरा होगा, लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियाँ और उनकी उपलब्धियों की बात होगी। यदि आप चाहती हैं कि ये अवसर आपको मिले, तो, NamoApp पर बनाए गए विशेष Forum के माध्यम से, इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे X और Instagram account से, पूरी दुनिया तक, अपनी बात पहुंचाएँ, तो आइए, इस बार महिला दिवस पर हम सब मिलकर अदम्य नारी-शक्ति को celebrate करें, सम्मान करें, नमन करें।

आप में से बहुत सारे लोग ऐसे होंगे, जिन्होंने उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों के रोमांच का आनंद उठाया होगा। देश भर के 11,000 से अधिक athletes ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन ने देवभूमि के नए स्वरूप को पेश किया। उत्तराखंड अब देश में strong sporting force के रूप में भी उभर रहा है। उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इस बार उत्तराखंड 7वें स्थान पर रहा - यही तो power of sports है, जो individuals और communities के साथ-साथ पूरे राज्य का कायाकल्प कर देती है। इससे जहां भावी पीढ़ियाँ प्रेरित होती हैं, वहीं culture of excellence को भी बढ़ावा मिलता है।

आज देश-भर में इन खेलों के कुछ यादगार प्रदर्शनों की खूब चर्चा है। इन खेलों में सबसे ज्यादा Gold Medal जीतने वाली Services की team को मेरी बहुत-बहुत बधाई। राष्ट्रीय खेलों में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी की भी मैं सराहना करता हूँ। हमारे बहुत से खिलाड़ी ''खेलो-इंडिया'' अभियान की देन हैं। हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल, महाराष्ट्र के किरण मात्रे, तेजस शिरसे या आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी, सबने, देश को नई उम्मीदें दी हैं। उत्तर प्रदेश के Javelin Thrower सचिन यादव और हरियाणा की high jumper पूजा और कर्नाटका की swimmer धिनिधि देसिन्धु ने देशवासियों का दिल जीता। इन्होंने तीन नए राष्ट्रीय record बनाकर सबको चौंका दिया। इस बार के राष्ट्रीय खेलों में teenage champions, उनका नंबर, हैरान करने वाला है। 15 साल के shooter गेविन एंटनी, यूपी की Hammer Throw खिलाड़ी 16 साल की अनुष्का यादव, मध्य प्रदेश के 19 साल के पोलवाल्टर देव कुमार मीणा ने साबित किया कि भारत का sporting future बेहद प्रतिभावान पीढ़ी के हाथों में है। उत्तराखंड में हुए National Games ने ये भी दिखाया कि कभी हार ना मानने वाले 'जीतते' जरूर हैं। Comfort के साथ कोई Champion नहीं बनता। मुझे खुशी है, हमारे युवा एथलीटों के determination और discipline के साथ भारत आज global sporting powerhouse बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

देहरादून में National Games की opening के दौरान मैंने एक बहुत ही अहम विषय उठाया है, जिसने देश में एक नई चर्चा

की शुरुआत की है - ये विषय है 'Obesity यानि मोटापा'। एक fit और Healthy Nation बनने के लिए हमें Obesity की समस्या से निपटना ही होगा। एक study के मुताबिक आज हर आठ में से एक व्यक्ति obesity की समस्या से परेशान है। बीते वर्षों में Obesity के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन, इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुणा बढ़ गई है। WHO का data बताता है कि 2022 में दुनिया-भर में करीब ढाई सौ करोड़ लोग overweight थे, यानि आवश्यकता से भी कहीं ज्यादा वजन था। ये आँकड़े बेहद गंभीर हैं और हम सभी को सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? अधिक वजन या मोटापा कई तरह की परेशानियों को, बीमारियों को भी जन्म देता है। हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं, जैसे एक तरीका मैंने सुझाया था, ''खाने के तेल में दस पर्सेन्ट (10 प्रतिशत) की कमी करना''। आप तय कर लीजिए कि हर महीने 10 प्रतिशत कम तेल उपयोग करेंगे। आप तय कर सकते हैं कि जो तेल खाने के लिए खरीदा जाता है, खरीदते समय ही अब 10 प्रतिशत कम ही खरीदेंगे। ये Obesity कम करने की दिशा में एक अहम् कदम होगा। मैं आज 'मन की बात' में इस विषय पर कुछ special message भी आप लोगों से share करना चाहता हूँ। शुरुआत Olympic Medalist नीरज चोपड़ा जी से करते हैं, जिन्होंने खुद सफलतापूर्वक Obesity पर काबू पाकर दिखाया है:

सभी को नमस्ते, मैं नीरज चोपड़ा आज आप सभी को बताना चाहता हूँ कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात' में इस बार Obesity के बारे में चर्चा की है, जो हमारे देश के लिए बहुत ही अहम् मुद्दा है, और मैं कहीं ना कहीं इस बात को खुद से भी relate करता हूँ, क्योंकि जब मैंने ground पर जाना start किया था तो उस टाइम में भी मेरा भी काफी मोटापा था और जब मैंने training start की अच्छा खाना start किया तो काफी health में मेरे सुधार आया और उसके बाद जब मैं एक professional athlete बन गया तो उसमें भी मेरी काफी help मिली और साथ में बताना चाहूंगा कि जो parents हैं वो खुद भी outdoor sport कोई न कोई खेलें और अपने बच्चों को भी लेकर जाएँ और एक अच्छा healthy life style बनाएं, अच्छा खाएं और अपने शरीर को एक घंटा या जितना भी time आप दे सकते हैं दिन में वो दें exercise के लिए। और मैं एक बात और add करना चाहूंगा अभी हाल ही में हमारे प्रधानमंत्री जी ने बोला था कि जो खाने में use होने वाला oil है उसको 10 प्रतिशत तक कम करें, क्योंकि कई बार हम काफी तली हुई चीजें ऐसी चीजें खा लेते हैं जिससे obesity पर काफी impact पड़ता है। तो मैं सभी को कहना चाहूँगा कि इन चीजों से बचें और अपनी health का ध्यान रखें। बस यही आपसे मैं गुजारिश करता हूँ और साथ उठकर हम अपने देश को ऊपर उठायेंगे,

नीरज जी आपका बहुत-बहुत आभार। जानी-मानी Athlete निखत जरीन जी ने भी इस विषय पर अपनी बात रखी है:

Hi मेरा नाम निखत जरीन है और मैं two times world boxing champion हूं। जैसे कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात' में Obesity को लेकर जिक्र किया है and I think it's a national concern हमें अपनी health को लेकर serious होना चाहिए because मोटापा जितनी जल्दी से फैल रहा है हमारे इंडिया में, उसको हमें रोकना चाहिए, और कोशिश यही करनी चाहिए कि हम जितना हो सके Healthy life style follow करें। मैं खुद एक athlete हो के कोशिश करती हूं कि मैं Healthy diet follow करूं because अगर मैंने गलती से भी unhealthy diet ले लिया है या मैंने oily चीजे खा ली तो जिसकी वजह से मेरे performance पे impact पड़ता है और मैं Ring में जल्दी थक जाती हूँ and मैं कोशिश यही करती हूँ कि मैं जितना हो सके edible oil जैसी चीजों को मैं कम इस्तेमाल करूँ और उसकी जगह Healthy diet follow करूँ और daily physical activity करूँ जिसकी वजह से मैं हमेशा fit रहती हूँ and I think हम जैसे common लोग जो हैं, जो daily job पर जाते हैं, काम पर जाते हैं, and I think हर किसी को Health को लेकर serious होना चाहिए और कुछ ना कुछ daily physical activity करनी चाहिए जिसकी वजह से हमें बीमारियों जैसे Heart Attack है और Cancer जैसे बीमारियों से हम दूर रहें और अपने आप को Fit रखे 'क्योंकि हम Fit तो India Fit'.

निखत जी ने वाकई कुछ अच्छे Points बताए हैं। आइए अब सुनते हैं, डॉ. देवी शेट्टी जी का क्या कहना है। आप सभी जानते हैं, वे एक बहुत ही सम्मानित डॉक्टर हैं, वे इस विषय पर निरंतर काम कर रहे हैं:

I would like to thank our Honorable Prime Minister for creating an awareness about obesity in his most popular 'Mann Ki Baat' programme. Obesity today is not a cosmetic problem; it is a very serious medical problem. Majority of the youngsters in India today are obese. The main cause of obesity today is poor quality of food intake especially excess intake of carbohydrates that is rice, chapatti and sugar and of course large consumption of oil. Obesity leads to major medical problems like heart disease, high blood pressure, fatty liver and many other complications. So my advice to all the youngsters; Start

exercising control your diet and be very very active and watch your weight. Once again I would like to wish all of you very very happy healthy future, Good Luck and God Bless.

खाने में तेल का कम उपयोग और Obesity से निपटना यह केवल Personal Choice नहीं है, बल्कि परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। खान-पान में तेल का अधिक इस्तेमाल Heart Disease, Diabetes और Hyper Tension जैसी ढेर सारी बीमारियों की वजह बन सकता है। अपने खान-पान में छोटे-छोटे बदलाव करके, हम, हमारे Future को Stronger, fitter और disease-free बना सकते हैं, इसलिए हमें बिना देर किये, इस दिशा में, प्रयास बढ़ाने होंगे, इसे अपने जीवन में उतारना होगा। हम सब मिलकर इसे खेल-खेल में बहुत प्रभावी रूप से कर सकते हैं। जैसे, मैं आज 'मन की बात' के इस Episode के बाद 10 लोगों को आग्रह करूंगा, Challenge करूंगा कि क्या वो अपने खाने में Oil को 10 प्रतिशत कम कर सकते हैं? और साथ ही उनसे ये आग्रह भी करूंगा कि वो आगे नए 10 लोगों को ऐसा ही Challenge दें। मुझे विश्वास है, इससे Obesity से लड़ने में बहुत मदद मिलेगी।

क्या आप जानते हैं कि Asiatic Lion, Hangul, Pygmy Hogs और Lion-tailed Macaque इसमें क्या समानता है? इसका जवाब है कि ये सब दुनिया में कहीं और नहीं पाए जाते हैं, केवल हमारे देश में ही पाए जाते हैं। वाकई हमारे यहाँ वनस्पति और जीव-जंतुओ का एक बहुत ही Vibrant Eco-System है, और ये वन्य जीव, हमारे इतिहास और संस्कृति में रचे-बसे हुए है। कई जीव-जन्तु हमारे देवी-देवताओं की सवारी के तौर पर भी देखे जाते हैं। मध्य भारत में कई जन-जातियाँ बाघेश्वर की पूजा करती हैं। महाराष्ट्र में वाघोबा के पूजन की परंपरा रही है। भगवान अयप्पा का भी बाघ से बहुत गहरा नाता है। सुंदरवन में बोनबीबी की पूजा-अर्चना होती है, जिनकी सवारी बाघ है। हमारे यहाँ कर्नाटका के हुली वेशा, तमिलनाडु के पूली और केरला के पुलिकली जैसे कई Cultural Dances हैं, जो Nature और Wild Life के साथ जुड़े हुए हैं। मैं अपने आदिवासी भाई-बहनों का भी बहुत आभार करूंगा, क्योंकि वो Wildlife Protection से जुड़े कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हैं। कर्नाटका के BRT Tiger Reserve में बाघों की आबादी में लगातार वृद्धि हुई है। इसका बहुत Credit

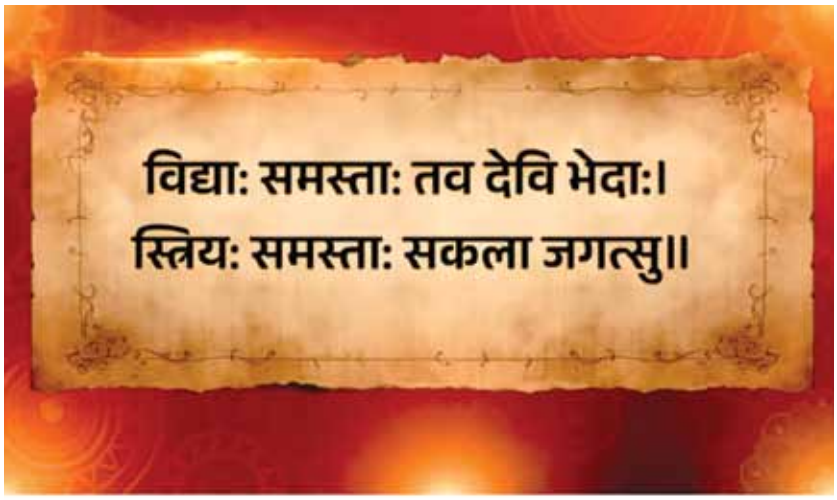

Soliga Tribes को जाता है, जो, बाघ की पूजा करते हैं। इनके कारण इस क्षेत्र में man-animal conflict ना के बराबर होता है। गुजरात में भी लोगों ने गिर में Asiatic Lions की सुरक्षा और संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने दुनिया को दिखा दिया है कि प्रकृति के साथ co-existence आखिर क्या होता है।

इन प्रयासों के कारण ही पिछले कई वर्षों में बाघ, तेंदुए, Asiatic Lions, Rhino और बारहसिंघा की आबादी तेजी से बढ़ी है, और भारत में वन्य जीवों की diversity कितनी खूबसूरत है, ये भी गौर करने लायक है। Asiatic Lions देश के पश्चिमी हिस्से में पाए जाते हैं, जबकि टाइगर का क्षेत्र है पूर्वी, मध्य और दक्षिण भारत, वहीं Rhino, पूर्वोत्तर में मिलते हैं। भारत का हर हिस्सा ना केवल प्रकृति के लिए संवेदनशील है, बल्कि, Wild Life Protection के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुझे अनुराधा राव जी के बारे में बताया गया है, जिनकी कई पीढ़ियों का नाता अंडमान निकोबार आइलैंड से रहा है। अनुराधा जी ने कम उम्र में ही Animal Welfare के लिए खुद को समर्पित कर दिया था। तीन दशकों से उन्होंने हिरण और मोर की रक्षा को अपना mission बनाया। यहां के लोग तो उन्हें 'Deer Woman' के नाम से बुलाते हैं। अगले महीने की शुरुआत में हम World Wildlife Day मनाएंगे। मेरा आग्रह है कि आप wildlife protection से जुड़े लोगों का हौसला जरूर बढ़ाएं। यह मेरे लिए बहुत संतोष की बात है कि इस क्षेत्र में अब कई Start-up भी उभरकर सामने आए हैं।

यह Board Exam का season है। मैं अपने युवा-साथियों यानि Exam Warriors को उनकी परीक्षाओं के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आप बिना कोई stress लिए पूरी Positive Spirit के साथ अपने papers दीजिए। हर वर्ष 'परीक्षा पे चर्चा' में हम अपने Exam Warriors से परीक्षाओं से जुड़े अलग-अलग विषयों पर बात करते हैं। मुझे खुशी है कि अब ये कार्यक्रम एक संस्थागत रूप लेता जा रहा है, Institutionalise हो रहा है। इसमें नए-नए experts भी जुड़ते चले जा रहे हैं। इस साल हमने एक नए format में 'परीक्षा पे चर्चा' करने का प्रयास किया। Experts के साथ, आठ अलग-अलग episode भी शामिल किए गए। हमने Overall Exams से लेकर Health Care और Mental Health के साथ खान-पान जैसे विषयों को भी cover किया।

वहीं पिछले Toppers ने भी अपने विचार और अनुभव सभी के साथ share किए। बहुत से युवाओं, उनके Parents और Teachers ने इस बारे में मुझे पत्र लिखे हैं। उन्होंने बताया है कि ये Format उन्हें बहुत ही अच्छा लगा है, क्योंकि इसमें हर विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। Instagram पर भी हमारे युवा-साथियों ने इन Episode को बड़ी संख्या में देखा है। आप में से बहुत सारे लोगों को इस कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली की सुंदर नर्सरी में किया जाना, यह भी बहुत पसंद आया। हमारे जो युवा-साथी 'परीक्षा पे चर्चा' के इन Episode को अब तक नहीं देख पाए हैं, वे, इन्हें जरूर देखें । ये सारे Episode NaMoApp पर रखे हुए हैं। एक बार फिर अपने Exam Warriors को मेरा यही message है ''Be happy and stress free''. ▪

समरसता का संदेश देता होली पर्व

होली सामाजिक, धार्मिक लोगों को जोड़ने का, सामाजिक सद्भाव का और रंगों का त्यौहार हैं। इसे बच्चों से बुर्जुगों तक बिना भेदभाव के उत्साह से मनाया जाता है।

होली भारत की संस्कृति में समरसता का संदेश है। होली के पर्व को रंग-गुलाल का पर्व भी माना जाता है। इस दिन होलिका दहन के बाद रंग-गुलाल की होली में सब समरस हो जाते है। इसमे न कोई छोटा बड़ा है न कोई भेदभाव रहता है। सब रंग-गुलाल की मस्ती में शामिल हो जाते है। धर्म संस्कृति के मूल में प्राणीमात्र के प्रति समभाव और सबको अपना मानने का संदेश है, होली पर्व श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा में धूम-धाम से मनाया जाता है।

प्रकृति में उल्लास मय वातावरण का प्रारम्भ वसंत के आगमन से शुरू हो जाता है। अब दिन धीर-धीरे बड़े होने लगते है, और पतझड़ भी आने लगता है। जब माघ माह की पूर्णिमा आती है, तभी होली का डंडा लगा देते है। आम पर बौर आने लगते है, वृक्षों में नई पत्तियों का आना शुरू हो जाता है। प्रकृति में नई आभा नजर आने लगती है। होली के आते ही नई रौनक, उत्साह, उमंग, तरंग और ऊर्जा दिखाई देने लगती है। होली सामाजिक, धार्मिक लोगों को जोड़ने का, सामाजिक सद्भाव का और रंगों का त्यौहार हैं। इसे बच्चों से बुर्जुगों तक बिना भेदभाव के उत्साह से मनाया जाता है। होलिका दहन में कंडे व लकड़ी का ढेर लगाकर होलिका पूजन किया जाता है, फिर उसमें आग लगाई जाती है। पूजा करते समय इस मंत्र का उच्चारण करते हैं।

असृक्पामयसंत्रस्तै: कृता त्वं होलि बालिशै:।
अतस्त्वां पूजियिश्यामि भूते भूतिप्रदा भव।।

होली यज्ञपर्व है, खेत के उगे अन्न को यज्ञ में हवन करके लिया जाता है। जिसे 'होला' कहा जाता है। इसीलिये इसे होलिकोत्सव कहते है। इस त्यौहार को मनाने के सबंध में कई मत है। कुछ प्रमुख मत निम्न है।

1. मान्यता है कि होलिकोत्सव का संबंध 'कामदहन' से है। भगवान शिव ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था। तभी से ये त्यौहार मनाया जाता हैं।
2. यह त्यौहार हिरण्यकश्यप की बहन की याद में भी मनाते है। मान्यता है कि हिरण्यकश्यप की बहन होलिका वरदान के प्रभाव से प्रतिदिन अग्नि स्नान करके भी सुरक्षित बिना जले रहती थी। हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन से प्रहलाद को गोदी में लेकर अग्नि स्नान हेतु कहा, ताकि प्रहलाद मर जाये। होलिका ने ऐसा ही किया, परन्तु प्रहलाद बच गये जबकि होलिका जल गई। तभी से होली मनाने की परम्परा हैं।
3. फाल्गुन शुक्ल की अष्टमी से पूर्णिमा तक आठ दिन होलाष्टक मनाया जाता है। हमारे देश के कई प्रदेशों में होलाष्टक शुरू होने पर एक पेड़ की शाखा काटकर उसमें रंग-बिरंगे कपड़ो के टुकड़े बाँधते है। इस शाखा को जमीन में गाड़ दिया जाता हैं। सभी लोग इसके आस-पास होलिकोत्सव मनाते हैं।
4. होली के समय आम की बौर और चन्दन को मिलाकर खाने का महात्म्य है। मान्यता है कि फाल्गुन पूर्णिमा के दिन हिंडोले में झूलते हुए श्री गोविन्द पुरूषोत्तम के दर्शन करने से बैकुण्ठ लोक में वास होता है।
5. भविष्यपुराण में है कि नारद जी ने महाराज युधिष्ठिर से कहा कि फाल्गुन की पूर्णिमा के दिन सबको अभयदान देना चाहिये, जिससे सम्पूर्ण प्रजा उल्लासपूर्वक हँसे। बालक गाँव के बाहर लकड़ी कंडे लाकर ढेर लगाये। होलिका का पूर्ण सामग्री सहित विधिवत पूजन करें। होलिका दहन करें। ऐसा करने से अनिष्ट दूर होते है।

होली, आनन्द मनाने का उत्सव है। इसमें उत्साह-उमंग है, पर कुछ बुराईयाँ भी आ गई है। लोग अबीर-गुलाल के स्थान पर कीचड़-गोबर-मिट्टी इत्यादि फेंकते हैं। नशा करते है, जिससे मित्रता की जगह शत्रुता पनपती है। इसका त्याग करना ही होली है। ये एकता, मित्रता, मिलन, भाईचारे का पर्व है। यही इसका उद्देश्य और संदेश हैं। ▪

पं. सलिल मालवीय

आत्मिक सुख की आवश्यकता

पं. दीनदयाल उपाध्याय

जब हम आगे देखते हैं, मानसिक सुख का विचार करते हैं तो पता चलता है कि मानसिक सुख भी केवल हमें दूसरों से ही प्राप्त होता है।

दूसरों को सुखी देखकर हमें कुछ सुख का अनुभव होता है।

व्यक्ति को केवल शारीरिक सुख ही नहीं, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक सुख की भी लालसा रहती है और इस प्रकार सभी सुखों के साथ-साथ समन्वयात्मक ढंग से वह यदि प्राप्त कर सका, तभी वह अपने जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव कर सकता है, अन्यथा एक प्रकार का सुख उसे यदि मिला और बाकी के सुखों से वह वंचित रहा तो पहले प्रकार का सुख भी उसको दुखकारक प्रतीत होता है। उस सुख का भी मूल्य समाप्त हो जाता है। अतएव हमारे सुख, हमारे जीवन के विविध पहलुओं को समान रूप से बढ़ाने वाले, समान रूप से आनंद देने वाले होने चाहिए।

कुछ व्यक्तियों की अपनी भिन्न-भिन्न प्रवृत्तियां हैं, उनके भिन्न-भिन्न अंग हैं, वैसे यदि देखें तो वह किसी भी प्रकार का सुख प्राप्त नहीं कर सकता। सुख को प्राप्त करने के लिए दूसरों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। हम बिल्कुल भौतिक दृष्टि से ही देखें- भोजन का प्रश्न आता है। अन्य भौतिक आवश्यकताएं हैं। तो पता चलता है कि अकेला व्यक्ति सभी भौतिक आवश्यकताएं पूरी नहीं कर सकता। स्वयं अन्न पैदा कर ले। स्वयं उसका आटा बनाए, स्वयं उसमें से खाना तैयार कर ले, ईंधन भी स्वयं ही इकट्ठा कर ले, उसके लिए जो बरतन आदि चाहिए, वह भी जुटा ले, तो यह वास्तविक स्थिति नहीं है। रॉबिन्सन क्रूसो का जो कुछ भी स्थान हम सबने पढ़ा होगा, उसने अपने ही प्रयत्न करके सब चीजें तैयार की। वह एक काल्पनिक जगत की बात है और वास्तव में उस व्यक्ति के प्रयत्न हैं कि जिस व्यक्ति ने समाज में अनेक वर्षों तक जीवन व्यतीत करके बहुत सी चीजें सीख ली थीं। अन्न कैसे उगाया जाता है, यह उसे मालूम था। मैदान कैसे बनाया जाता है, यह भी उसने देखा था। नाव कैसे बनाई जाती है, नाव कैसे तैरती है, यह वह अच्छी तरह से जानता था। सबका सब स्वयं उसने अपनी बुद्धि लगाकर अविष्कार किया। ऐसी तो कोई बात नहीं कि वह समाज से दूर हट गया होगा। उसने सब कुछ विचार स्वयं ही कर लिया होगा, ऐसा नहीं है।

वास्तविक जीवन में तो हम यही देखते हैं कि व्यक्ति दूसरों के ऊपर बराबर निर्भर रहता है। हम दूसरों पर निर्भर रहते हैं और जो कुछ दिखाई देता है वह इतना ही है कि एक व्यक्ति दूसरे के ऊपर निर्भर है। किसान जुलाहे के ऊपर निर्भर रहता है। वह उसे खाने के लिए अन्न देता है। डॉक्टर और शिक्षक एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं। डॉक्टर के बच्चे को शिक्षक पढ़ाता है। शिक्षक के बच्चे को डॉक्टर बीमार पड़ने पर दवाई देता है। हम चारों ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी एक-दूसरे के ऊपर निर्भर हैं। एक-दूसरे के द्वारा हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। बिना एक-दूसरे के कोई एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकता। कोई ऐसा सोचे कि मैं समाज से बिल्कुल अलग हटकर अपना ही विचार करके चलूंगा तो संभवतः वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकेगा। उसे संपूर्ण का विचार करना ही पड़ेगा। जब विचार करेगा तो प्रत्येक चीज में ढंग से अच्छी तरह से विचार करना ही पड़ेगा और यह विचार करना आना चाहिए।

जब हम आगे देखते हैं, मानसिक सुख का विचार करते हैं तो पता चलता है कि मानसिक सुख भी केवल हमें दूसरों से ही प्राप्त होता है। दूसरों को सुखी देखकर हमें कुछ सुख का अनुभव होता है। यदि हम दूसरों को दुःखी देखते हैं तो हमें दुःख का अनुभव होता है। हंसते हुए देखकर हमें भी हंसी आ जाती है। ऐसा कोई व्यक्ति होगा, जो बहुत बेरहम होगा। उसे किसी को रोते देखकर रोना नहीं आता और दूसरे को हंसता हुआ देखकर उसे हंसी नहीं आती। जबकि बहुत बार तो लोग दूसरे को देखकर रोना शुरू कर देते हैं। दूसरे के अंदर भय का भाव देखकर अपने अंदर भी भय भाव पैदा हो जाता है। दूसरों को पराक्रम करते हुए देखा तो लगता है, अपने को भी पराक्रम करना चाहिए। अर्थात् ये भावनाएं

सभी के अंदर रहती हैं।

कई बार ऐसा होता है कि हम किसी का विचार नहीं कर सकते। यहां तक कि हमारे पास सब प्रकार के सुख रहें। हमारे पास बहुत अच्छा भोजन है। हम भोजन करने के लिए बैठे हैं। बड़ी शांति और आनंद के साथ भोजन कर रहे हैं। कोई मांगने के लिए खड़ा हो जाए तो आपको इस भोजन में फिर आनंद ही नहीं आएगा। गाड़ी में आप भोजन करने के लिए बैठे, कोई भिखारी सामने से आ जाता है। ऐसा चेहरा बनाता है। एक तो गंदे कपड़े, आप उससे दूर हटने को भी कहोगे तो वह नहीं हटता। उस समय आप बिना दिए उससे छुटकारा नहीं पा सकते और जब तक आप दया करके उसे नहीं देंगे तो आपका आनंद ही चला जाएगा। इस प्रकार दूसरे के ऊपर हमारा यह मन का सुख सब प्रकार से अवलंबित रहता है।

कोई कहे कि नहीं हम तो मनमौजी हैं, अपने मन के अंदर हम सुखी रहेंगे, लेकिन इतने से काम नहीं चलेगा। किसी-न-किसी प्रकार सुख प्राप्त करने को दूसरे का सहारा हमें लेना ही पड़ेगा। बहुधा लोग उसी प्रकार का व्यवहार अपने आप करने लगते हैं। जैसे कि एक किस्सा है। एक जुलाहा था। उस जुलाहे की एक लड़की थी। एक बार लड़की झाड़ू लगाते-लगाते कुछ सोचने लगी। जैसे कुछ लोगों को कल्पना-लोक में विचरने की आदत होती है। वह भी कल्पना में खो गई। उसकी शादी पक्की हो चुकी थी, इसलिए वह इसी के बारे में सोचने लगी कि कुछ दिन बाद मेरी शादी हो जाएगी। मैं ससुराल चली जाऊंगी। कुछ दिन बाद मेरा बच्चा होगा। उसे खिलाएंगे, पिलाएंगे, घर में आनंद छा जाएगा। उसे कहीं लेकर जाएंगे तो वहां से रुपया मिलेगा, प्रेम मिलेगा। लेकिन फिर उसके मन में विचार आया कि अचानक कोई बीमारी गांव में फैलेगी। उस बीमारी में उसका बच्चा भी बीमार हो जाएगा। उसका इलाज कराया जाएगा। उसके बाद भी वह बच्चा नहीं बचेगा। बच्चा मर जाएगा। यही सोचकर उसके मन के अंदर से रोना छूटने लगा। वह रोने लगी। जब वह रोने लगी तो उसकी मां जो बाहर पानी भरने के लिए गई थी। उस समय वह लौटकर आई। उसे रोता हुआ देखकर वह भी रोने लगी। उस लड़की का भाई आया। उसे रोता देखकर वह भी रोने लगा। पिता आया सबको रोते देखकर उसे भी रोना आ गया।

पड़ोसियों ने जब रोने की आवाज़ सुनी तो वे भी वहां आ पहुंचे। उन सबको रोते देखकर पड़ोसिन औरतें भी रोने लगीं। वहां भीड़ इकट्ठी हो गई। एक व्यक्ति ऐसा आया, जिसे जिज्ञासा हुई रोने का कारण जानने की। उसने पूछा कि ये सब क्यों रो रहे हैं? क्या कोई मर गया है? लेकिन किसी को भी कारण पता नहीं था। अंत में जुलाहे से पूछा कि क्या बात हो गई है? जुलाहे ने कहा कि मेरी पत्नी और बच्चे रो रहे थे तो मैं भी रोने लगा। उसकी पत्नी ने कहा कि यह लड़की रो रही थी। मैंने सोचा कि कहीं से मृत्यु का समाचार आया होगा, इसलिए मैं भी रोने लगी। उसके लड़के ने भी यही बताया। बाद में लड़की से पूछा गया कि तू क्यों रो रही थी? तब उसने कहा कि मेरा लड़का मर गया, मैं इसलिए रो रही थी। सभी ने उससे यही पूछा कि तेरा लड़का कहां है? उसने बताया कि मैं इस तरह सब सोच रही थी। तो यह तो एक किस्सा है। लेकिन वास्तव में भी मनुष्य दूसरे को देखकर स्वयं भी रो पड़ता है। इसीलिए किसी साहित्यकार ने कहा है कि समाज दर्पण के समान है। इस दर्पण के सामने जैसा चेहरा लेकर खड़े हो जाएंगे, वैसा ही उसमें दिखाई देगा। हंसता हुआ चेहरा लेकर खड़े हो जाएंगे तो हंसता हुआ चेहरा दिखेगा। समाज भी उसी प्रकार से उसकी प्रतिक्रिया करता है। आप हंसते हुए खड़े होंगे तो समाज भी आपको हंसता हुआ दिखेगा। रोते हुए खड़े होंगे तो समाज भी आपको रोता हुआ दिखाई देगा। इस प्रकार से मन का सारा सुख समाज के ऊपर निर्भर करता है।

अकेला कोई सोचे कि मैं अकेले ही सुख प्राप्त कर लूंगा तो अकेला मनुष्य कभी सुख प्राप्त नहीं कर सकता। चार लोगों के साथ मिलकर ही सुख प्राप्त करेगा। कल्पना करें कि किसी के घर में विवाह है। उस विवाह में जितने ज्यादा लोग सम्मिलित होंगे, जितने ज्यादा मित्र आएंगे, उतना ही सुख बढ़ता चला जाएगा। लेकिन किसी का ऐसा विवाह हो कि विवाह में अकेले ही ब्याह करने चले गए, कोई दूसरा आया ही नहीं। न चार स्त्रियां वहां पर गीत गाने के लिए इकट्ठा हुईं और इस तरह यदि किसी का विवाह हुआ तो कोई क्या कहेगा कि यह विवाह काहे का रहा। आनंद तो है वहां, जहां चार लोग इकट्ठा होते हैं।

इसी तरह चार सुखी लोग इकट्ठा होंगे तो समाज का सुख बढ़ जाता है। इसी तरह दुःख के विषय में भी है। किसी के यहां मृत्यु हो जाए। वह अकेला ही बैठकर रोता रहे। कोई उसके यहां दुःख बांटने न आए। तब दुःख बढ़ जाता है। यदि कोई उसके पास आकर उसके दुःख का कारण पूछे या उसके रोने के साथ थोड़ा रो दे तो उसका दुःख कम हो जाता है। मृत्यु होने पर उसकी शमशान-यात्रा में लोग हजारों की संख्या में सम्मिलित हो जाएं तो उसके घर वालों का दुःख उतना ही कम हो जाता है और यदि कहीं पर सुख का मौका है तो वहां भी हजारों लोग इकट्ठा होते हैं। थोड़ी सी परेशानी उनका इंतजाम करने में हो सकती है, लेकिन सुख तो बढ़ जाता है।

इस प्रकार दुःख बांटने से दुःख कम हो जाता है और सुख बांटने से सुख में बढ़ोत्तरी होती है। जो व्यक्ति अकेला रहता है, उसको भय लगता है। अकेलेपन का भय। इस बारे में अपने यहां एक कहावत है कि दो तो मिट्टी के भी भले। वे मिट्टी के होंगे, लेकिन कम-से-कम दो तो होंगे। इसी तरह आप किसी जंगल में जाइए तो आप अकेले जाएंगे तो आपको डर लगेगा। लेकिन आपको कोई दूसरा साथी मिल जाए तो आपको बिल्कुल भी डर नहीं लगेगा। एक तरह का धैर्य मन में बैठ जाता है कि मैं अकेला नहीं हूं। ▪

▪ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने छतरपुर बालाजी मंदिर में दर्शन और पूजा की।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी भोपाल में वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए।

▪ संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने श्री खट्वांग महाराज जी की जयंती पर माल्यार्पण किया।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

▪ संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

▪ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मुरैना में पूर्व प्रधानमंत्री, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण किया।

▪ प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा जी खजुराहो राजनगर में संत रविदास मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए।

▪ संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने इंदौर में संगठनात्मक बैठक को संबोधित किया।

''आर्थिक योजनाओं तथा आर्थिक प्रगति का माप समाज के ऊपर की सीढ़ी पर पहुँचे हुए व्यक्ति नहीं, बल्कि नीचे स्तर पर विद्यमान व्यक्ति से होगा।''

पं. दीनदयाल उपाध्याय